मिशनों के लिए अंतरिक्ष यात्री तैयार करने की जरूरत : मोदी
- 12

कपास के शुल्क मुक्त आयात पर 30 सितंबर तक अनुमति
- 12

ट्रंप ने शुरू की पुतिन और जेलेंस्की के बीच आमना-सामना कराने की तैयारी
- 13

महिला विश्वकप के लिए भारतीय टीम में रेणुका ठाकुर शामिल, शैफाली वर्मा बाहर
- 14

आज का मौसम

32.0° अधिकतम तापमान

26.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.45

सूर्यास्त 06.46

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वादशी 01:58 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 20 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 270, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

एशिया कप -टी20 क्रिकेट

सूर्य कुमार यादव के नेतृत्व में टीम इंडिया की घोषणा

मुंबई। 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शुरू होने वाले एशिया कप-2025 टी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए सूर्य कुमार यादव की अगुवाई में 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। शुभमन गिल को उप कप्तान बनाया गया है। जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की लंबे समय के बाद छोटे प्रारूप की टीम में वापसी हुई है। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने टीम की घोषणा करते हुए कहा कि बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को भी टीम में शामिल किया गया है, जितेश शर्मा दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज होंगे।

ग्लोबल लीडरशिप का माध्यम बनेगी चिवनिंग-यूपी छात्रवृत्ति योजना : योगी

मुख्यमंत्री के समक्ष एफसीडीओ- प्रदेश सरकार के बीच हुआ एमओयू

- अटल बिहारी के नाम पर 'चिवनिंग-यूपी छात्रवृत्ति योजना' की शुरुआत
- हर वर्ष पांच छात्रों को मिलेगी यूके में मास्टर डिग्री के लिए स्कॉलरशिप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी की मौजूदगी में उप्र सरकार, एफसीडीओ यूके के बीच ऐतिहासिक समझौता हुआ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में मंगलवार को उप्र सरकार और द फॉरेन कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस (एफसीडीओ) यूके के बीच ऐतिहासिक समझौता हुआ। इसके तहत 'चिवनिंग-भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी उप्र राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना' शुरू की गई है। इसके तहत हर साल प्रदेश के पांच प्रतिभाशाली छात्रों को यूनाइटेड किंगडम के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में मास्टर डिग्री के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना मेधावियों के लिए ग्लोबल लीडरशिप का माध्यम बनेगी।

मुख्यमंत्री आवास पर मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह छात्रवृत्ति योजना प्रदेश की शिक्षा प्रणाली को नई दिशा देने और युवाओं को ग्लोबल लीडरशिप रोल के लिए तैयार करने का सशक्त माध्यम बनेगी। इस योजना का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, शोध और नेतृत्व में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर देना है। यह योजना शैक्षणिक सत्र 2025-26 से तीन वर्षों तक (2025-26, 2026-27 और 2027-28) संचालित होगी। इसके बाद 2028-29 से योजना को नवीनीकृत किया जाएगा।

भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी की प्रेरणा से प्रारंभ की गई यह योजना प्रदेश के युवाओं को वैश्विक शिक्षा और नेतृत्व में नई ऊंचाइयां हासिल करने का अवसर देगी। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर उत्तर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाएं।

प्रति छात्र 48 लाख खर्च सरकार देगी 23 लाख

छात्रवृत्ति में पूर्ण शिक्षण शुल्क, परीक्षा व शोध शुल्क, रहने-खाने का भत्ता और यूके तक आने-जाने का हवाई किराया शामिल रहेगा। प्रति छात्र लगभग लगभग 45 से 48 लाख रुपये का खर्च आएगा। इसमें से उत्तर प्रदेश सरकार लगभग 23 लाख रुपये वहन करेगी, शेष राशि का वहन एफसीडीओ यूके करेगा।

ब्रिटिश हाई कमिश्नर ने कहा-शानदार अवसर

ब्रिटिश हाई कमिश्नर टू इंडिया, लिंडी कैमरन ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष हुए एमओयू पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि यह बेहद खुशी की बात है। यह यूनाइटेड किंगडम और भारत के बीच बढ़ते रिश्तों का प्रतीक है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी की यूके विजिट के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों द्वारा ट्रेड एग्रीमेंट और विजन 35 साइन किया गया है, जिससे शिक्षा के साथ व्यापार के अवसर भी खुलेंगे।

भारत से विशिष्ट मुद्दों को सुलझाकर बढ़ाएंगे पारस्परिक विश्वास : वांग

नई दिल्ली, एजेंसी

- चीनी विदेश मंत्री और एनएसए डोभाल में कई मुद्दों पर बातचीत
- चीन ने माना कुछ वर्षों का मुश्किल दौर दोनों देशों के हित में नहीं था

गलवान में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प के पांच वर्ष बाद चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने मंगलवार को माना कि पिछले कुछ वर्षों का मुश्किल दौर दोनों देशों के हित में नहीं था और अब दोनों को आम सहमति बनाकर सीमाओं पर विशिष्ट मुद्दों को सुलझाकर परस्पर विश्वास बढ़ाना चाहिए। भारत ने भी सीमा पर शांति और सौहार्द के कारण संबंधों के मजबूत होने का उल्लेख करते हुए कहा है कि इससे दोनों देशों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिली है।

सीमा विवाद से संबंधित मुद्दों पर विशेष प्रतिनिधि स्तर की 24वीं बैठक में हिस्सा लेने के लिए भारत यात्रा पर आए चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने मंगलवार को यहां राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ बैठक में अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि भारत और चीन के बीच मजबूत और स्थिर संबंध दोनों देशों के दीर्घकालिक हितों की पूर्ति करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हमें जो मुश्किलें झेलनी पड़ीं, वे हमारे हित में नहीं थीं। सीमा विवाद से जुड़े विशेष मुद्दों के समाधान और परस्पर विश्वास बढ़ाने की मंशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि चीन भारत के साथ और अधिक आम सहमति बनाने के लिए तैयार है। हमें सीमाओं पर विशिष्ट मुद्दों को उचित ढंग से सुलझाना चाहिए और रणनीतिक बातचीत के माध्यम से आपसी विश्वास बढ़ाना चाहिए। वांग यी ने कहा कि हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब सीमाओं पर स्थिरता बहाल हो गई है। हम एससीओ के लिए प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा का स्वागत करते हैं। वांग ने कहा कि बीजिंग में सीमा वार्ता के 23वें दौर में हमने सीमाओं को स्थिर करने पर नई और महत्वपूर्ण सहमति हासिल की। डोभाल ने कहा कि पिछले नौ महीनों में सीमाओं पर शांति और सौहार्द के कारण संबंध और भी मजबूत हुए हैं, एक सकारात्मक रुझान देखने को मिला है।

सीमा पर शांति बनाए रखना महत्वपूर्ण : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन के साथ सीमा पर शांति और सौहार्द बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए कहा है कि भारत इस मुद्दे के पर परस्पर स्वीकार्य समधान के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ मंगलवार को बातचीत में कहा कि सीमा पर शांति और सौहार्द बनाए रखना महत्वपूर्ण है। वांग ने चीन में इस महीने के अंत में होने वाले शंघाई शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ओर से प्रधानमंत्री को निमंत्रण दिया। मोदी ने निमंत्रण के लिए राष्ट्रपति शी को धन्यवाद दिया और उसे स्वीकार किया।

ब्रीफ न्यूज

अब किसी भी बैंक से यूपीआई भुगतान ले सकेंगे डाकघर

नई दिल्ली। डाक विभाग ने 5,800 करोड़ रुपये की लागत वाली उन्नत डाक प्रौद्योगिकी (एपीटी) पूरे देश में लागू कर दी है जिससे विभाग को एक विश्वस्तरीय सार्वजनिक लॉजिस्टिक संगठन के रूप में बदला जा सकेगा। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि इस उन्नत मंच के जरिये डाकघर अब किसी भी बैंक के ग्राहकों से यूपीआई भुगतान ले सकेंगे।

बीकेआई मॉड्यूल के दो सदस्य गिरफ्तार

जालंधर। बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के कुछ दिनों बाद, काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर ने उसी मॉड्यूल के दो और गुर्गों को गिरफ्तार कर एक 86पी हैंड ग्रेनेड बरामद किया है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान विश्वजीत और जैक्सन के रूप में हुई है, जो नकोदर के शंकर इलाके के निवासी हैं।

अभिनेता अच्युत पोद्दार का 90 की उम्र में निधन

मुंबई। भारत की खोज और वागले की दुनिया जैसे टीवी शो और 3 इडियट्स जैसी फिल्मों में अपने अभिनय की छाप छोड़ने वाले बुजुर्ग अभिनेता अच्युत पोद्दार का सोमवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 90 साल के थे। अभिनेता अच्युत पोद्दार को कल शाम करीब चार बजे जुपिटर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पोद्दार ने दबंग 2 और फेरारी की सवारी जैसी प्रतिष्ठित फिल्मों में सहायक लेकिन अविस्मरणीय भूमिकाएं निभाईं।

राष्ट्रपति का कोर्ट से सलाह मांगने में कुछ भी गलत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

विधेयक समय सीमा मुद्दा

- राष्ट्रपति के संदर्भ के विरोध पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- समस्या क्या है...

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को पूछा कि अगर राष्ट्रपति स्वयं राष्ट्रपति के संदर्भ के माध्यम से यह राय मांगती हैं कि राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति पर निश्चित समय-सीमा लागू की जा सकती है या नहीं, तो इसमें गलत क्या है। प्रधान न्यायाधीश बीआर. गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने यह प्रश्न तब उठाया, जब तमिलनाडु और केरल की सरकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने राष्ट्रपति के संदर्भ की विचारणीयता पर ही सवाल उठाया।

पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल हैं। पीठ ने संदर्भ पर महत्वपूर्ण सुनवाई शुरू करते हुए पूछा कि जब माननीय राष्ट्रपति स्वयं संदर्भ पर राय मांग रही हैं, तो समस्या क्या है... क्या आप सचमुच इसका विरोध करने के लिए गंभीर हैं? पीठ ने कहा, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि हम परामर्शी अधिकार क्षेत्र में बैठे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मई में संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए शीर्ष अदालत से यह जानने का प्रयास किया था कि क्या राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर विचार करते समय राष्ट्रपति द्वारा विवेकाधिकार का प्रयोग करने के लिए न्यायिक आदेशों द्वारा समय-सीमाएं निर्धारित की जा सकती हैं। केंद्र ने अपने लिखित दलील में कहा है कि राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर कार्रवाई के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए निश्चित समय-सीमा निर्धारित करना, सरकार के एक अंग द्वारा ऐसा अधिकार अपने हाथ में लेना होगा, जो संविधान ने उसे प्रदान नहीं किया है और इससे संवैधानिक अव्यवस्था पैदा हो सकती है। केरल सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता केके. वेणुगोपाल ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200 के संबंध में इसी प्रकार के प्रश्नों की व्याख्या शीर्ष अदालत पंजाब, तेलंगाना और तमिलनाडु से संबंधित मामलों में पहले ही कर चुकी है।

उपराष्ट्रपति चुनाव

पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी बने विपक्ष के उम्मीदवार

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को घोषणा की कि उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्षी दलों के संयुक्त उम्मीदवार हैं। साथ ही उन्होंने देश के दूसरे सबसे बड़े पद के लिए होने वाले आगामी चुनाव को एक वैचारिक लड़ाई बताया।

रेड्डी उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और गोवा के पहले लोकायुक्त हैं। वह हैदराबाद स्थित अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता एवं मध्यस्थता केंद्र के न्यासी बोर्ड के सदस्य भी हैं। वह 21 अगस्त को अपना नामांकन दाखिल करेंगे। खरगे ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी दलों ने एक साझा उम्मीदवार चुनने का फैसला किया है, यह फैसला सर्वसम्मति से लिया गया है। मुझे खुशी है कि सभी विपक्षी दल एक नाम पर सहमत हुए। यह लोकतंत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि जब भी लोकतंत्र और संविधान पर हमला होता है, विपक्षी दल एकजुट होकर उसका मुकाबला करते हैं। इसलिए हमने इस चुनाव में एक अच्छे उम्मीदवार को मैदान में उतारने का फैसला किया है।

महत्वपूर्ण फैसला

सेवा एवं नियमितीकरण कानून में सुप्रीम कोर्ट ने स्थापित किया नया मानक

कर्मचारियों को ताबीज की तरह नहीं कर सकते इस्तेमाल

नई दिल्ली, एजेंसी

- इलाहाबाद हाईकोर्ट का पलटा फैसला, रोजगार में तदर्थवाद की आलोचना की

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा सेवा आयोग के लंबे समय से कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को राहत देने से इनकार करने वाला इलाहाबाद हाईकोर्ट का एक फैसला मंगलवार को पलटते हुए सेवा एवं नियमितीकरण कानून में नया मानक स्थापित किया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ व न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि वित्तीय बाधाओं को दशकों से स्थायी कार्य कर रहे कर्मचारियों को वैध नियमितीकरण से वंचित करने को ''ताबीज'' की तरह इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने रोजगार में तदर्थवाद की आलोचना करते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकारें केवल एक बाजार भागीदार नहीं, बल्कि एक संवैधानिक नियोक्ता भी हैं। पीठ ने अपने 22 पन्नों के फैसले में इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकार (केंद्र और राज्य) केवल बाजार भागीदार नहीं है, बल्कि एक संवैधानिक नियोक्ता है। वह उन लोगों के भरोसे बजट का संतुलन नहीं बना सकता जो सबसे बुनियादी और सार्वजनिक कार्य करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जहां काम दिन-ब-दिन और साल-दर-साल दोहराया जाता है, वहां प्रतिष्ठान को अपनी स्वीकृत शक्ति और संलग्नता प्रथाओं में उस वास्तविकता को प्रतिबिंबित करना चाहिए। अस्थायी स्तर के तहत नियमित श्रमिकों का दीर्घकालिक शोषण लोक प्रशासन में विश्वास को कम करता है।

प्रशासन में पारदर्शिता का होना जरूरी

कोर्ट ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि वित्तीय कठोरता का सार्वजनिक नीति में निश्चित रूप से एक स्थान है। लेकिन यह कोई ऐसा ताबीज़ नहीं है जो निष्पक्षता, तर्क और क़ानूनी आधार पर काम को व्यवस्थित करने के कर्तव्य को दरकिनार कर दे। इसके अलावा यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि 'तदर्थवाद' वहां पनपता है जहां प्रशासन अपारदर्शी होता है। धरम सिंह और अन्य द्वारा दायर याचिका छह अपीलकर्ताओं से संबंधित थी, जो वर्ष 1989 और 1992 के बीच चपरासी और ड्राइवर के पद पर कार्यरत थे। 30 वर्षों से अधिक की निरंतर सेवा के बावजूद उनकी स्थिति दैनिक वेतनभोगी या निश्चित मानदेय कर्मचारी जैसी ही रही, जिन्हें स्वीकृत पदों के पूरे कार्य करते हुए वर्षों तक केवल 1,500 से 2,000 रुपये प्रति माह मिलते रहे।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 20 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

बिना भेदभाव के मतदाता सूची में नाम जोड़े

अमरिया, अमृत विचार : त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के परिवर्धन, विलोपन और संशोधन कार्य की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मंगलवार को एसडीएम अमरिया मयंक गोस्वामी ने नवादा श्यामपुर गांव पहुंचकर बूथों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान बूथों पर बीएलओ की उपस्थिति पाई गई। एसडीएम ने निर्देश दिए कि बिना किसी पक्षपात के घर-घर जाकर पात्र व्यक्तियों की जांच करें। जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, उनके नाम निर्वाचन गणना प्रपत्र के आधार पर शामिल किए जाएं। आवश्यकतानुसार नामों का संशोधन एवं विलोपन भी किया जाए, ताकि मतदाता सूची शुद्ध एवं अद्यतन रह सके।

पति समेत अन्य पर प्रताड़ना की रिपोर्ट

बीसलपुर, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला ग्यासपुर निवासी फूल बी पत्नी असलम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पति असलम, ससुर नत्थू शाह, सास नन्ही बेगम, देवर अशरफ, शोएब, तस्लीम, आबिद उससे बाइक और जेवर की मांग करते हैं। इसके पूरा न होने पर मारपीट की गई। पीटकर घर से निकाल दिया गया। जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

दरोगा अरुणेश का मुरादाबाद तबादला

दियोरियाकलां, अमृत विचार : कोतवाली में तैनात दरोगा अरुणेश भदौरिया का तबादला मुरादाबाद जोन में कर दिया गया है। मंगलवार को कोतवाली में कार्यक्रम आयोजित कर दरोगा को विदाई दी गई। कोतवाल दिगंबर सिंह, एसएसआई अमित शर्मा, बेनीपुर चौकी इंचार्ज विपिन शुक्ला समेत स्टाफ मौजूद रहा। बता दें कि दरोगा अरुणेश का बीते दिनों एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह बंदरों के झुंड को चने खिलाते और शरबत पिलाते दिए थे।

छुट्टा पशु किसानों की फसल कर रहे बर्बाद

पीलीभीत, अमृत विचार : छुट्टा पशुओं से किसान परेशान हो गए। दिन रात फसलों की रखवाली कर रहे है। किसानों ने जिला प्रशासन से छुट्टा पशुओं को पकड़वाकर गोशाला में संरक्षित कराने की मांग की है। किसानों का कहना है जरा सा मौका मिलते ही छुट्टा पशु फसलों को चट कर जा रहे है। बारिश के मौसम में पशुओं का झुंड निकलने से फसल टूटकर बर्बाद हो रही है।

पीटीआर में वीडियो बनाने पर लगाया जुर्माना

वीडियो वायरल होने पर टाइगर रिजर्व प्रशासन ने आरोपी यूट्यूबर को हिरासत में लिया, ड्रोन जब्त

- पीटीआर की कोर एरिया में ड्रोन उड़ाकर बनाई थी रील

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व की कोर एरिया में बिना अनुमति ड्रोन उड़ाकर रील बनाना एक यूट्यूबर को महंगा पड़ गया। सोशल मीडिया पर वायरल रील का मामला संज्ञान में आने के बाद यूट्यूबर को हिरासत में लेकर उसको ड्रोन जब्त कर लिया गया। वन महकमे ने कोर एरिया में अवैध रूप से प्रवेश कर ड्रोन द्वारा वीडियो बनाने पर यूट्यूबर के विरुद्ध भारतीय वन एवं वन्यजीव अधिनियम के तहत केस दर्ज कर एक लाख रुपये जुर्माना डाला है।

युवा वर्ग में रील्स बनाने का चलन तेजी से बढ़ता जा रहा है। ढेरों लाइक और कमैंट्स की चाह का शौक उनकी रियल लाइफ पर भारी भी पड़ रहा है। इन सबके बावजूद रीलबाज आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला जनपद में सामने आया है। दरअसल शहर निवासी एक युवा ने कुछ दिन पहले पीलीभीत टाइगर रिजर्व का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया अपने अकांउट में पोस्ट किया था। वायरल वीडियो पीलीभीत टाइगर रिजर्व के प्रतिबंधित क्षेत्र (कोर एरिया) का होना बताया जा रहा है। जबकि टाइगर रिजर्व प्रशासन की बगैर अनुमति कोर एरिया में प्रवेश करना अवैध माना जाता है। इधर वायरल वीडियो मामला टाइगर रिजर्व प्रशासन के संज्ञान में आया तो वन अफसर एक्शन मोड में आ गए।

वायरल वीडियो की जांच करने के बाद रील बनाने वाले युवक को ट्रेस करने की कवायद शुरू की गई। बताते हैं सोमवार शाम ट्रेस कर युवक को हिरासत में ले लिया। वन अफसरों के मुताबिक युवक शहर के मोहल्ला शेर मोहम्मद निवासी अरबाज अंसारी है। उसके कब्जे से एक ड्रोन को भी जब्त किया गया है। वहीं वन क्षेत्र के कोर एरिया में अवैध रूप से प्रवेश कर ड्रोन द्वारा वीडियो बनाने के मामले में अरबाज अंसारी के विरुद्ध भारतीय वन्यजीव अधिनियम की धारा 26 और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की धारा 27 के तहत केस दर्ज कर एक लाख रुपये का जुर्माना डाला गया है। बताते हैं कि युवक से जुर्माना वसूलने के बाद उसे छोड़ दिया गया।

पीटीआर के प्रतिबंधित क्षेत्र में ड्रोन उड़ाता यूट्यूबर। ● अमृत विचार

कार्रवाई के बाद वीडियो किया डिलीट

यूट्यूबर ने पीलीभीत टाइगर रिजर्व के कोर एरिया का वीडियो बनाने के बाद उसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पीलीभीत जोन नाम से बने अकांउट पर अपलोड किया था। इधर मामला वन महकमे के संज्ञान में आने के बाद संबंधित यूट्यूबर पर वन एवं वन्यजीव अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। कार्रवाई के बाद यूट्यूबर द्वारा संबंधित वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट से डिलीट कर दी गई। यूट्यूबर पर कार्रवाई के बाद लोग सोशल मीडिया उसका अकाउंट खंगालने लगे।

> वन क्षेत्र के कोर एरिया में अवैध रुप से प्रवेश कर ड्रोन द्वारा वन क्षेत्र का वीडियो बनाया गया था। मामला संज्ञान में आने पर युवक को ट्रेस किया गया गया। उसके विरुद्ध कार्रवाई की गई है। – **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

ऑस्ट्रेलिया से आए युवक ने ड्रोन उड़ाया टोकने पर चौकीदार को धमकाया, रिपोर्ट

माधोटांडा , अमृत विचार : ऑस्ट्रेलिया में रहने के बाद गांव वापस आए युवक ने बिना अनुमति गांव में ड्रोन उड़ाया। रात में ड्रोन उड़ता देख ग्रामीण घबरा गए। इस पर जब चौकीदार ने समझाने का प्रयास किया तो आरोपी ने उसे धमका दिया। माधोटांडा पुलिस ने मामले में चौकीदार की तरफ से नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। माधोटांडा थाने में दी गई तहरीर में ग्राम धुरिया पलिया के निवासी अनिल विश्वास ने बताया कि वह गांव के चौकीदार हैं। 18 अगस्त की रात को उन्हें ग्रामीणों से सूचना मिली कि मझारा गांव का निवासी तरसेम सिंह बीते दिनों ऑस्ट्रेलिया गया था, जो तीन दिन पहले ही मझारा गांव वापस आया है। वह रात के वक्त गांव के आसपास ड्रोन उड़ा रहा है। जिससे ग्रामीण भयभीत हैं। जानकारी मिलने पर वह आरोपी के पास गए और बिना अनुमति इस तरह से ड्रोन उड़ाने से मना किया। आरोपी ने गलती स्वीकारने के बजाय धमका दिया। शिकायत करने पर मारने की धमकी दी गई। चौकीदार ने पुलिस से लिखित शिकायत की। जिसके बाद कार्रवाई हुई है। इंस्पेक्टर अशोक पाल ने बताया कि चौकीदार की ओर से रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच कराई जा रही है।

बर्ड फ्लू का खतरा, मेडिकल कॉलेज में बेड किए रिजर्व

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- बर्ड फ्लू को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी
- फ्लू जैसे लक्षण दिखने पर बिना देर किए डॉक्टर से ले परामर्श

अमृत विचार : प्रदेश के कई जिलों में बर्ड फ्लू के मामले सामने आने के बाद जनपद स्तर पर भी स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। जिसमें कहा है कि यह रोग पक्षियों से इंसानों तक फैल सकता है, इसलिए आमजन को विशेष सावधानी और सतर्कता बरतनी जरूरी है।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. संगीता अनेजा ने बताया बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लुएंजा) एक संक्रामक रोग है, जो पक्षियों में अचानक मौत, अंडों के उत्पादन में कमी और सुस्ती जैसे लक्षणों के साथ नजर आता है। वहीं, इंसानों में यह तेज बुखार, गले में खराश, खांसी, सांस लेने में तकलीफ और गंभीर मामलों में न्यूमोनिया और बहु-अंग विफलता तक का कारण बन सकता है। जिसके पक्षियों में प्रमुख लक्षण अचानक मृत्यु, अंडों का उत्पादन कम होना, सुस्ती और भोजन न करना है। जबकि इंसानों में इसके लक्षण तेज बुखार, गले में दर्द, खांसी-छींक, सांस की दिक्कत, सिरदर्द, आंखों में लालिमा व पानी आना, उल्टी-दस्त और गंभीर स्थिति में सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। लोगों से अपील की है कि बीमार या मृत पक्षियों को छूने से बचें, पोल्ट्री उत्पादों को अच्छी तरह पकाकर ही खाएं और पक्षियों के संपर्क के बाद हाथ अवश्य धोएं। मृत या बीमार पक्षी दिखने पर तुरंत पशु चिकित्सा विभाग या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र को सूचित करें। फ्लू जैसे लक्षण दिखने पर बिना देर किए चिकित्सक से परामर्श लें।

प्राचार्य ने बताया कि बर्ड फ्लू का इलाज संभव है। शुरुआती अवस्था में एंटीवायरल दवाओं, ऑक्सीजन सपोर्ट और आईसीयू की सुविधा से मरीज पूरी तरह ठीक हो सकता है। मेडिकल कॉलेज में इलाज को लेकर पूरी तैयार कर ली गई है।साथ ही बेड भी रिजर्व कर दिए गए हैं। अफवाहों से बचें, घबराएं नहीं और केवल स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी का पालन करें।

लोकपाल मनरेगा ने बीडीओ से मांगी रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- मरौरी क्षेत्र में मनरेगा श्रमिकों को रोजगार सेवक द्वारा काम नहीं देने का मामला

अमृत विचार: रोजगार सेवक द्वारा मनरेगा श्रमिकों के मांगपत्र लेने से इंकार किए जाने के मामले में हुई शिकायत के बाद अब लोकपाल मनरेगा ने मरौरी ब्लॉक के खंड विकास अधिकारी को पत्र भेजकर मामले की जांच कर रिपोर्ट मांगी है।

मरौरी ब्लाक क्षेत्र की ग्राम पंचायत अलकथान के मजरा गौटिया के 30 पंजीकृत मनरेगा श्रमिक पिछले दिनों कार्य दिलाने के लिए अलग-अलग लिखित मांग पत्र रोजगार सेवक के पास जमा करने गए थे। आरोप है कि रोजगार सेवक डालचंद ने श्रमिकों के मांग पत्र लेने से ही इंकार कर दिया। रोजगार सेवक ने श्रमिकों को मांग पत्र ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव के पास में जमा करने की बात कहते हुए उन्हें टाल दिया। जिसके बाद सभी मनरेगा श्रमिकों ने सामूहिक रूप से मामले की शिकायत लोकपाल मनरेगा से करते हुए कार्य दिलाने और संबंधित रोजगार सेवक के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की थी। लोकपाल मनरेगा ने श्रमिकों को कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था। लोकपाल मनरेगा जीएल वर्मा ने इस मामले में मरौरी ब्लाक के खंड विकास अधिकारी से उपरोक्त प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

बीएसए के निरीक्षण में छह स्कूलों में मिली बेहतर सुविधाएं

पीलीभीत, अमृत विचार : परिषदीय विद्यालयों में शिक्षण कार्य की हकीकत परखने के लिए बीएसए अमित कुमार सिंह ने ब्लॉक मरौरी के प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया।

दियूनी केसरपुर, कोहना, प्राथमिक विद्यालय सैदपुर, प्राथमिक विद्यालय पिपरिया आगरु, प्राथमिक विद्यालय भमौरा और प्राथमिक विद्यालय गौहर में सुविधाएं ठीक मिली। स्कूलों में मानक के अनुरुप छात्र संख्या पाई गई। साथ ही शिक्षण कार्य भी बेहतर पाया गया। बीएसए ने प्रधानाध्यापकों की प्रशंसा की। साथ ही उन्हें ऐसे में ही शिक्षण कार्य कराने के निर्देश दिए। छात्रों की शिक्षा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा गया।

पैरामेडिकल के पहले सत्र में हुए 40 प्रवेश

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जिले के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में लंबे इंतजार के बाद आखिरकार पैरामेडिकल कोर्स की पढ़ाई शुरू हो गई है। 23 मई को 105 सीटों की मंजूरी मिलने के बाद पहले ही सत्र में 40 छात्रों ने प्रवेश लेकर अध्ययन शुरू किया है। जिम्मेदारों की मानें तो अगले साल नर्सिंग की पढ़ाई शुरु हो जाएगी।

बता दें कि जनपद में मेडिकल कॉलेज स्थापित होने के बाद यहां पर एमबीबीएस की पढ़ाई शुरु करा दी गई थी। पहले सत्र में 94 छात्र-छात्राओं का एडमिशन हुआ था। जिसके बाद पैरामेडिकल कोर्स और नर्सिंग कोर्स के लिए आवेदन किया गया था। 23 मई को मानक पूरे होने पर उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी लखनऊ से पैरामेडिकल डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए अनुमति दे दी। पहले सत्र में1 5 सीटें आवंटित की गई हैं। जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की जा रही है। स्टेट मेडिकल फैकल्टी ने लैब टेक्नीशियन, एक्स-रे टेक्नीशियन और ओटी टेक्नीशियन कोर्स के लिए 15-15 सीटें, एनेस्थीसिया एंड क्रिटकल केयर टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन और फिजियोथेरेपी के लिए 10-10 सीटें, वहीं डायलिसिस टेक्नीशियन, ऑडियोमीट्री टेक्नीशियन, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, सीटी स्कैन टेक्नीशियन, ब्लड ट्रांसफ्यूजन टेक्नीशियन, और ऑडियोलॉजी एंड स्पीच थेरेपी टेक्नीशियन कोर्स के लिए पांच-पांच सीटें आवंटित की गई है। कोर्स के चालू होते हुए पैरामेडिकल में अभी तक कुल 40 छात्र छात्राओं ने विभिन्न कोर्स में प्रवेश कराया है। पैरामेडिकल प्रवेश प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. विभूति गोयल ने बताया कि मान्यता मिलते ही एडमिशन शुरु होंगे। अब 40 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया है। प्रक्रिया जारी है।

मेडिकल कॉलेज का एकेडमिक ब्लॉक। ● अमृत विचार

नए शैक्षिक सत्र में हुए 13 एडमिशन

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में एमबीबीएस पाठ्यक्रम सत्र 2025-26 में प्रवेश की प्रक्रिया भी शुरु हो गई। जिसमें अब 13 छात्र छात्राओं ने प्रवेश लिया है, जिनमें से चार छात्र अखिल भारतीय कोटे (ऑल इंडियन कोट) और नौ छात्र राज्य कोटे से चयनित किए गए हैं। इसके अलावा एडमिशन प्रक्रिया अभी जारी है।

- 23 मई को मिली थी 105 सीटों की मंजूरी, अब छात्रों के हो रहे एडमिशन

पीडीए पंचायत में सपा की नीतियां बताईं गईं

पीडीए जनपंचायत चौपाल में मौजूद कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: सपा की ओर से मंगलवार को बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रमपुरा फकीरे में पीडीए जन पंचायत चौपाल लगाई गई। जिसमें पार्टी की नीतियों को बताया गया।

जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने कहा सपा हमेशा जनसेवा सद्भाव और सामाजिक न्याय पक्षधर रही है, जनता के दुःख-सुख में साथ खड़ा रहना कर्तव्य है। महंगाई, बेरोजगारी समेत कई बिंदुओं पर सरकार पर निशाना साधा। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष बालकराम सागर, काशीराम सरोज,संजय सिंह यादव, लखविंदर सिंह पन्नू,पिंकीपाल, विनोद कुमार वर्मा,राजेश कुमार पाल,सतीश आदि मौजूद रहे।

सुधार और फॉल्ट के नाम पर गुल रही बिजली

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: शहरवासियों को मंगलवार को भी बिजली संकट ने खूब रुलाया। खकरा चौकी के पास नए पोल लगाए जाने के दौरान बत्ती गुल रही।

वहीं, बल्लभनगर कॉलोनी में फेस बंद होने की सूचना पर टीम पहुंची और सुधार भी किया। मगर, इसके बाद शिकायकर्ता के घर हार्ट वोल्टेज की दिक्कत हो गई और मीटर ही फुंक गया। इसे लेकर भी दोबारा शिकायत की गई है।

बिजली की आंख मिचौली पिछले काफी दिनों से चल रही है। सोमवार रात को भी कई बार बिजली आती जाती रही। वल्लभनगर कॉलोनी में रात से ही एक फेस की बत्ती गुल रही। इसे लेकर कॉलोनी के अतुल अग्रवाल ने शिकायत दर्ज कराई। इस पर टीम भी पहुंची और सुधार कार्य किया। बताते हैं कि इसके बाद तो शिकायतकर्ता की मुसीबत और बढ़ गई।

बताते हैं कि मौके पर पहुंचे कर्मचारियों ने फेस जोड़ा और फिर हाईवोल्टेज आते ही शिकायतकर्ता के घर के बाहर लगे मीटर में ही आग लग गई। कई अन्य उपकरण भी फुंक गए। इसकी सूचना भी शिकायतकर्ता ने पावर कॉरपोरेशन के सूचनाओं के आदान प्रदान को बनाए गए ग्रुप पर डाली।

इस पर टीम को दोबारा भेजा गया। इसके अलावा खकरा फीडर क्षेत्र में नए पोल लगाने का काम मंगलवार को चलता रहा। जिसके चलते बिजली सप्लाई बाधित रही। मोहल्ला साहूकारा, आसफजान, लाल रोड, अशोक कॉलोनी समेत कई इलाकों में बिजली आती जाती रही। एकता नगर कॉलोनी में भी एक फेस सोमवार रात से बंद रहा, जिससे उपभोक्ता परेशान हुए। दूसरे दिन दोपहर बाद इसका सुधार कराया जा सका। इसके अलावा भी कई जगह फाल्ट हुए। जिस पर टीमें दौड़ती रही। वहीं उमश भरी गर्मी से पूरे दिन स्थानीय लोग परेशान रहे।

फॉल्ट को ठीक करता कर्मचारी।

खकरा चौकी के पास नए पोल लगाती टीम। ● अमृत विचार

- फेस नहीं आने की शिकायत पर पहुंची टीम ने और बढ़ा दी मुसीबत

विधायक ने गोमती उद्गम स्थल पर किया पौधरोपण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: हरिशंकरी पौधरोपण अभियान के तहत पूरनपुर विधायक ने गोमती उदगम स्थल पर पहुंचकर पौधरोपण किया। इसके अलावा अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अभियान के तहत पौधे रोपे।

जनपद में मंगलवार से हरिशंकरी पौधरोपण अभियान की शुरूआत की गई। लोकभारती के तत्वावधान में माधोटांडा स्थित मां गोमती उद्गम स्थल पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान ने उदगम स्थल पर पौधरोपण किया। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह, बाल ब्यास रोहितानंद,पूरनपुर चीनी मिल सभापति बहादुर सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष नरेश पाल सिंह, बीडीसी सोनपाल गौतम, एसडीएम महिपाल सिंह, एसडीएम अजीतप्रताप सिंह, तहसीलदार वीरेंद्र कुमार, निर्भय सिंह आदि मौजूद रहे। इधर लोकपाल मनरेगा जीएल वर्मा ने भी ग्रामीणों के साथ अभियान के तहत ओड़ाझार गांव के तालाब के समीप पौधे रोपे। इस दौरान कई अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

ओड़ाझार गांव में पौधरोपण करते लोकपाल मनरेगा जीएल वर्मा।

बार अध्यक्ष ने शासन को भेजे सुझाव

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- वाद मूल्यांकन अधिनियम और कोर्ट फीस अधिनियम को लेकर नए कानून बनाने की कवायद

अमृत विचार : डेढ़ सौ साल से भी अधिक पुराने वाद मूल्यांकन अधिनियम और कोर्ट फीस अधिनियम को समाप्त कर एक नया कानून बनाने के लिए सरकार ने प्रक्रिया शुरू की है। राज्य विधि आयोग के निर्देश पर जनपद के न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ता संगठन ने अपने सुझाव जनपद न्यायाधीश के माध्यम से शासन को भेजे हैं।

राज्य विधि आयोग ने कोर्ट फीस अधिनियम 1870 और वाद मूल्यांकन अधिनियम, 1887 को अबकमित करके एक समेकित एकल अधिनियम बनाए जाने के लिए न्यायिक अधिकारियों एवं अधिवक्ता संगठनों से सुझाव मांगे हैं। इसी क्रम में जनपद के न्यायिक अधिकारियों ने सुझाव दिए हैं। जनपद के अधिवक्ताओं की ओर से जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेन्द्र मिश्र एडवोकेट ने भी प्रभारी जिला जज के माध्यम से अपने सुझाव भेजे हैं। जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष की ओर से भेजे गए सुझाव में कहा गया है कि वर्तमान समय में कोर्ट फीस अधिनियम, 1870 और वाद मूल्यांकन अधिनियम, 1887 अपने प्राचीन स्वरूप, स्पष्ट प्रावधानों एवं वर्तमान न्यायिक आवश्यकताओं से मेल न खाने के कारण न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप नहीं हैं। इन अधिनियमों में आर्थिक, सामाजिक व तकनीकी परिवर्तनों के अनुरूप संशोधन किया जाना आवश्यक है। दोनों अधिनियमों को समाप्त कर एक समेकित न्यायिक मूल्यांकन एवं शुल्क अधिनियम बनाया जाए, जो न्यायालय शुल्क निर्धारण व वाद मूल्यांकन दोनों विषयों को एक साथ स्पष्ट रूप से नियंत्रित करे। उन्होंने ये भी सुझाव दिया कि कोर्ट फीस की दरों को युक्तिसंगत बनाया जाए।वर्तमान में कोर्ट फीस की दरें कई बार वाद मूल्य से अत्यधिक हो जाती हैं, जिससे नागरिक न्यायालय में वाद दायर करने से हिचकते हैं। अधिकतम सीमा निर्धारित की जाए। वाद मूल्यांकन की कठिनाइयों को दूर करने के लिए भी सुझाव दिए हैं।

> वाद मूल्यांकन अधिनियम और कोर्ट फीस अधिनियम को समाप्त कर एक नया कानून बनाने के लिए चल रही प्रक्रिया के तहत सुझाव मांगे गए थे। इसे लेकर सुझाव प्रभारी जिला जज के माध्यम से भेजे गए हैं। जिसमें एक नवीन, समेकित एवं सरल न्यायिक शुल्क एवं मूल्य अधिनियम का निर्माण करने का सुझाव दिया गया है। जोकि समयानुकूल, पारदर्शी एवं नागरिकों के लिए न्याय प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुगम बनाए। – **धीरेंद्र मिश्र** एडवोकेट, अध्यक्ष, जिला संयुक्त बार एसोसिएशन

समस्या

तीन पीएचसी और सीएचसी पर की जा रही अनदेखी, नहीं चल रहा कार्ड

कैसे हो आयुष्मान से इलाज, जब नहीं चल रहे कार्ड

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते आ रही समस्या, मरीजों को नहीं मिल रहा लाभ

अमृत विचार : आयुष्मान भारत योजना भले ही लाखों मरीजों के लिए संजीवनी बनी हो, लेकिन ललौरीखेड़ा ब्लॉक क्षेत्र में इसका लाभ पात्रों को नहीं मिल पा रहा। ब्लॉक क्षेत्र के तीन पीएचसी और सीएचसी पर जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते आयुष्मान कार्ड नहीं चल रहे। जिससे मरीजों को मायूस होना पड़ रहा है। इसे लेकर कई बार प्रयास किए गए। मगर, एमओआईसी इस जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ गए हैं।

आयुष्मान योजना शुरु करने के बाद जिले में भी तेजी से पात्र लाभार्थियों के कार्ड बनाए गए। आंकड़ों की बात करें तो जनपद में आयुष्मान योजना के 213123 पात्र परिवार हैं। जिनमें कुल 998041 लाभार्थी हैं। अभी तक करीब 786314 लाभार्थियों के कार्ड जारी हो चुके हैं। योजना शुरु होने के बाद जनपद में 29 सरकारी अस्पतालों के साथ करीब 20 से अधिक प्राइवेट अस्पतालों को जोड़ा गया है, जहां मरीजों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मुहैया कराया जा रहा है। यह योजना वर्ष 2018 में शुरु हुई थी। इसके बाद शासन के निर्देश पर वर्ष 2024 में 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत गोल्डन कार्ड बनाने की शुरुआत की गई। इस योजना का उद्देश्यअधिक आयु वाले नागरिकों को मुफ्त इलाज की सुविधा सुनिश्चित की जा सके। स्पष्ट निर्देश हैं कि सीएचसी पर आने वाले मरीजों के पास अगर आयुष्मान कार्ड है, तो उन्हें प्रयोग किया जाएगा। उससे आने वाली धनराशि का 25 फीसदी धनराशि डॉक्टर एवं स्टाफ में प्रोत्साहन के तौर पर दी जाएगी। बाकी 75 फीसदी से अस्पताल में संसाधन और कायाकल्प करने में प्रयोग की जाएगी, लेकिन ललौरीखेड़ा ब्लॉक में प्रयोग नहीं किया जा रहा है। ललौरीखेड़ा में सीएचसी जहानाबाद, ललौरीखेड़ा पीएचसी, कुकरीखेड़ा और चांदडंडी पीएचसी में सात साल से कोई भी आयुष्मान कार्ड एक्टिव नहीं हुआ है। वहां प्रसव को लेकर तमाम सर्जरी भी होती हैं, डॉक्टर-स्टाफ भी हैं, लेकिन जिम्मेदार अनदेखी कर रहे हैं। ऐसे में वहां आयुष्मान का लाभ मरीजों को नहीं मिल पा रहा है। इतना ही नहीं ऑपरेशन के दौरान मरीजों को सामान आदि को लेकर खर्च करना पड़ता है। जबकि आयुष्मान कार्ड का इस्तेमाल होगा तो उससे आने वाली धनराशि से अस्पताल का भी उद्धार हो सकेगा। मगर जिम्मेदार आयुष्मान मित्र न होने के कारण कार्ड एक्टिव न होने की बात कह रहे हैं। फिलहाल मामला संज्ञान में आने पर सीएमओ ने आयुष्मान कार्ड एक्टिव करने के निर्देश दिए हैं।

> सीएचसी पर प्रसव के साथ तमाम बीमारियों का भी इलाज किया जाता है, लेकिन आयुष्मान मित्र न होने की वजह से आयुष्मान कार्ड एक्टिव नहीं हो पा रहे थे। अब योजना को संचालित करने के लिए उच्चधिकारियों से निर्देश प्राप्त हुए। अब आयुष्मान कार्ड से भी इलाज किया जाएगा। जिन मरीजों का सूची में नाम है और कार्ड नहीं है। उनके भी कार्ड बनवाने के लिए प्रयास किया जाएगा।
> – डॉ. **कमलेश गंगवार**, एमओआईसी

कुरैया सीएचसी पर भी नहीं व्यवस्था

ललौरीखेड़ा ब्लॉक के अलावा पूरनपुर ब्लॉक के कुरैया सीएचसी पर भी आयुष्मान कार्ड नहीं चल रहे हैं। यहां भी आयुष्मान मित्र न होने की वजह से समस्या आ रही है। हालांकि इस सीएचसी की शुरुआत हाल में ही हुआ। आयुष्मान के जिम्मेदार अभी तक यहां आयुष्मान मित्र को कार्यरत नहीं कर सके। कुछ समय पहले सीएचसी जहानाबाद में आयुष्मान मित्र की तैनाती की गई थी। मगर वहां काम न होने उन्हें वापस बुला लिया गया था। मगर तब वहां कोई आयुष्मान मित्र की तैनाती नहीं की गई है। इन दोनों ब्लॉक में आयुष्मान मित्र तैनाती कर योजना का क्रियान्वयन करने की तैयारी चल रही है। इसको लेकर सीएमओ ने एमओआईसी को निर्देशित किया है।

शहर में आज

- ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज परिसर स्थित नाइलिट सेंटर में कार्यक्रम दोपहर 12 बजे।
- पुलिस लाइन समेत चार स्थानों पर परिवार परामर्श केंद्र शिविर सुबह 10 बजे से।
- डीआईओएस कार्यालय पर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का धरना दोपहर 02 बजे।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5.30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

युवक को सांप ने डसा हालत गंभीर

बीसलपुर, अमृत विचार : एक युवक को सांप ने डस लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जसौली निवासी फहीम को सांप ने डस लिया। वह कमरे में कुछ सामान निकालने गया था। हालत बिगड़ने पर उसे सीएचसी भर्ती कराया गया।

सड़क हादसों में महिला समेत चार घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में महिला समेत चार लोग घायल हो गए। ग्राम भसूड़ा निवासी नरेश मंगलवार को बाइक से बीसलपुर जा रहे थे। रास्ते में सामने से आ रहे वाहन को बचाने के चक्कर में ई-रिक्शा से टक्कर हो गई। ई-रिक्शा भी मार्ग पर पलट गया। हादसे में नरेश और ई- रिक्शा पर सवार बालजीत घायल हो गए। वहीं, बरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम अमखेड़ा निवासी वृंदावन पत्नी मुन्नी देवी के साथ बाइक से बीसलपुर आ रहे थे। ग्राम जोगीठेर के आगे पहुंचते ही अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। जिसमें दंपती घायल हो गए। घायलों को सीएचसी भर्ती कराया है।

मंदिर में हुई चोरी पुलिस जांच में जुटी

बीसलपुर, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला सूरज कॉलोनी में देवेश्वर नीलकंठ महादेव मंदिर है। यहां से चोर सोमवार रात कलश, त्रिशूल और दान पात्र से रुपये और बल्ब चोरी कर ले गए। मंदिर के प्रबंधक मनोज पाठक ने मंगलवार को पुलिस को सूचना दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसके अलावा ग्राम मुसेली मे संदिग्ध हालात में घूम रहे एक युवक को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। हालांकि बाद में छोड़ दिया।

ठेकेदार ने जनप्रतिनिधियों के शिलापट उखाड़ फेंके

सौंदर्यीकरण पूरा होने के बाद भी शिलापट दिखे गायब तो मामले ने पकड़ा तूल, ईओ बोले: दोबारा बनवाकर लगवाएंगे शिलापट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: सौंदर्यीकरण कार्य के दौरान नेहरू पार्क में काम करा रहे ठेकेदार ने परिसर में लगे जनप्रतिनिधि और अधिकारियों के नाम वाले शिलापट उखाड़ फेंके। काम पूरा होने के बाद भी जब शिलापट वापस नहीं लगाए गए और नदारद दिखे तो मामला तूल पकड़ गया। इसकी डीएम से शिकायत की गई, जिसके बाद खलबली मच गई। नगर पालिका के अधिकारी अब नया शिलापट बनवाकर लगवाने और ठेकेदार पर नियमानुसार कार्रवाई कराने की बात कह रहे हैं।

लोकार्पण के दौरान मौके पर लगे शिलापट के पास मौजूद राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, तत्कालीन डीएम पुलकित खरे व अन्य। (फाइल फोटो)।

बता दें टनकपुर हाईवे निरंजन कुंज कॉलोनी के सामने स्थित नेहरू पार्क का सौंदर्यीकरण कार्य नगर पालिका के स्तर से कराया गया है। इसके लिए शासन स्तर से 1.33 करोड़ का बजट स्वीकृत किया गया था। बजट मिलने के बाद नगर पालिका की ओर से काम शुरू करा दिया गया था। पार्क के स्वरूप को बदलते हुए परिसर में नए झूले, ओपन जिम, पाथवे, लाइट, गार्डन आदि तैयार किए गए हैं। साथ ही नेहरू पार्क का मुख्य द्वार का भी स्वरूप बदला गया है। मई में पार्क का काम पूरा कर लिया गया था। नगरपालिका की ओर से जून में इसका उद्घाटन कराने की रणनीति बनाई गई थी, लेकिन अभी तक इसका उद्घाटन नहीं हो सका है। कराए गए कार्य को लेकर तमाम शिकायतें पहले की जा चुकी है। जिसमें निर्माण सामग्री मानक के अनुरूप न होने समेत कई आरोप लगाए गए थे। इस पार्क के सौंदर्यीकरण के लिए पूर्व में भी कई बार काम कराया जा चुका है। उस दौरान के यहां शिलापट लगाए गए थे। बताते हैं कि एक शिलापट काफी पहले से था, जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी, पूर्व जिलाधिकारी जयशंकर मिश्र और दूसरे शिलापट पर राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार , पूर्व डीएम पुलकित खरे, पूर्व चेयरमैन विमला जायसवाल, पूर्व ईओ निशा मिश्रा आदि के नाम लिखे हुए थे। मगर, अब ये शिलापट कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं। इन्हें ठेकेदार द्वारा लापरवाही बरतते हुए तोड़कर फेंकने की चर्चाएं हैं। शुरुआत में माना जा रहा था, शायद ये शिलापट निकालकर रख दिए गए होंगे, ताकि काम पूरा होने के बाद लगाया जाए। मगर, जब कार्य पूरा होने के बाद भी वहां पर पूर्व के लगाए गए शिलापट नहीं दिखाई दिए तो मामला तूल पकड़ गया। डीएम के संज्ञान में मामला पहुंचा। जिसके बाद डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने ईओ नगर पालिका से जानकारी की। साथ ही प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं। अब नगर पालिका में खलबली मच गई है।

नेहरू पार्क में एक और विवाद

- सौंद्रर्यीकरण के काम में पहले ही हो चुकी है कई शिकायतें
- बारिश में चारदीवारी गिरने से खुली थी घटिया निर्माण की पोल

सौंदर्यीकरण कार्य के बाद वर्तमान में नेहरू पार्क का गेट जहां लगे थे शिलापट।

> नेहरू पार्क का सौंदर्यीकरण कराया गया है। ये संज्ञान में आया है कि वहां पर जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के नाम वाले शिलापट पहले लगे हुए थे, जो अब नहीं दिख रहे हैं। शिलापट दोबारा बनवाकर लगवाए जाएंगे। ठेकेदार के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।
>
> – **संजीव कुमार**, ईओ नगर पालिका पीलीभीत

अभी और बढ़ेगी ठेकेदार की मुश्किल

नेहरू पार्क का सौंदर्यीकरण कार्य कराने वाले ठेकेदार को पिछले दिनों ब्लैक लिस्ट किया जा चुका है। पहले से बंधक एफडीआर लगाने पर तत्कालीन प्रभारी ईओ आशुतोष गुप्ता ने मई में कार्रवाई की थी। इसके अलावा मानकों की अनदेखी की शिकायतें भी लगातार की जा रही है। जिसकी जांच भी लंबित है। पिछले दिनों बारिश में सौंदर्यीकरण के दौरान लगाई गई रेलिंग भी ढह गई थी। जिसके वीडियो और फोटो वायरल हुए और शिकायत की गई थी। अब जनप्रतिनिधि और अधिकारियों के लगाए गए शिलापट उखाड़ फेंकने का मामला तूल पकड़ चुका है। ऐसे में पहले से ब्लैकलिस्ट चल रहे ठेकेदार की मुश्किल और बढ़ती दिखाई दे रही है।

प्रधान, वीडीओ और रोजगार सेवक पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : कोर्ट के आदेश पर न्यूरिया पुलिस ने धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज की है। जिसमें ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी और रोजगार सेवक समेत पांच आरोपी बनाए गए हैं। आरोप है आरोपियों ने फर्जी कार्य दर्शाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया और कूटरचित बिल और रसीदें बनाकर धोखाधड़ी की है।

दर्ज की गई रिपोर्ट में थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम हरिकिशनपुर निवासी राजू ने बताया प्रधान रेशमवती, तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी राकेश कुमार, वर्तमान ग्राम पंचायत सचिव मेवाराम, रोजगार सेवक ममता देवी और पूर्व प्रधान व वर्तमान प्रधान के पति दीपक कुमार ने मिलकर एक लाख 32 हजार रुपये का गबन किया। इतना ही नहीं 59870 रुपये का इंजन खरीदने के नाम पर भी हेराफेरी की गई। जांच के दौरान आरोपियों ने फर्जी रसीदें और कूटरचित बिल पेश किए। आरोप है कि जांच अधिकारी ने कई बिंदुओं की जांच बिना उसे बताए ही फर्जी ढंग से पूरी कर दी और गबन उजागर होने के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई, तो कोर्ट की शरण ली।

खाद की ओवरसेलिंग पड़ी भारी, लाइसेंस निलंबित

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- इफ्को ई बाजार पूरनपुर का मामला, शिकायत पर हुआ एक्शन

अमृत विचार : खाद की किल्लत से जूझ रहे किसानों को अभी भी पूरी तरह से राहत नहीं मिल सकी है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन -एक्शन में है। इफ्को ई-बाजार पर ओवरसेलिंग का मामला संज्ञान में आने पर जिला कृषि अधिकारी ने लाइसेंस निलंबित कर दिया है। इस कार्रवाई से खलबली मची रही।

पिछले काफी समय से यूरिया को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। जिम्मेदार यूरिया का पर्याप्त मात्रा होने का दावे कर रहे हैं। किसानों के साथ ही रिटेलरों से थोक विक्रेताओं ने कालाबाजारी शुरू कर दी। दुकानों से लेकर किसानों तक सौदेबाजी चल रही है। ऐसे में किसान परेशान है। कुछ दिन पहले पूरनपुर तहसील क्षेत्र के इफ्को ई बाजार पर खाद की बिक्री की जाती है। एक युवक ने शिकायत दर्ज कराई कि इफ्को बाजार पर खाद की ओवरसेलिंग की जा रही है। ऐसे में अन्य किसानों को समस्या आ रही है। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल ने मामले की जांच कराई। जांच में मामला सही पाए जाने पर मंगलवार को इफ्को ई बाजार का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है।

भैंस को मच्छरों से बचाने के लिए बिजली चोरी की मांगी अनुमति

संवाददाता, माधोटांडा

- दो माह के लिए कटिया डालकर चलाऊंगा पंखा, रुपये ले लिए जाएं
- आईजीआरएस पर हुई पावर कॉरपोरेशन से जुड़ी शिकायत

नाम	VIPIN KUMAR	पिता/पति का नाम	VIPIN KUMAR
मोबाइल नंबर(1)	6398653858	मोबाइल नंबर(2)	8650113097
ई-मेल	vipinkumar93india@gmail.com	आधार कार्ड न.	—
पता	Village - दुधिया खुर्द, Village Panchayat - दुधिया खुर्द, Block - पूरनपुर, Tehsil - पूरनपुर, District - पीलीभीत		
आवेदन पत्र का विवरण			
आवेदन पत्र का संक्षिप्त ब्यौरा	[illegible]		

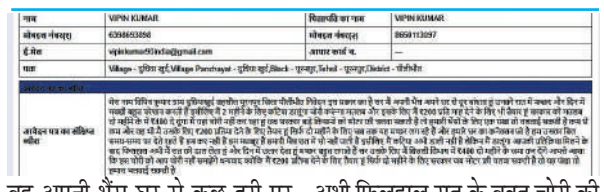

अमृत विचार: एक व्यक्ति ने भैंस को मच्छरों और मखियों से बचाने के लिए बिजली चोरी की अनुमति मांगी है। दरअसल उस व्यक्ति की आईजीआरएस पर हुई पावर कारपोरेशन से जुड़ी शिकायत ने अधिकारियों को भी चक्कर में डाल दिया है।

उसने तर्क दिया है, वह इसके बदले में 200 रुपये प्रतिमाह देने को तैयार है। उसने रात में कटिया डालकर एक पंखा चलाना स्वीकर किया है। पूरनपुर तहसील क्षेत्र के दुधिया खुर्द गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने 13 अगस्त को आईजीआरएस पर एक शिकायत दर्ज कराई गई है। जिसमें लिखा है वह अपनी भैंस घर से कुछ दूरी पर बांधता है। रात में भैंस को मच्छर और दिन में मक्खी परेशान करती हैं। ऐसे में दो माह के लिए कटिया डालकर बिजली का इस्तेमाल करेगा। इसके लिए 200 रुपये प्रतिमाह के हिसाब से दे देगा। तर्क दिया कि उसकी भैंसों के लिए एक पंखा बिजली चोरी करके चलाएगा। ये भी कहा कि प्रतिक्रिया मिलने के बाद ही वह कटिया डालेगा। अभी फिलहाल रात के वक्त चोरी की बिजली इस्तेमाल कर रहा है। दो माह के लिए 400 रुपये लेकर भैंस की सहुलियत को एक पंखा कटिया डालकर बिजली इस्तेमाल करने की अनुमति मांगी है। अब इस शिकायत का जवाब भेजा जाना है, जिसे लेकर खलबली मची हुई है।फिलहाल मामला क्षेत्रभर में चर्चा का विषय बना रहा।

हादसे का नहीं कोई डर

पीलीभीत : वैसे तो ट्रैक्टर ट्रॉली का इस्तेमाल कृषि कार्य में किया जाता है। मगर, इसका व्यावसायिक इस्तेमाल लंबे समय से चलता आ रहा है। कई बार ट्रैक्टर ट्रॉलियों पर सवारी बैठी होने के दौरान हादसे हुए तो कईयों की जान भी चली गई। इसे लेकर चालान किए गए और चेतावनी दी गई। मगर अभी भी नियम विरुद्ध तरीके से जान जोखिम में डालकर सफर जारी है।

जिम्मेदारों ने संभाली कमान, फिर भी नहीं बदले हालात

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: साप्ताहिक मंगल बाजार को लेकर चली आ रही समस्या का समाधान नहीं हो सका है। कुछ दिन की सख्ती के बाद जिम्मेदार बेफिक्र हो गए और सड़क पर दुकान सजाने का सिलसिला शुरू हो गया है। अतिक्रमण कर सड़क पर ही दुकानें सजाई जा रही हैं। ई-रिक्शा की बेतरतीब आवाजाही के बाद आसपास की सड़कों पर भी जाम की स्थिति बन रही है। जिसमें फंसकर राहगीर परेशान होने को मजबूर हैं।

ट्रॉली के नीचे जगह मिलने पर वहीं पर दुकान लगाए बैठा दुकानदार। ● अमृत विचार

जामा मस्जिद के बाहर सड़क किनारे लगाई गई दुकान। ● अमृत विचार

- बेपरवाह हुए अफसर तो फिर लगने लगी मंगल बाजार
- व्यापारी नेता भी कई बार बैठकों में कर चुके शिकायत

वैसे तो शहर की सड़कों पर अतिक्रमण एक बड़ी समस्या है। जिसके चलते मुख्य मार्गों पर जाम की दिक्कत से राहगीरों को दिन में कई बार रूबरू होना पड़ता है। साप्ताहिक बंदी के दिन मंगलवार को लगने वाला मंगल बाजार अब फिर राहगीरों की मुसीबत बनने लगा है। बताते हैं कि दुकाने लगाने के लिए जामा मस्जिद घेर का परिसर चिन्हित है। सड़क पर दुकान लगाने पर प्रतिबंध है। इसे लेकर कई बार शिकायतें हो चुकी है। बीते दिनों प्रशासनिक अधिकारियों ने कमान संभाली और खुद उतरे। थाना पुलिस की जिम्मेदारी तय कर दी गई थी, ताकि जाम न लग सके। व्यापार मंडल की ओर से भी शिकायत अधिकारियों से की जा चुकी है। जिसमें तर्क दिया था कि यहां दुकान लगाने वालों पर न तो कोई जीएसटी चेक करने पहुंचता है, न ही दुकान लगाने आने पर वाहनों में की जा रही ओवरलोडिंग पर कोई एक्शन लिया जाता है। कभी इनके कांटे चेक करने भी बांट-माप के जिम्मेदार नहीं पहुंचते। शिकायतों का संज्ञान लेकर कई बार सड़क पर सजी दुकानों को हटवाया गया। बेतरतीब खड़े वाहनों पर भी कार्रवाई चली। अब कुछ समय से दोबारा से बेपरवाह तस्वीर सामने आने लगी है। आसपास के मार्ग पर डेयरियों के वाहन अतिक्रमण कर खड़े किए जा रहे हैं। इसके बाद दुकानें सजाए जाने पर सड़क और सिकुड़ जाती है। फिर ई-रिक्शा समेत अन्य वाहनों की आवाजाही होने पर जाम लगने से राहगीरों को परेशान होना पड़ता है।

नगर पालिका टीम पर हो चुका हमला

साप्ताहिक मंगल बाजार में दुकानें लगाने वालों से वसूली करने से जुड़ी शिकायतें भी पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों तक बीते सालों में हो चुकी है। इसे लेकर झगड़े भी हुए थे। इसके अलावा बीते साल जब नगर पालिका की टीम अतिक्रमण कर लगाई गई दुकानों को हटवाने पहुंची तो टीम पर हमला भी कर दिया गया था।

गोशाला में तुरंत कराएं बिजली कनेक्शन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: डीएम की अध्यक्षता में जिला विद्युत समिति की बैठक हुई। जिसमें डीएम ने सभी गोशालाओं, स्कूलों और पंचायत भवनों में बिजली कनेक्शन कराने के निर्देश दिए।

बैटक में जानकारी लेते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

- जिला विद्युत समिति की बैठक में डीएम ने दिए निर्देश

मंगलवार को बैठक में डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत बनाई गई पानी की टंकियों पर बिजली कनेक्शन शत -प्रतिशत पूरा कराएं। वहीं अधिशासी अभियंता विद्युत पंकज भारती को निर्देश दिए कि कहीं पर भी बिजली करंट से दुर्घटना न हो, इसके लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को सभी गोशालाओं, स्कूलों और पंचायत भवनों में बिजली कनेक्शन कराने के भी निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को बिजली कनेक्शन विहीन गोशालाओं की सूची उपलब्ध कराने को कहा है। उन्होंने एलटी आर्मड केबिल, एलटी एबी केबिल अतिरिक्त सर्किट, 11 केवी कृषि पोषकों का पृथक्करण, 11 केवी कृषि पोषकों के पृथक्करण के लिए एलटीलाइन, 11 केवी कृषि पोषकों के पृथक्करण के लिए वितरण परिवर्तकों की संख्या, 33 केवी पोषकों का बाइफरकेशन एवं खुले, जर्जर तारों का एवी केबिल से प्रतिस्थापन की भी जानकारी ली और संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने को निर्देशित किया। डीएम ने अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी, किसी भी गोशाला में बिजली कनेक्शन की वजह से कोई समस्या नहीं होने पाए अन्यथा जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

धर्मस्थल पर आपत्ति जनक हरकत की, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर किया हंगामा
- कोतवाली पुलिस ने आरोपी का शांति भंग में किया चालान

अमृत विचार: रोडवेज परिसर में स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में वहीं, के असिस्टेंट मैकेनिक ने आपत्तिजनक हरकत कर दी। इसकी जानकारी मिलते ही हिंदू महासभा के कार्यकर्ता भी पहुंच गए और नाराजगी जताई। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला शांत कराया। आरोपी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है।

रोडवेज पीलीभीत डिपो परिसर में प्राचीन हनुमान मंदिर है। मंगलवार सुबह 9 बजे के बीच पीलीभीत डिपो में कार्यरत असिस्टेंट मैकेनिक साजिद बेग ने मंदिर परिसर में पहुंचकर आपत्तिजनक हरकत की, उसे आपत्तिजनक कार्य करते हुए पकड़ लिया गया। इसकी सूचना मिलने पर अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और घटना पर नाराजगी जताई। इसे माहौल खराब करने की साजिश करार दिया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। आरोपी को हिरासत में लेकर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।जिसके बाद अखिल भारत हिंदू महासभा के जिला मंत्री अंकुर सिंह भदौरिया, अखिलेश शर्मा, श्रवण कुमार, प्रदीप कुमार, छत्रपाल, अमेंद्र प्रताप, राजकुमार, कोमल राज पाठक, दीपू मिश्रा, राहलु श्रीवास्तव, महिपाल, राजीव सागर सिंह, साधुराम, पुरुषोत्तम, योगेंद्र सिंह आदि ने संयुक्त तहरीर दी। कोतवाल राजीव कुमार सिंह ने बताया कि नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपी का शांतिभंग की आशंका में चालान कर दिया है।

पति समेत अन्य ससुरालियों पर रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : महिला ने पति समेत अन्य ससुरालियों पर दहेज प्रताड़ना की रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना सुनगढ़ी में दी गई तहरीर में राजीव कॉलोनी निवासी खुशनुमा बी ने बताया उसकी शादी 15 अप्रैल 2024 को बदायूं के ग्राम उपरेरा निवासी आमिर अंसारी से हुई थी। पीड़िता का आरोप है शादी के कुछ समय बाद ससुराल पक्ष के लोग दहेज में बाइक और दो लाख रुपये की मांग करने लगे।उसके मायके वालों के असमर्थता जतान पर सभी ने मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया। वह एक माह तक अपने मायके में रही। पिता ससुरालियों को समझाकर उसे ससुराल छोड़ गए। इस दौरान उसने एक पुत्र का जन्म दिया, लेकिन ससुरालियों ने इलाज में लापरवाही की। जिससे उसकी मौत हो गई। दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। सुनगढ़ी पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

यातायात जागरुकता अभियान सड़कों पर बेअसर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: सड़क हादसों की रोकथाम के लिए परिवहन और पुलिस विभाग की ओर से कार्रवाई के साथ ही जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। शिक्षण संस्थानों के साथ ही सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी जिम्मेदारी दी है। मगर सच्चाई नहीं बदल रही। सड़कों पर यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। पब्लिक हो या फिर नियमों का पालन कराने वाले जिम्मेदार.. सभी यातायात नियमों को तार-तार करते दिखाई दे रहे हैं। कोई बिना हेलमेट के नजर आ रहा तो ट्रिपल राइडिंग करते बाइकर्स फर्राटा भर रहे हैं।

बिना हेलमेट के दुपहिया वाहन चलाते जिम्मेदार। ● अमृत विचार

बाइक पर हेलमेट लेकर पीछे बैठी महिला।

- जिम्मेदार भी तोड़ रहे नियम, दूसरों को कैसे कराएंगे पालन
- जागरूकता के लिए किए जा रहे प्रयासों का नहीं दिख रहा असर

सड़क हादसों की बढ़ती संख्या को देख शासन प्रशासन यातायात नियमों का पालन कराने पर जोर दे रहा है। कार्रवाई को लेकर भी सख्ती की गई है। वहीं, वाहन चालकों को जागरूक किया जा रहा है। खासकर दोपहिया वाहन चलाते वक्त हेलमेट का प्रयोग करने पर जोर दिया जाता है। उद्देश्य है वाहन चालकों को नियमों के प्रति जागरुक करना। स्कूल कॉलेज और सरकारी कार्यालयों में गोष्ठी कराकर लोगों को शपथ भी दिलाई गई। परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस ने तमाम गोष्ठियां की। मगर कुछ दिन तक असर दिखा और फिर सब बेपरवाह हो गए। शहर के प्रमुख मार्गों पर नियमों को धता बताते हुए सफर जारी है। जिम्मेदार भी बिना हेलमेट के ही वाहन दौड़ते नजर आ रहे हैं। जबकि अधिकांश हादसों के बाद नियमों की अनदेखी भी वजह के तौर पर सामने आ चुकी है। अभी भी 75 प्रतिशत से अधिक बाइकर्स हेलमेट का इस्तेमाल नहीं कर रहे। हेलमेट का प्रयोग कराने के लिए गत दिनों नो हेलमेट नो फ्यूल मुहिम की शुरुआत की गई। बिना हेलमेट लगाए पहुंचने वाले बाइकर्स को पेट्रोल न देने के निर्देश दिए गए। इसे लेकर सख्ती की गई। हालांकि ये पहले भी हो चुका था और इस बार भी मुहिम सफलता नहीं पा सकी। नियम पालन करने के लिए जागरूक नहीं किया जा सका। कई ऐसे भी बाइक सवार हैं, जोकि चालान से बचने के लिए हेलमेट तो साथ ला रहे हैं। मगर उसे पहनने के बजाय पीछे बैठी सवारी के हाथ में थमा दिया जाता है।

छेड़छाड़ का विरोध करने पर परिजनों को पीटा

बीसलपुर, अमृत विचार: मंदिर जा रही एक युवती से छेड़छाड़ करने और विरोध करने पर परिजन से मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने कार्रवाई की है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कोतवाली में दी गई तहरीर में एक युवती ने बताया सोमवार रात 9:30 बजे वह घर से बहन व भतीजे के साथ बाबा गुलेश्वर नाथ मंदिर पर पूजा करने जा रही थी।

रामलीला मैदान के पास पहुंचते ही पहले से मौजूद तीन युवकों ने उससे छेड़छाड़ की। जानकारी मिलने पर पीड़िता के भाई मौके पर आ गए और विरोध करने पर उनकी पिटाई कर दी। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि मोहल्ला दुर्गाप्रसाद के निवासी पूरन,अन्नै और बब्बू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 20 अगस्त 2025

सिटी ब्रीफ

धर्म स्थलों के पास की जाए विशेष सफाई

शाहजहांपुर, अमृत विचार : समाजसेवी नबी सलमान ने डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह को एक पत्र देकर धार्मिक स्थलों और महापुरुषों की प्रतिमाओं के आसपास विशेष साफ सफाई कराने का अनुरोध किया। पत्र में बताया पूर्व में भी इस संबंध में एक पत्र दिया गया था, लेकिन कोई ध्यान साफ सफाई पर नहीं दिया गया है। कालीबाड़ी मंदिर धर्मशाला मोहल्ला खिरनीबाग के पास कूड़े का ढ़ेर लगा हुआ है। जिससे वहां निकलने वाले श्रध्दालुओं को दिक्कत हो रही है।

युवक के कान काटने वाले को भेजा जेल

पुवायां, अमृत विचार : जन्माष्टमी झांकी देखने गए युवक के साथ मारपीट कर उसका कान काटकर अलग करने वाले युवक को पुलिस ने जेल भेज दिया है। जन्माष्टमी की रात नगर के कुरगंजा निवासी रिंकू के साथ मामूली बात को लेकर मारपीट करने और कान को काटकर बुरी तरह से अलग करने वाले मोहम्मदी जनपद के गांव सिसोरा निवासी मौसम उर्फ आशुतोष दीक्षित को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

जिले भर में लगाए गए पीपल, बरगद और पाकड़ के पौधे

बरखेड़ा विधायक और डीएम ने टाहपौटा के स्कूल से कराई शुरुआत, बोले: जो पौधे लगाए जाएं उनकी सेवा में भी न बरती जाए कमी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जिलेभर में मंगलवार को हरिशंकरी योजना के तहत पौधरोपण किया गया। समस्त ग्राम पंचायतों में जनप्रतिनिधि और अफसरों ने पहुंचकर पीपल, बरगद और पाकड़ के पौधे रोपित किए।

मरौरी ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम टाह पौटा के जूनियर हाईस्कूल में बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, डीएम ज्ञानेंद्र सिंह पहुंचे और पौधरोपण किया। विधायक, डीएम ने पीपल, बरगद ,पाकड़ के पौधे लगाए। विधायक ने शिक्षकों कहा पौधरोपण से पर्यावरण तो बेहतर रहता ही है। साथ ही हरियाली भी बढ़ती है। अपील की गई कि इन तीनों प्रजाति के पौधे अधिक से अधिक रोपित करें। डीएम ने कहा जो पौधे लगाए जाएं उनकी सेवा में भी कमी न रहे। इस मौके पर डीडीओ संजय कुमार , बीडीओ लियाकत अली, खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

पौधरोपण करते विधायक बरखेड़ा स्वामी प्रवक्ता नंद और डीएम ज्ञानेंद्र सिंह।

बरखेड़ा में पौधरोपण करते लोक भारती के जिला संयोजक।

अमरिया में पौधरोपण करते ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह व अन्य।

मंगल गीत गाते हुए पौधों पर किए पुष्प अर्पित

बरखेड़ा, अमृत विचार : सामाजिक संगठन लोक भारती के हरियाली अभियान के तहत हुए हरिशंकरी पौधरोपण कार्यक्रम में क्षेत्रभर में 2160 पौधे रोपित किए गए। एक एक फिट की दूरी पर पीपल, बरगद और पाकड़ के पौधे लगाए गए। लोक भारती के जिला संयोजक नागेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने पतरासा कुंवरपुर, नवादा महेश, भैसहागवालपुर, रमपुरा नत्थू ज्योरह कल्यानपुर आदि में ब्लॉक संयोजक चंद्रपाल दिवाकर, प्यारेलाल कश्यप आदि के साथ पौधे लगाए। हरिशंकरी पौधारोपण के दौरान ग्रामीणों ने मंगल गीत गाते हुए पौधों पर पुष्प अर्पित किए और जल चढ़ाया। उसकी परिक्रमा करते हुए मंगल कामना की गई।इस मौके पर अजय पाल वर्मा, उमेश गंगवार, सूरज श्रीवास्तव, कमलेश वर्मा, राहुल गंगवार, वन दरोगा सुरेश गंगवार आदि मौजूद रहे।

अमरिया में ब्लॉक प्रमुख और एसडीएम ने रोपे पौधे

अमरिया, अमृत विचार : ग्राम पंचायतों के परिषदीय विद्यालयों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर मंगलवार को हरिशंकरी पौधरोपण किया गया। ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह, एसडीएम मयंक गोस्वामी ने ब्लॉक परिसर में पीपल बरगद और पाकड़ के पौधे लगाए। इसके अलावा ब्लॉक प्रमुख ने ग्राम प्रधान मिनहीउद्दीन संग ग्राम पंचायत अमरिया के अंत्येष्टि स्थल पर भी पौधे लगाए। ग्राम पंचायत कैंचू टांडा के हर्बल पार्क में भी पौधरोपण किया गया। सभी स्थानों पर त्रिभुजाकार में पीपल, पाकड़ और बरगद के पौधे रोपित किए गए। विधिवत पूजन के बाद सभी ने परिक्रमा कर वृक्षों की सुरक्षा का संकल्प लिया। इस मौके पर एडीओ पंचायत अतुल पाठक, एपीओ शुभम सक्सेना, सचिव मानेन्द्र गंगवार, राम प्रकाश,ज्ञान प्रकाश, अफसर अहमद, हसीब अंसारी, मनोज कुमार, कुलदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

भुड़िया-उमरा भानपुर मार्ग की होगी मरम्मत

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जिला पंचायत क्षेत्र कांट द्वितीय वार्ड के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण मार्गों की जर्जर स्थिति को देखते हुए अब मरम्मत कार्य शुरू होने जा रहा है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य नीरज मिश्र और वर्तमान सदस्य कुसुम मिश्रा के प्रयासों से यह प्रस्ताव जिला पंचायत बैठक में रखा गया था, जिस पर कार्रवाई शुरू हो चुकी है। भुड़िया–उमरा–भानपुर मार्ग का मरम्मतीकरण स्वीकृत हो गया है और कुणी की बड़ी नहर पुलिया से पुलिस चौकी मार्ग तक सड़क निर्माण के लिए टेंडर की विज्ञप्ति भी जारी कर दी गई है। जिला पंचायत सदस्य कुसुम मिश्रा ने जिला पंचायत अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महा सरथाली, जमुनिया और पुरेना के मार्ग भी शीघ्र निर्माण कार्य में शामिल होंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि क्षेत्र की सभी आवश्यक सड़कों का कार्य समय से पूरा कर लोगों को राहत मिलेगी।

डिजिटल टूल्स और एआई आधारित प्लेटफार्म का सुरक्षित इस्तेमाल बताया

संवाददाता,पीलीभीत

अमृत विचार: पुष्प इंस्टीट्यूट में नाइलिट सेंटर की ओर से स्टूडेंट डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान पीलीभीत के असिस्टेंट डायरेक्टर नवीन कुमार अग्रवाल, रिसोर्स पर्सन मोहम्मद एहसान, विशवेश मिश्रा शामिल हुए।

कार्यक्रम में नवीन अग्रवाल ने पीलीभीत में संचालित सेंटर से जुड़ी जानकारी दी। प्रतिभागियों को डिजिटल टूल्स और एआई आधारित प्लेटफॉर्म का सुरक्षित और प्रभावी उपयोग करना सिखाया गया। विभिन्न कम्प्यूटर कोर्स के बारे में बताया। साइबर सिक्योरिटी के महत्व और अपराधों के बारे में जानकारी दी गई। रिसोर्स पर्सन विशवेश मिश्रा ने पीपीटी के माध्यम से साइबर सिक्योरिटी के मूलभूत सिद्धांतों और साइबर ठगी के बारे में बताते हुए उनसे बचने के उपायों के बारे में बताया।

पुष्प इंस्टीट्यूट में हुए कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी व शिक्षक।

डिजिटल साक्षरता के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। इसके बाद रिसोर्स पर्सन मोहम्मद एहसान ने नेटवर्क सिक्योरिटी, ई-मेल, वाई-फाई आदि की प्राइवेसी सेटिंग बताकर साइबर ठगी से बचने के विभिन्न उपाय बताए। कार्यक्रम में 250 से अधिक विद्यार्थी और 20 शिक्षकों ने भाग लिया। अन्त में प्राचार्य डॉ. मोहम्मद सलीम ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर उप-प्राचार्या डॉ. गीतिका शुक्ला, गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. विनीता, बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. ओम महेश, बीबीए के विभागाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

रामगंगा का जलस्तर घटा, बाढ़ पीड़ितों की मुसीबतें बरकरार

संवाददाता, मिर्जापुर

अमृच विचार: रामगंगा में दो दिन से लगातार हो रही बढ़ोतरी के बाद सोमवार रात से जलस्तर में आंशिक गिरावट दर्ज की गई, जिससे तटवर्ती क्षेत्र के लोगों को कुछ राहत मिली है। हालांकि बाढ़ की मार झेल रहे ग्रामीणों की परेशानियां फिलहाल कम हुई हैं। नदी का पानी कस्बा और आसपास के गांवों में फैलने से सैकड़ों बीघा फसलें जलमग्न हैं। सबसे बड़ी समस्या पशुओं के चारे की हो रही है।

रामगंगा किनारे बसे कुण्डरी, गहवरा, सोहड़, मई खुर्द कला, दहीलिया, ककोड़ा, परौर, नारायण नगला, हरिहरपुर, बीघापुर सिठौली, मौजमपुर, पहारुआ और कीलापुर सहित दर्जनों गांव अब भी बाढ़ की चपेट में हैं। किसानों का कहना है कि बाजरा, मूंग, मेंथा, तिली, धान और तुलसा जैसी फसलें पूरी तरह डूब चुकी हैं, जिससे भविष्य की चिंता सताने लगी है।दूसरी ओर गंगा नदी के जलस्तर में कमी जरूर आई है, लेकिन निचले इलाकों के गांवों और घरों में पानी अब भी भरा है। कई संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। पकड़िया नगला और पैलानी के बीच सड़क कटने से सात फीट गहरा गड्ढा बन गया है, जिस पर ग्रामीणों ने बिजली का पोल रखकर आना-जाना शुरू कर दिया है।

इस बीच मेडिकल टीम लगातार प्रभावित क्षेत्रों में दवा वितरण कर रही है। मंगलवार को सोहड़ गांव में डॉ. सौरभ दुबे, डॉ. विकास शर्मा, डॉ. अछिता सहाय और जयनेश की टीम ने करीब 80 लोगों को दाद, खाज, खुजली, सर्दी, दर्द और बुखार की दवाएं उपलब्ध कराईं। इधर, राहत कार्य भी तेज हो गया है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र यादव, चेयरमैन जिला सहकारी संघ रमाकांत मिश्रा और जिला पंचायत सदस्य धर्मेंद्र यादव ने ढाई गांव में बाढ़ पीड़ितों को खाद्य सामग्री वितरित की।

कुश्ती में भूरा पहलवान ने मनसा को हराया

मेले की शुरुआत कराते जिला पंचायत सदस्य व अन्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार: श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सिरसा सरदाह में तीन दिवसीय दंगल मेला मंगलवार से शुरू हो गया। पहले दिन हरियाणा दिल्ली उत्तराखंड समेत कई राज्यों के पहलवानों ने दमखम दिखाया। विजेता और उपविजेता पहलवानों को जिला पंचायत सदस्य ने पुरस्कृत किया। मेले की शुरुआत जिला पंचायत सदस्य अजय कुमार भारती, महुआ के प्रधान बीरबल, कल्यानपुर के पूर्व प्रधान रमाशंकर सोनकर, क्षेत्र पंचायत सदस्य शैलेंद्र कुमार ने संयुक्त रुप से फीता काटकर कराई। दूर-दराज से आए पहलवानों ने अपने दांव पेच दिखाए।

कुश्ती में दिल्ली के भूरा पहलवान ने हरियाणा के मनसा पहलवान को हराया। मैलानी के रोहित पहलवान हरिद्वार के राजा से हार गए। दिल्ली और पीलीभीत का मुकाबला बराबरी पर छूटा। निजामडांडी के बजरंगी ने उधमपुर के बाबू को हराया। विजेता पहलवानों को जिला पंचायत सदस्य की ओर से सम्मान धनराशि दी गई। उपविजेता पहलवानों को भी सम्मानित किया गया। वहीं मेला में रासलीला श्रीकृष्ण के जन्म का जीवंत मंचन किया गया। मनमोहक झांकी देख दर्शक भाव विभोर हो उठे। मेले का गुरुवार को समापन होगा। इस मौके पर ग्राम प्रधान बेलामती, इंछाराम मौर्य, विद्याराम, राकेश सक्सेना, पूर्व प्रधान ग्यास खान, मनोज सक्सेना, अमित श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

गमगीन माहौल में निकाले गए ताजिए

बंडा, अमृत विचार : मुस्लिम समुदाय ने इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में मंगलवार को चेहल्लुम मनाया । नगर के मुरादपुर मोहल्ले से ताज़िए खुटार रोड होते हुए पूरनपुर रोड स्थित करबला तक निकाले गए। इस दौरान भारी संख्या में मुस्लिम वर्ग के लोग शामिल हुए। बैंड-बाजे की धुनों के बीच मुस्लिम समुदाय के लोग नौहे और मरसिए पढ़ते हुए इमाम हुसैन और उनके साथियों की कुर्बानी को याद कर शोक सभाओं में शामिल हुए। मोहर्रम की दसवीं तारीख को हुए युद्ध में इमाम हुसैन और उनके साथी शहीद हो गए थे। उसी की याद में चालीसवें दिन चेहल्लुम का पर्व मनाया जाता है। शाम 6:30 बजे ताजियों को करबला में गमगीन माहौल के बीच दफनाया गया। इस दौरान जामा मस्जिद के इमाम गुलाम नबी ने कहा यह त्योहार शहादत और बलिदान की याद में मनाया जाता है।

सिंधौली में पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण शुरू

सिंधौली, अमृत विचार: बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आरम्भ किए गए पांच दिवसीय एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी) प्रशिक्षण की शुरुआत आरएलडी पब्लिक स्कूल में हुई। कार्यक्रम का शुभारम्भ कैंटोमेंट उपाध्यक्ष अवधेश दीक्षित ने माता सरस्वती की स्तुति कर किया।

प्रशिक्षण के प्रथम दिन प्रशिक्षक अतुल शुक्ला ने जानकारी दी कि कक्षा तीन की हिन्दी पाठ्य पुस्तक को ''वीणा'' नाम दिया गया है, जिसमें कुल अध्यायों को पांच इकाइयों में बांटा गया है। इसमें पर्यावरण, श्रम, देशप्रेम, मित्रता और खेल विषयों को प्रमुखता दी गई है। प्रशिक्षक उपेंद्र तिवारी और रूपेंद्र जीत सिंह ने बताया कि पुस्तक का निर्माण बच्चों की रुचि को ध्यान में रखकर किया गया है और इसका मुख्य उद्देश्य भाषा विकास है।प्रशिक्षक आरफीन अली खां और वली मोहम्मद ने शिक्षण के दौरान छात्रों का ध्यान विषयवस्तु पर केंद्रित रखने की विधियों पर विस्तार से चर्चा की। प्रशिक्षण सत्र में वरिष्ठ शिक्षक आशुतोष मिश्र, पंकज पांडेय, कमलेश यादव समेत अन्य रहे।

154 मानसिक रोगियों को चेकअप कर बांटी दवा

सीएचसी बीसलपुर में शिविर में पहुंचे लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

● सीएचसी परिसर में लगा शिविर, उमड़ी भीड़

अमृत विचार: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में मानसिक रोग से पीड़ित मरीजों के लिए शिविर लगाया गया। जिसमें जिला कोऑर्डिनेटर पल्लवी सक्सेना ने मानसिक रोगियों को टिप्स दिए। 154 मरीजों को चेकअप के बाद दवा वितरित की गई।

शिविर की शुरुआत सीएचसी अधीक्षक डॉ. लेखराज गंगवार ने कराई। जिला कोऑर्डिनेटर मानसिक रोग पल्लवी सक्सेना ने शिविर में आए मानसिक रोगियों को देखा। कहा कि पहले मरीज में मानसिक रोग के लक्षण पहचानें और फिर डॉक्टर से संपर्क करें। मानसिक रोग से कोई भी व्यक्ति पीड़ित हो सकता है। रोग होने पर छिपाएं नहीं बल्कि विशेषज्ञ से संपर्क करें। कहा कि मानसिक रोग देवीय प्रकोप, भूत- प्रेत जादू- टोना या टोटका से नहीं होते हैं। भ्रांतियां दूर करें, और डॉक्टर से संपर्क कर अपना इलाज कराएं। मानसिक रोग के लक्षण जैसे नींद न आना, उदास या मायूस रहना, चिंता, घबराहट, उलझन, आत्महत्या का विचार, अधिक गुस्सा आना, गाली गलौज करना, बेहोशी के दौरे आना, नशा करना, सिर दर्द या भारीपन होना आदि हैं। मेडिकल कॉलेज में आकर कोई भी रोगी उनसे परामर्श ले सकता है। इस मौके पर डॉ. मोहम्मद आजम, डॉ. सलीम, डॉ.चंदन आदि मौजूद रहे।

सिटी डायरी

विहिप नेताओं ने संगठन के उद्देश्य पर की चर्चा

पीलीभीत, अमृत विचार : विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान में मझोला प्रखंड में स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभाग संगठन मंत्री प्रिंस गौड़ ने संगठन की यात्रा, उद्देश्य और भविष्य पर विस्तृत जानकारी दी। जिला उपाध्यक्ष जगदीश सक्सेना ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने संगठन का मूल मंत्र प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मझोला प्रखंड संयोजक रविंद्र सिंह, सीताराम, दिलीप, चंद्रपाल, हरीश, भगवानदास, करन, विवेक, कपिल अग्रवाल आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन मंत्र एवं संगठन संकल्प के साथ हुआ।

व्यापार मंडल को एसपी ने किया सम्मानित

शाहजहांपुर,अमृत विचार : अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल का प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में मंगलवार को एसपी राजेश द्विवेदी से मिला। जिसमें हर घर तिरंगा कार्यक्रम में शामिल व्यापार मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्यों के साथ एसपी से भेंट की गई। इस अवसर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत जिले एवं महानगर के पदाधिकारी को सांस्कृतिक मंत्रालय की ओर से जारी प्रमाण पत्र एसपी द्वारा वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नरेंद्र शुक्ला, प्रदीप गुप्ता, श्याम मोहन मिश्रा, सुनील मल्होत्रा, बिंदु मिश्रा, वाजिद खान, रईस मियां, शाहनवाज मंसूरी सहित काफी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

बसपा ने जनहित के मुद्दों को लेकर किया जोरदार प्रदर्शन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बहुजन समाज पार्टी ने मंगलवार को जनहित की विभिन्न समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट में हुंकार भरी। बसपाइयों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सफाई, बिजली आपूर्ति, मच्छर प्रकोप से निजात आदि मुद्दों को लेकर डीएम को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार अपूर्वा सिंह को सौंपा। ज्ञापन में बताया गया पंडित रामप्रसाद बिस्मिल मेडिकल कॉलेज में स्टाफ नर्स द्वारा भर्ती मरीजों, तीमारदारों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाना, शहर से सटे कारखाने, मिल के प्रदूषण को नियंत्रण किया जाना, महानगर के कूड़ा कचरा के लिए ककरा में बना डंपिंग यार्ड से वहां रहने वाले वांशिदो को बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है, उक्त समस्या का निस्तारण हो। भीषण गर्मी के बिजली की अघोषित कटौती को रोका जाए, महानगर में रोजाना जहरीले मच्छरों के प्रकोप से लोग बीमार हो रहे हैं, इससे निजात के लिए फांगिग, एंटीलार्वा दवा का छिड़काव किया जाए। इस दौरान महानगर अध्यक्ष मो .राशिद कुरैशी, राजेश्वर सिंह, अमित कुमार आदि रहे।

छात्रों को बाल श्रम के बारे में बताया

संवाददाता, हांपुर

अमृत विचार: डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश और जिला प्रोबेशन अधिकारी गौरव मिश्रा के मार्गदर्शन में बाल विवाह प्रतिषेध एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरुक करने के लिए मंगलवार को महिला कल्याण विभाग में प्राथमिक विद्यालय नवादा इन्देपुर में जागरूकता कार्यक्रम किया गया। जिला मिशन कोऑर्डिनेटर अमृता दीक्षित ने महिला कल्याण विभाग की ओर से संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से बाल विवाह , बाल श्रम, आदि की जानकारी दी गई। विभागीय योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, वन स्टाप सेंटर योजना, वृद्धा पेंशन योजना, दिव्यांग पेंशन योजना सामूहिक विवाह योजना , राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना,निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्पॉन्सरशिप योजना के विषय में जानकारी दी। रश्मि देवी द्वारा चाइल्ड हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 1098, एवं अन्य सभी टोल फ्री नंबर 112,1090,181,108,102 आदि टोल फ्री नंबरों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिला मिशन कोऑर्डिनेटर अमृता दीक्षित, जेंडर स्पेशलिस्ट रश्मि देवी, काउंसलर आरती त्रिवेदी, अध्यापिका आदि लोग मौजूद रहे।

इनरव्हील क्लब ऑफ पीलीभीत ग्रेटर ने दो छात्राओं को बांटी साइकिल

पीलीभीत,अमृत विचार : इनरव्हील क्लब ऑफ पीलीभीत ग्रेटर की सदस्यों ने दो जरूरतमंद छात्राओं को साइकिल दी। साइकिल मिलने से दोनों छात्राओं को स्कूल आने-जाने में सुविधा होगी। यह कार्यक्रम डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन डॉ. सुरुचि सक्सेना के निर्देशन में पिपरा स्कूल में आयोजित हुआ। इस मौके पर प्रधानाचार्य पूनम अवस्थी, नेहा गुप्ता, मोनिशा बग्गा, पूजा गुप्ता, लवी गुप्ता, सुरभि गुप्ता, अंजलि सिंघल, सपना अग्रवाल, नीलिमा अग्रवाल, ऋद्धि अग्रवाल, रुचि खण्डेलवाल, प्रियंका अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

Lifelines OF BAREILLY
MEDICAL
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005
"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES
CASHLESS
DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi
ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
TPA सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

न्यूज ब्रीफ

भैंस से टकराकर बाइक सवार घायल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : सड़क दुर्घटना में भैंस से टकराकर एक बाइक सवार युवक गंभीर घायल हो गए गया, जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य भर्ती कराया गया। मोहम्मदी कोतवाली क्षेत्र के गांव बगरेठी निवासी अखिलेश (34) पुत्र राकेश कुमार बाइक से कहीं जा रहे थे। रास्ते में उनकी बाइक भैंस से टकरा गई, जिसमें वह सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए। इलाज के लिए उन्हें सीएचसी भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

उच्च प्राथमिक विद्यालय में चोरी का प्रयास

भानपुर, अमृत विचार : भानपुर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में सोमवार की रात चोर घुस गए। प्रधानाध्यापक कक्ष और कक्षा कक्ष की कुंडी काट दीं। हालांकि वह वारदात को अंजाम नहीं दे सके। सुबह अध्यापक आशीष कुमार स्कूल पहुंचे तो घटना की जानकारी हुई। अध्यापक आशीष कुमार ने बताया चोरी का प्रयास किया गया, लेकिन सभी सामान सुरक्षित है।

आरोपियों को बचाने में जुटी पुलिस बैकफुट पर आई

तिकुनिया पुलिस ने शांति भंग में निपटाया मामला, सशस्त्र सीमा बल के सख्त तेवर देखकर की गई एफआईआर दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: आर्मी और एसएसबी जवान बनकर नेपालियों से लूट व वसूली करने वाले आरोपियों को बचाने में जुटी तिकुनिया पुलिस अब पूरी तरह बैकफुट पर आ गई है। पहले पुलिस ने सबूत और तहरीर न मिलने का बहाना बनाकर दोनों आरोपियों का चालान महज शांति भंग में कर दिया, लेकिन एसएसबी के सख्त तेवर देख आखिरकार सोमवार देर शाम रिपोर्ट दर्ज करनी पड़ी। घटनाक्रम ने पुलिस की नीयत और भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भारत नेपाल सीमा पर आर्मी लिखी बाइक सवार तीन युवकों का गैंग कई साल से सक्रिय था। खुद को एसएसबी जवान, कभी अधिकारी बताकर नेपाली नागरिकों से लूटपाट और अवैध वसूली करते थे। रविवार को भी आर्मी लिखी बाइक सवार तीन युवकों ने गांव मुजहा के पास दिनदहाड़े दोपहर में दो नेपाली नागरिकों से सात हजार रुपये लूट लिए थे। नेपालियों के शोर मचाने

आरोपी वसीम।

आरोपी मोहम्मद इदरीश।

लूट नहीं सिर्फ शांति भंग, पुलिस पर उठे सवाल

अमृत विचार में छपी खबर की पीडीएफ।

बाइक सवारों ने नेपाली नागरिकों से की लूट

• एसएसबी के नाम पर वसूली और नेपाली नागरिकों से लूट का चल रहा था खेल

पर ग्रामीणों ने कोतवाली तिकुनिया के गांव तकियापुरवा निवासी वसीम और बाजारपुरवा निवासी इदरीश को घेरकर बाइक समेत पकड़ लिया था, जबकि उसका तीसरा साथी तकियापुरवा निवासी तौहीद मौके से भाग निकला था।

गुस्साए ग्रामीणों ने दोनों को बांधकर जमकर पिटाई की थी और तिकुनिया पुलिस को सौंप दिया। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी खुलेआम खुद को एसएसबी का जवान बताकर नेपालियों से उगाही करते रहे, लेकिन पुलिस पूरे मामले को हल्के में लेकर लीपापोती करती रही। तिकुनिया पुलिस का रवैया ऐसा था कि मानो वह आरोपियों को बचाने में लगी हो। पुलिस ने लूट और वसूली की बात को सिरे से खारिज कर दिया था और शांतिभंग के आरोप में चालान कर अपने मंसूबों को पूरा कर लिया। एसएसबी तृतीय वाहिनी एसएसबी निरीक्षक अर्चित तिवारी की ओर से लिखित तहरीर आने के बाद पुलिस की मजबूरी बढ़ी और उसे बीएनएस की धारा 308 (2) और 319 (2) के तहत रिपोर्ट दर्ज करनी पड़ी। यह कदम पुलिस की पूर्व कार्रवाई पर सवालिया निशान खड़ा करता है कि अगर एसएसबी दबाव न बनाती तो क्या यह मामला सिर्फ शांति भंग तक ही सीमित रह जाता। एसएसबी ने तहरीर में साफतौर पर आरोपियों को नामजद करते हुए कहा है कि कुछ व्यक्ति संगठन की छवि खराब करने के साथ ही स्थानीय लोगों से अनुचित लाभ के लिए वसूली कर रहे हैं।

लापरवाही है या फिर आरोपियों से साठगांठ

एसएसबी निरीक्षक अर्पित तिवारी की ओर से तहरीर मिलने पर मजबूरी में पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करनी पड़ी। सवाल यह है कि जब केंद्रीय बल खुद शिकायत दे रहा था तो पुलिस क्यों बार-बार सबूत न मिलने की कहानी गढ़ रही थी, यह महज लापरवाही है या फिर आरोपियों से सांठगांठ।

संदेह के घेरे में तिकुनिया पुलिस की भूमिका

एसएसबी की सख्ती से तो आरोपी कानून के शिकंजे में आ गए, मगर तिकुनिया पुलिस की भूमिका संदेह के घेरे में है। लोगों का कहना है अगर एसएसबी दबाव न डालती तो यह मामला सिर्फ शांति भंग तक ही सीमित रह जाता। पुलिस जिस तरह से आरोपियों का पहले बचाव कर रही थी, उससे साफ है कि कहीं न कहीं मिलीभगत की बू आती है। अब देखना है कि पुलिस वास्तव में आरोपियों पर कड़ा शिकंजा कसती है या फिर औपचारिक कार्रवाई कर मामले को रफा-दफा कर देती है।

एक शाम मुरली वाले के नाम पर झूमे श्रद्धालु

पसगवां, अमृत विचार: श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के तहत जंगबहादुरगंज में एक शाम मुरली वाले के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कस्बे के पुराने रामलीला मैदान परिसर में भव्य दरबार सजाकर संगीतमयी कीर्तन के साथ माहौल भक्तिमय हो गया।

मुरादाबाद से पधारे भजन गायक तारिक किशोर ने भोले ओ भोले, हम राधा राधा बोल रहे, धिमक धीम डमरू बाजे रे और जन्मे जन्मे कन्हैया रात 12 बजे, जंगबहादुरगंज के सचित सक्सेना ने एक शाम मुरली वाले के नाम, मेरे श्याम बाबा कृपा करो, सबसे अनोखा प्रेम जगत में राधा कान्हा का, घर से मैं लाया दो रोटी सांवरे तथा एक मेरे दाऊ भैया आदि भजनों के साथ कान्हा की भक्ति का गुणगान किया।

इससे पहले श्रीगणेश वंदना, सरस्वती व मां भगवती के पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। भजन संध्या के दौरान शिव पार्वती, दुर्गा माता, राधा कृष्ण और श्री कृष्ण सुदामा आदि की सजीव और सुंदर झांकियां दिखाई गईं।

तूल पकड़ता जा रहा अरनीखाना गन्ना विकास समिति की भूमि बिक्री मामला

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड, अरनीखाना की भूमि बिक्री का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। कार्यालय भवन व भूमि का बैनामा तीन पार्ट में कराया गया है। पैराडाइज इंफ्रा सॉल्यूशन महाराज नगर खीरी के नाम से हुए हैं तीनों बैनामे में विक्रेताओं ने खुद को काबिज दर्शाया है, जबकि मौके पर गन्ना विकास समिति का कार्यालय संचालित है। इससे यह मामला सवालों में उलझता जा रहा है।

शहर के बीचोबीच स्थित सौजन्या चौराहे पर सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड, अरनीखाना का कार्यालय भवन है। यह कार्यालय भवन 1930 से स्थापित है। शहर के मध्य में इस कार्यालय के होने के कारण किसानों को विशेष लाभ मिलता है। क्योंकि किसान अन्य काम निपटाने के साथ ही समिति का काम भी कर लेते हैं। पैराडाइज इंफ्रा सॉल्यूशन महाराज नगर खीरी की फर्म ने बैनामा कराया है। बताते हैं कि फर्म में है पांच पार्टनर हैं और व्यावसायिक भूमि का आवासीय में बैनामा करा लिया गया है। डीएम के निर्देश पर बैनामों की जांच एआईजी स्टांप कर रहे हैं। बयनामे में शिवम चंदेल, रमन चंदेल और अनिल चंदेल ने खुद को भूमि का स्वामी बताया है। साथ ही खुद को काबिज बताया है।

इससे जांच में विक्रेताओं के झूठे दावे की भी हकीकत सामने आ रही है। इस बाबत विक्रेता पक्षों से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन किसी से बात नहीं हो सकी।

सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड, अरनीखाना का भवन। • अमृत विचार

> भूमि बिक्री मामले की जांच हो रही है। समिति की ओर से कोर्ट में अपील की गई है। बैनामे में क्या लिखा गया, इसकी जानकारी नहीं है। कोर्ट का फैसला ही सर्वमान्य होगा।
> –**वेद प्रकाश**, जिला गन्ना अधिकारी।

अमृत विचार में प्रकाशित खबर।

आरएसएस के विरुद्ध टिप्पणी करने पर रिपोर्ट दर्ज

पसगवां, अमृत विचार: जंगबहादुरगंज के एक युवक ने सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ फेसबुक पर अभद्र टिप्पणी कर दी। इसकी शिकायत पर पसगवां पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

आरएसएस के सह खंड कार्यवाह पसगवां शशांक वाजपेयी ने बताया कि कस्बा जंगबहादुरगंज निवासी राहुल कुमार ने 17 अगस्त को फेसबुक पर सार्वजनिक पोस्ट करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को देश विरोधी संगठन बताते हुए संगठन के संबंध में अभद्र टिप्पणी की। इससे संगठन की मानहानि हुई है तथा स्वयं सेवकों की भावनाएं आहत हुई हैं।

थानाध्यक्ष रविंद्र सोनकर ने आरोपी राहुल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। राहुल ने जिस पोस्ट पर अपनी टिप्पणी की है। उसे आरएसएस के विरुद्ध अभिषेक शाक्य नाम के व्यक्ति ने पोस्ट किया है, जो पोस्ट के मुताबिक मैनपुरी जिले से है।

विलोबी की जगह ट्रस्ट का नाम शहीदों के नाम पर हो

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों ने मंगलवार को डीएम को ज्ञापन सौंपा, जिसमें विलोबी मेमोरियल ट्रस्ट से विलोबी का नाम हटाने और विलोबी का मर्डर करने वाले तीन शहीदों नसीरुद्दीन, माशूक, बशीर का शिलापट लगाने की मांग की गई।

26 अगस्त 1920 को अंग्रेज अफसर विलोबी की स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नसीरुद्दीन, माशूक और बशीर ने हत्या कर दी थी। बाद में 1920 में ही तीनों को जिला अदालत सीतापुर ने फांसी की सजा सुना दी। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित नंद कुमार मिश्र ने बताया कि तीनों फांसी पर झूल गए। बताया कि अंग्रेजों ने विलोबी की याद में विलोबी मेमोरियल हॉल बनवाया। 1924 में आंग्रेजों ने ट्रस्ट बनवाया।

ट्रस्ट का सचिव बाबू सरस्वती प्रसाद को बनाया। 101 साल से इसी परिवार का सचिव है। आजादी के बाद भी आज तक विलोबी मेमोरियल ट्रस्ट चल रहा है। डीएम ट्रस्ट की अध्यक्ष हैं। इसे लेकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रितों में रोष है।

ट्रस्ट के पास करीब 15 एकड़ भूमि, एक हाल, 50 दुकाने हैं। ज्ञापन देने वाले आश्रितों का कहना है कि देश की आजादी के 78 साल बाद भी अंग्रेज अधिकारी के नाम पर ट्रस्ट और संस्थान चलना शर्मनाक है, इसलिए तत्काल विलोबी का नाम हटाकर शहीदों के नाम पर शिलापट्ट और संस्थाओं का नामकरण किया जाए।

स्वतंत्रता सेनानी आश्रितों ने स्पष्ट कहा है कि यह सिर्फ इतिहास सुधारने का प्रयास है, ताकि नई पीढ़ी को पता चले कि यह धरा शहीदों के खून से सींची गई है। मांग पत्र पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों नंद कुमार मिश्र, राजकिशोर दीक्षित, मनीष धवन, ब्रह्म ऋषि नागर, मनोज श्रीवास्तव, अजय सिंह, गायत्री उपाध्याय सहित कई लोगों के हस्ताक्षर हैं।

यही है वह भवन जो अंग्रेज अफसर विलोबी के नाम से अंकित है। • अमृत विचार

• स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों ने डीएम को सौंपा मांग पत्र

• ट्रस्ट के पास करीब 15 एकड़ जमीन, एक हाल और 50 दुकाने हैं

चोरी की चार बाइक बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

खीरी टाउन, अमृत विचार : थानाध्यक्ष निराला तिवारी ने बताया कि पुलिस वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी बीच बाइकों से निकले गांव महाराजनगर निवासी हरदम और बैरागर निवासी जितेन्द्र कुमार को पुलिस ने रोककर बाइकों के कागज मांगे तो वह नहीं दिखा सके। पुलिस दोनों आरोपियों को थाने लाई और कड़ाई से पूछताछ की तो दोनों आरोपी शातिर वाहन चोर निकले। जांच में बरामद बाइकें भी चोरी की पाई गई।

ADMISSION OPEN
For Advertisement Contact :-
7906732664
9897885429
8445507002

बंदियों से संवाद कर डीएम-एसपी ने लिया फीडबैक

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिला कारागार की व्यवस्थाओं की हकीकत जानने के लिए डीएम और एसपी अचानक जिला कारागार पहुंचे। जेल का निरीक्षण कर बंदियों से बातचीत की और सुविधाओं का फीडबैक लिया। खाने की गुणवत्ता और साफ-सफाई ठीक मिलने पर संतोष जताया।

दोपहर करीब एक बजे डीएम दुर्गा शक्ति नागपला एसपी संकल्प शर्मा के साथ जिला जेल पहुंची। डीएम-एसपी को देखकर जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। दोनों अधिकारियों ने जेल परिसर की साफ-सफाई, भोजन की गुणवत्ता, अस्पताल और बैरकों का जायजा लिया। बंदियों से बातचीत में उन्होंने भोजन-पानी, स्वास्थ्य सुविधा और रहने की स्थिति की जानकारी हासिल की। संतोषजनक स्थिति मिलने पर उन्होंने जेल प्रशासन को इसे नियमित बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बैरकों की भी सघन तलाशी ली गई। किसी भी तरह की आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई। डीएम को जेलर देवकांत वर्मा ने बताया कि नियमित चेकिंग की जाती है।

जिला जेल का निरीक्षण करतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी संकल्प शर्मा।

• जिला कारागार का निरीक्षण कर परखी व्यवस्थाएं

डीएम-एसपी ने निर्देश दिए कि संवेदनशील बंदियों पर विशेष निगरानी रखी जाए और समय-समय पर उनकी गतिविधियों की रिपोर्ट दी जाए।

साथ ही जेल के सीसीटीवी कंट्रोल कक्ष का अवलोकन कर कैमरों के जरिए पूरे परिसर की गतिविधियों की जानकारी ली। 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान जेल अधीक्षक पीडी सलोनिया, धीरेंद्र प्रताप सिंह राठौड़, प्रतिभा सिंह सेंगर, भोजराज सिंह और रीता राजभर आदि मौजूद रहे।

सीएचसी अधीक्षक को मिली सीजेएम अदालत से राहत

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: तहसील परिसर में सीएचसी अधीक्षक डॉ. गणेश कुमार और उनके सहयोगी योगेश कुमार पर हमला करने, सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने वाले अधिवक्ता मनोज श्रीवास्तव और मनुज वाजपेयी का उन्मोचन प्रार्थना पत्र सीजेएम प्रमोद सिंह यादव ने खारिज कर दिया। साथ ही दोनों लोगों को 23 अगस्त को न्यायालय में तलब किया है।

गोला के इस मुकदमे में सीजेएम लखीमपुर की अदालत में सुनवाई चल रही थी। नामजद अधिवक्ता मनोज श्रीवास्तव और मनुज वाजपेयी की ओर से उनके वकील विवेक अवस्थी ने दावा किया कि उनके दोनों मुवक्किल बेगुनाह हैं, जिससे इन पर कोई आरोप नहीं बनता है। दोनों मुवक्किलों को दोषमुक्त किया जाए। लेकिन सीजेएम प्रमोद सिंह यादव ने पीड़ित पक्ष डॉ. गणेश की ओर से वकील सन्तोष त्रिपाठी और शासकीय वकील दिलीप श्रीवास्तव की दलीलें सुनने और सुप्रीम कोर्ट की नजीर का परिशीलन करने के बाद अपने आदेश में निष्कर्ष दिया कि न्यायालय में दोनों आरोपियों के विरुद्ध आरोप विरचन के लिए पर्याप्त सुबूत हैं। इसलिए इन दोनों का उन्मोचन प्रार्थना पत्र खारिज किया जाता है। इसी के साथ इन दोनों के ऊपर आरोप तय करने के लिए 23 अगस्त की तिथि नियत करते हुए दोनों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने के लिए भी आदेशित किया है।

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी
भोजीपुरा, बरेली BTE CODE - 2143
B.El.Ed. (इंटरमीडिएट के पश्चात 4 वर्षीय बी.टी.सी.) College Code 148
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
BTE CODE-2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानाकार बहेड़ी, बरेली
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

अनदेखी

रात में राहगीरों, दैनिक यात्रियों, बाइक और साइकिल से निकलने वालों को हो रहीं परेशानियां

लोहे की बैरिकेडिंग तो हटवा दी गई, नहीं भरे सड़क पर बने गड्ढे

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: छोटी काशी के पौराणिक सावन मेला के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से अलीगंज रोड, शिवम चैराहा और स्टेशन रोड पर लोहे की बैरिकेडिंग की गई थी, जिसके लिए सड़क पर गहरे गड्ढे खोदकर लोहे के एंगल लगाए गए थे। सावन मेला समाप्त होने के बाद बैरिकेडिंग तो हटा ली गई पर सावन बीतने के 10 दिन बाद भी सड़कों के गड्ढे नहीं भरे गए हैं, जिससे यातायात प्रभावित होता है। राहगीरों, दैनिक यात्रियों, बाइक, साइकिल से निकलने वाले लोगों को परेशानियां हो रही हैं। वही रात में किसी दुर्घटना के होने से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

छोटी काशी में सावन माह में दूसरे सोमवार को अव्यवस्थाएं होने के कारण प्रशासनिक अधिकारियों ने पौराणिक शिव मंदिर जाने वाले मार्ग अलीगंज रोड, सिनेमा रोड, स्टेशन रोड पर गहरे गड्ढे खोदकर लोहे की बैरिकेडिंग लगाकर श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित किया। साथ ही सोमवार को ट्रैफिक भी इस रोड से रोक दिया था।

सावन समाप्त हो जाने के बाद लोहे की बैरिकेडिंग तो हटवा दी गई पर सावन बीतने के 10 दिन बाद अभी तक गड्ढे नहीं भरवाई गई हैं, जिसको लेकर आसपास के लोगों, राहगीरों, नगर निवासियों में रोष है। रेलवे स्टेशन, बस अड्डे को जाने वाली सड़क पर सुबह से शाम तक राहगीरों, दैनिक यात्रियों, साइकिल, बाइक सवारों, श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है। इसी मार्ग से होकर विभिन्न स्कूलों के बच्चे पैदल, ई-रिक्शा, निजी वाहनों से जाते हैं। वहीं रात में निकलने वाले लोगों के लिए यह गड्ढे किसी खतरे से कम नहीं है।

सावन 11 जुलाई से शुरू हुआ था, जिसको लेकर प्रशासन ने नगर के प्रमुख मार्गों पर गड्ढे खुदवाकर लोहे की जबरदस्त बैरिकेडिंग, सीमेंटेड वोल्डर्स रखवाकर श्रद्धालुओं की भीड़ नियंत्रित की थी। नौ अगस्त को सावन समाप्त होने के बाद 10 दिन बीत जाने के बाद भी प्रशासन ने इन सड़कों के गड्ढे भरवाए जाने का कोई इंतजाम नहीं किया है।

नगर से काफी संख्या में लोग ट्रेन और बस से लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर, मैलानी आदि जगहों पर आते जाते हैं। लखनऊ से रात में 9 बजे और 11 बजे भी ट्रेन आती है, जिससे काफी लोग आते हैं और अपने घरों के लिए इसी मार्ग पर निकलते हैं। अंधेरा होने पर गड्ढे न दिखने पर किसी के साथ कभी भी दुर्घटना हो सकती है। बारिश हो जाने से गड्ढों में पानी भर जाने से लोगों को गड्ढे का ध्यान नहीं रहता है। इस संबंध में एसडीएम युगांतर त्रिपाठी से बात की गई तो उन्होंने कुछ भी न बताकर फोन काट दिया।

> लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से वार्ता हो गई है। शीघ्र ही सड़कों पर गड्ढे भरवा दिए जाएंगे। नगर निवासियों को कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी।
> –**विजय कुमार शुक्ल रिंकू**, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद गोला।

गोला में स्टेशन रोड पर खुदे बैरिकेडिंग के गड्ढे।

रूहेलखण्ड कमिश्नरी का प्रथम विधि विद्यालय
SHRIJI INSTITUTE OF LEGAL
Vocational Education & Research
(SILVER LAW COLLEGE)
Estd. 2003
(Approved by BCI & Affiliated to MJPRU)
ADMISSION OPEN 2025-26
DIRECT ADMISSION
LL. B. 3 Yrs. Course After Graduation
B.A. LL.B. 5 Yrs. Course After 12th
College Code : 119
General 45%, OBC 42%, SC/ST 40% (in Intermediate & Graduation)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :
9837485855, 9411472001
7983811321, 7906220708, 9068232656
Email.: ravibhatnagar.slcbly@gmail.com
Add : Vill. Barkhapur, PO. Mudia Ahamad Nagar,12th Km. Pilibhit Road, Bareilly

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 20 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

51 घंटे का कवयित्री महाकुंभ 12 सितंबर से

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कपिलश फाउंडेशन द्वारा आयोजित होने वाला अनवरत 51 घंटे का कवियत्री महाकुंभ 12 सितंबर से शुरू होगा। कपिलश का दशम वार्षिकोत्सव 14 सितंबर को मोहम्मदी रोड पर रॉयल लॉन में होगा। कपिलस फाउंडेशन के संयोजक यतीश चंद्र शुक्ला ने बताया कि मोहम्मदी रोड स्थित रॉयल लान में 51 घंटे अनवरत चलने वाला कवियत्री महाकुंभ में देश की जानी मानी कवियत्रियों को आमंत्रित किया है।

एसपी से आरोपियों को गिरफ्तार कराने की मांग

पलियाकलां, अमृत विचार : गांव टेगनहिया निवासी मेडिकल स्टोर संचालक सुधाकर मिश्रा पर 11 अगस्त की शाम जानलेवा हमला हुआ था। वह गंभीर घायल हो गए थे। पुलिस ने गांव के परिजात उर्फ वीरू, सिद्धार्थ उर्फ गोलू, माता प्रसाद और सूरज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी, लेकिन पुलिस अभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। पीड़ित सुधाकर मिश्रा का कहना है कि आरोपी उन्हें लगातार जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। समझौते का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने एसपी को शिकायती पत्र भेजकर आरोपियों की गिरफ्तारी कराने की मांग की है।

बझेड़ा गांव का तटबंध टूटा, करोड़ों रुपयों की परियोजना को नुकसान

24 घंटे में ग्रंट नंबर 12 के दो और मकान शारदा में समाए, बाढ़ नियंत्रण विभाग राहत कार्य में जुटा

संवाददाता, मूड़ा सवारान/ लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: बझेड़ा गांव में शारदा नदी की तेज धारा सिंचाई विभाग के करोड़ों की परियोजना को नुकसान पहुंचा रही है। पश्चिमी तटबंध पहले से ही क्षतिग्रस्त था। पूर्वी दिशा का तटबंध भी टूट गया है, जिसे ठीक करने को विभाग की टीम लगातार कार्य कर रही है।

उधर, फूलबेहड़ क्षेत्र के ग्रंट नंबर 12 में प्राचीन शिव मंदिर समेत कई घरों को नेस्तनाबूत करने के बाद बीते 24 घंटे में दो और मकान नदी में समा गए। इस सीजन में यहां अब तक 11 मकान नदी में समा चुके है। शारदा नदी का कटान रोकने के लिए बझेड़ा गांव में वर्ष 2022-23 में 4.95 करोड़ रुपये की योजना के तहत 700 मीटर में जिओ ट्यूब बैग लगाए गए थे, लेकिन शारदा नदी

बझेड़ा गांव के टूटे तटबंध से बहता शारदा का पानी। ● अमृत विचार

● बाढ़ पीड़ितों को 1.20 लाख रुपये की दी जा रही सहायता

की तेज धार में 30 मीटर तटबंध क्षतिग्रस्त हो गया है। शारदा नदी इन दिनों अपने उफान पर है, जो बिजुआ ब्लॉक के बझेडा गांव को अपने आगोश में लेकर खतरे का संकट पैदा कर रही है। क्षतिग्रस्त तटबंध को ठीक करने के लिए बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा बंधे पर काम किया जा रहा है।

ग्रामीण ज्ञान सिंह, अजीत सिंह, मनोज कुमार, कमलेश, मनोहर लाल, शिवपूजन आदि ने आशंका जताते हुए बताया कि जिस तरह से काम हो रहा है यह नाकाफी है जिससे बंधे को बचाया नहीं जा सकता। हालांकि अभी हालत सामान्य हैं लेकिन शारदा नदी में घटते-बढ़ते जल स्तर को देखते हुए लगता है कि समय रहते यदि तटबंध की मरम्मत नहीं हो पाई तो स्थिति अनियंत्रित हो जाएगी।

उधर, ग्रंट नंबर 12 में खेत-खलिहान पहले ही नदी की भेंट चढ़ गए थे। अब आबादी की ओर नदी का रुख है। मंगलवार सुबह सीमादेवी पत्नी दयाराम और कामता पुत्र निरंजन का घर उनकी आंखों के सामने ही नदी में समा गया। कटान की रफ्तार देख लोग अपने कच्चे-पक्के घर छोड़कर सुरक्षित ठिकानों की तलाश में गांव से पलायन कर रहे हैं। ग्राम प्रधान ने बताया कि अब तक दर्जनों घर नदी की कटान की भेंट चढ़ चुके हैं। राजस्व टीम हालात पर नजर बनाए हैं। प्रशासन ने बताया प्रभावित पीड़ितों को दैवीय आपदा मद से 1.20 लाख रुपये की सहायता दी जा रही है।

नव विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: कोतवाली सदर के गांव कौरैया छींट निवासी एक 21 वर्षीय महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतक महिला के मायके वालों ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

थाना फरधान क्षेत्र के गांव पिपरिया अंडू निवासी सूरज प्रसाद ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी शिवदेवी (21) की शादी छह महीने पहले सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव कौरैया छींट के रहने वाले रामस्वरूप के बेटे भगत सिंह के साथ की थी। आरोप है कि बेटी को ससुरालीजन शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। यहां तक कि मायके में एक दिन भी नहीं रुकने देते थे। आरोप है कि 28 जुलाई को ससुरालियों की प्रताड़ना से तंग आकर बेटी ने विषाक्त पदार्थ का खा लिया था। इसके बाद कई दिनों तक इलाज के बाद बेटी ठीक हो गई थी। मंगलवार की सुबह संदिग्ध हालात में बेटी की मौत की सूचना मिली। मायके वालों की सूचना पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

शिव मंदिर जाने वाले मार्ग पर शुरू किया मरम्मत कार्य

पौराणिक शिव मंदिर जाने वाली गली में बनाई जा रही नाली। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर के सौंदर्यकरण में मंगलवार को ट्रांसफार्मर वाली गली में नाली निर्माण शुरू कर दिया गया है।

सावन के चलते एक माह से अधिक समय बीत जाने के बाद मंगलवार को शिवम चौराहे से शिव मंदिर जाने वाली ट्रांसफार्मर वाली गली में नाला, नाली निर्माण को लेकर साफ-सफाई शुरू कराकर मलवा हटाया गया। यह नाला, निर्माण कार्य शिव मंदिर कॉरिडोर परियोजना का हिस्सा है।

शिव मंदिर कॉरिडोर के सौंदर्यकरण के रूप में तीर्थ की सीढ़ियां, रिटेनिंग वॉल, बाउंड्री वॉल, पानी के निकास के लिए नाला, नाली, मार्ग निर्माण का कार्य यूपीपीसीएल की कार्यदायी संस्था रीना कंस्ट्रक्शन ने करवाया था, जिसे सावन बीत जाने के बाद रुके हुए कार्य को फिर से शुरू करा दिया गया है।

गरीब, किसान, नौजवान और मजदूर वर्ग की हितैशी है सपा

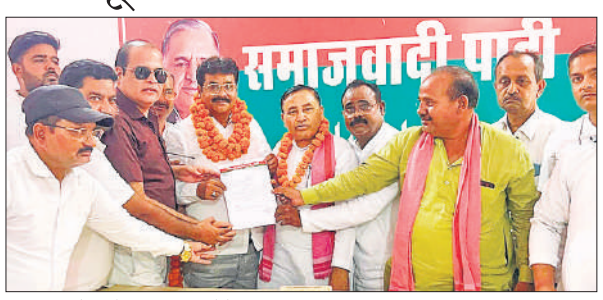

इरसाद हुसैन को नियुक्ति पत्र देते जिलाध्यक्ष रामपाल यादव। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● जिला कार्यकारिणी की बैठक में इरसाद हुसैन विधानसभा महासचिव नियुक्त

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष रामपाल यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में संगठन को और मजबूत बनाने एवं कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा प्रदान करने के उद्देश्य से निर्णय लिए गए।

जिलाध्यक्ष रामपाल यादव, जिला उपाध्यक्ष रियाज उल्ला खान उर्फ बन्ने प्रधान, जिला महासचिव अंसार महलूद ने पार्टी हाईकमान की संस्तुति पर लाल्हापुर निवासी समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता इरशाद हुसैन को गोला विधानसभा का महासचिव मनोनीत किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी सदैव गरीब, किसान, नौजवान और मजदूर वर्ग की आवाज़ रही है, जिससे तमाम लोग सपासे जुड़ते जा रहे हैं। संगठन में यह नई नियुक्ति निश्चित ही जनता के बीच पार्टी की पकड़ और मजबूत करेगी। बैठक में अमित वर्मा, उमेश गिरि, शत्रोहन सिंह, गोला नगर अध्यक्ष जीशान खान, रुखसार मंसूरी, शकील खान, मोहम्मद आफताब खान, रियाजुल्ला खान, शोएब अंसारी आदि मौजूद रहे।

मारपीट और धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज

कुकरा, अमृत विचार: मैलानी थाना क्षेत्र के कस्बा कुकुरा निवासी दिलशाद ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसमें उसने बताया है कि वह 18 अगस्त को 12 बजे गांव में बैठे थे। तभी पड़ोस के सरफराज, सनफराज किसी बात को लेकर उन्हें गालियां देते हुए मारने लगे और खींचकर अपने दरवाजे पर ले गए, जब उनके बेटे ने उन्हें बचाने का प्रयास किया तो अनीश, हजाउद्दीन ने उसकी दाढ़ी पकड़कर खींचते हुए उसे लात-घुसों से पीटा, जिससे उसका सिर फट गया और शरीर पर गंभीर चोटें भी आई हैं।

आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। अनीश उर्फ पहलवान का थाना मैलानी के क्राइम रजिस्टर आठ में नाम दर्ज है। पीड़ित ने सरफराज, सनफराज, अनीस उर्फ पहलवान और हजाउद्दीन के नामजद रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्रवाई करने की मांग की है।

चंदन चौकी वन रेंज में लगा स्वास्थ्य शिविर

वनकर्मियों के स्वास्थ्य का परीक्षण करते चिकित्सक। ● अमृत विचार

संवाददाता, पलिया कलां

● वनकर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दी गईं दवाएं

अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व की चंदनचौकी वनरेंज परिसर में पलिया एवं चंदनचौकी के चिकित्सकों ने स्वास्थ्य शिविर लगाकर वनकर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं दी।

वर्षा काल में वन्य जीवों की सुरक्षा में तैनात वन अधिकारियों व कर्मचारियों के कीचड़- पानी वाले जंगल में भ्रमण करने से उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है।उन्हें तरह-तरह के संक्रामक रोग हो जाते हैं। इसको देखते हुए दुधवा टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक जगदीश आर की पहल पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. भारत सिंह के आदेश पर पलिया व चंदन चौकी अस्पताल के चिकित्सकों ने उत्तर सोनारीपुर रेंज व बेलरायां रेंज आदि के वन अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। उनके स्वास्थ्य का परीक्षण कर दवाएं दीं।

चार ग्राम पंचायतों में 100 परिवार विभिन्न योजनाओं से हुए संतृप्त

संवाददाता, धौरहरा

जीरो पावर्टी वाले लाभार्थियों को प्रमाण पत्र देते सीडीओ अभिषेक कुमार। ● अमृत विचार

● जिले में गरीबी उन्मूलन का यह मॉडल अन्य ब्लॉकों के लिए भी बनेगा प्रेरणा

अमृत विचार: जिले में पहली बार गरीबी उन्मूलन की दिशा में बड़ी उपलब्धि दर्ज की गई है। धौरहरा ब्लॉक में चार ग्राम पंचायतों के 100 निर्धनतम परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से पूरी तरह संतृप्त करते हुए उन्हें गरीबी रेखा से बाहर निकालने का प्रमाण पत्र सौंपा गया।

मंगलवार को ग्राम पंचायत हसनापुर के पंचायत भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार और परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण सोमनाथ चौरसिया ने लाभार्थियों को जीरो पॉवर्टी प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस मौके पर ग्रामीणों को सम्मानित भी किया गया। इन चार ग्राम पंचायतों हसनापुर, जुगनूपुर, चकलखीपुर और रामलोक के 100 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, राशन वितरण, किसान सम्मान निधि, वृद्धावस्था व निराश्रित पेंशन, आयुष्मान भारत कार्ड, शौचालय, बिजली कनेक्शन, जल जीवन मिशन, मनरेगा जॉब कार्ड, स्वरोजगार व कौशल विकास मिशन जैसी सभी प्रमुख योजनाओं से लाभान्वित कर दिया गया।

खंड विकास अधिकारी धौरहरा संदीप कुमार तिवारी ने बताया कि अब तक चार ग्राम पंचायतों के 100 परिवार लाभान्वित हुए हैं। शेष 45 ग्राम पंचायतों को एक सप्ताह में संतृप्त कर दिया जाएगा। सीडीओ अभिषेक कुमार ने ग्राम पंचायत अधिकारी निधि देवी, नवल किशोर, धीरज और प्रियंक पुरी को प्रशस्ति पत्र देकर उनके योगदान की सराहना की। जिले में गरीबी उन्मूलन का यह मॉडल अन्य ब्लॉकों के लिए भी प्रेरणा बनेगा। प्रशासन का लक्ष्य है कि जल्द ही पूरे विकास खंड की सभी ग्राम पंचायतें जीरो पॉवर्टी की श्रेणी में शामिल हों।

पांच तहसील क्षेत्र में बाढ़ प्रभावितों को दी गई सहायता

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● सीएम के निर्देश पर डीएम ने कराई 16.34 लाख की मदद

● प्रदेश में सबसे पहले खीरी जनपद में मिला कृषि निवेश

अमृत विचार: सपनों की फसलें बाढ़ में डूब गईं, खेतों की हरियाली मुरझा गई, लेकिन किसानों के चेहरे अब राहत से खिल उठे हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पूरे प्रदेश में सबसे पहले लखीमपुर खीरी के बाढ़ प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया गया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की निगरानी में पांचों तहसीलों में आयोजित कार्यक्रमों में किसानों को डेमो चेक दिए गए, जबकि वास्तविक राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए सीधे खातों में पहुंचाई गई।

गोला तहसील में 60 किसानों को 10 लाख 25 हजार रुपये से अधिक का मुआवजा मिला। तहसीलदारों के साथ किसानों को लखीमपुर तहसील के 22 किसानों को 3.66 लाख, निघासन के 13 किसानों को 37 हजार, धौरहरा के 10 किसानों को 1.10 लाख और पलिया के 15 किसानों को 94 हजार रुपये की सहायता दी गई। कुल मिलाकर 120 किसानों को 16 लाख 34 हजार 368 रुपये की राहत राशि उपलब्ध कराई गई। सदर तहसील में विधायक योगेश वर्मा, धौरहरा में विधायक विनोद शंकर अवस्थी और निघासन में विधायक शशांक वर्मा मौजूद रहे। इन जनप्रतिनिधियों ने एसडीएम व

धौरहरा में मुआवजे के प्रतीकात्मकचेक दिखाते बाढ़ पीड़ित। ● अमृत विचार

तहसीलदारों के साथ किसानों को राहत के प्रतीकात्मक चेक सौंपे। पलिया तहसील में एसडीएम पलिया डॉ. अवनीश कुमार और गोला में एसडीएम युगांतर त्रिपाठी ने किसानों को राहत राशि के डेमो चेक प्रदान किए। सभी जगह किसानों ने राहत पाकर मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि बाढ़ प्रभावित किसानों तक शीघ्र और पूर्ण राहत पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

हादसे में घायल अधेड़ की आठवें दिन मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: कोतवाली मोहम्मदी क्षेत्र के गांव गोंडापुर निवासी सूबेदार 10 अगस्त को साइकिल से कुंभी यूरिया खाद लेने गए थे। खाद न मिलने पर वह अपने घर लौट रहे थे।

बताते हैं कि भीखमपुर के पास उनकी साइकिल में तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें सीएचसी मोहम्मदी इलाज के लिए भेजा। यहां पर करीब सात दिन चले इलाज के बाद हालत में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने शाहजहांपुर रेफर किया था। परिजनों ने बताया कि उनकी माली हालत ठीक न होने के कारण वह सूबेदार को जिला अस्पताल न ले जा सके। इससे सोमवार रात सूबेदार की मौत हो गई।

तहसील आए किसान की अचानक मौत

संवाददाता, निघासन

> आज कोर्ट बंद थी। आवास के सामने एक व्यक्ति खून की उल्टियां कर रहा था। उसे तत्काल अस्पताल भेजा गया। वह खुद मौके पर पहुंचे। डॉक्टरों ने रामस्वरूप को मृत घोषित कर दिया।
> –राजीव निगम, एसडीएम।

अमृत विचार: पेशी पर तहसील आए अनुसूचित जाति के किसान की एसडीएम आवास के सामने अचानक तबीयत बिगड़ गई। उसे खून की उल्टियां हुईं। इससे वहां हड़कंप मच गया। आनन-फानन में किसान को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव उठाने को लेकर परिजनों और पुलिस से काफी नोकझोंक हुई।

गांव कृपाकुंड निवासी रामस्वरूप भार्गव (55) मंगलवार को एसडीएम कोर्ट में विचाराधीन मुकदमे की पेशी पर आए थे। वकीलों के सामूहिक अवकाश पर होने के कारण वह वापस जा रहे थे। इस बीच संदिग्ध हालात में उनकी एसडीएम आवास के सामने तबीयत बिगड़ गई और खून की उल्टियां होने लगी। इससे वहां तमाम लोगों की भीड़ जुट गई। मौके पर पहुंचे एसडीएम राजीव निगम उसे अपनी सरकारी गाड़ी से सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए।

मृतक के बेटे रवींद्र का कहना है कि उसके पिता का भूमि को लेकर विवाद एक वकील से चल रहा है। मंगलवार को पेशी होने के कारण पिता तहसील आए थे। आरोप है कि विपक्षी वकील ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनके पिता की पिटाई कर दी। इससे उसके पिता गिर गए और उन्हें खून की उल्टियां होने लगीं और मौत हो गई। उसका कहना है कि इसके पहले भी लखीमपुर में मुकदमा दायर करने जाने पर उसके पिता को मारने का प्रयास किया गया था।

उधर, मौके पर पहुंची पुलिस ने जब शव को ले जाने की कोशिश की तो मौके पर मौजूद लोगों ने विरोध किया। उनका कहना था कि मृतक की पत्नी के आने के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाए, लेकिन पुलिस अपनी जिद पर अड़ी थी। इसको लेकर लोगों और पुलिस के बीच तीखी झड़पें हुईं। दरोगा आदित्य यादव ने बताया कि तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

आशीष बने जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के जिलाध्यक्ष

देश अध्यक्ष के हाथों मनोनयन पत्र लेते जिलाध्यक्ष। ● अमृत विचार

संवाददाता,प्रलखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुं. रघुराज प्रताप सिंह राजा भइया के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष विनोद सरोज ने शहर के शांती विहार कॉलोनी निवासी आशीष प्रताप सिंह भदौरिया को जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। उन्होंने मनोनयन पत्र में अपेक्षा जताई है कि शीघ्र ही कमेटी का गठन कर पार्टी की नीतियों को आम जनता तक पहुंचाने में सफल होंगे।

भदौरिया को उनके इस मनोनयन के लिए उनके समर्थकों में खुशी की लहर है।

बाढ़ पीड़ितों को न हो बुनियादी सुविधाओं की कमी

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

गोला तहसील में पीड़ितों को प्रतीकात्मक प्रमाणपत्र देते विधायक अमन गिरि। ● अमृत विचार

● विधायक ने 10 पीड़ितों को वितरित किये प्रतीकात्मक प्रमाणपत्र

अमृत विचार: बाढ़ पीड़ितों को किसी भी प्रकार की बुनियादी सुविधाओं की कोई कमी न रहे। इसके लिए विधायक ने बाढ़ पीड़ितों को प्रतीकात्मक प्रमाणपत्र वितरित कर उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार और वह स्वयं उनके साथ हैं।

तहसील सभागार में मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बाढ़ से प्रभावित परिवारों में राहत सहायता वितरण कार्यक्रम में विधायक अमन गिरि ने 10 बाढ़ पीड़ित लोगों को फसल क्षति मुआवजा के प्रमाणपत्र वितरित कर कहा कि उन्हें बुनियादी सुविधाओं की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। आपदा की इस घड़ी में सरकार और वह स्वयं उनके साथ हैं। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देशित किया की बाढ़ से प्रभावित लोगों में किसी भी तरह की बुनियादी सुविधाओं की कमी नहीं होनी चाहिए।

सरकार की प्राथमिकता है कि हर जरूरतमंद तक बिना देरी के सहायता पहुंचे। राहत पारदर्शिता और मानवीय संवेदना के साथ हो और कोई भी पीड़ित उपेक्षित न रहे। विधायक ने वहां आए लोगों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों से बात कर उनका निराकरण कराया। साथ ही उन्होंने तहसील बार एसोसिएशन अध्यक्ष केके शुक्ला सहित अन्य अधिवक्ताओं के साथ बैठक कर महत्वपूर्ण आवश्यक विषयों पर चर्चा की। एसडीएम युगांतर त्रिपाठी, तहसीलदार भीमचंद, केके शुक्ला, संत कुमार भारती, बार संघ के पूर्व अध्यक्ष रामकुमार गौतम, गोला देहात प्रधान राजेश गिरि, पूर्व प्रधान शेरू वर्मा, आशीष मिश्रा एडवोकेट, महेंद्र शर्मा, अचल श्रीवास्तव, अमित मिश्रा आदि मौजूद रहे।

हरियाणा कमाने गए युवक का फंदे से लटका मिला शव

संवाददाता, मझगईं

● सूचना मिलने पर परिवार के लोग भी हो गए हरियाणा रवाना

अमृत विचार: हरियाणा में कमाने-खाने गए एक युवक की संदिग्ध संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव शीशम के पेड़ से लटकता मिला। हरियाणा पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सूचना पाकर परिजन भी मौके के लिए रवाना हो गए हैं।

मझगईं थाना क्षेत्र के गांव रामपुर, मजरा गंगाबेहड़ निवासी अजीत कुमार (21) पुत्र विशेश्वर 15 अगस्त को हरियाणा के झज्जर जिले के गांव पराना कमाने गया था। वहां वह अपने गांव के अमित, शिवकुमार और दिनेश के साथ रहता था। परिवार वालों ने बताया कि सोमवार रात करीब 11 बजे अजीत मोबाइल पर बात करते हुए अचानक कहीं चला गया। साथियों ने सोचा कि वह किसी काम से बाहर गया होगा। मंगलवार सुबह करीब चार बजे जब वह कमरे पर नहीं लौटा तो साथियों ने उसे फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। इसके बाद उसकी तलाश शुरू की गई। सुबह करीब साढ़े आठ बजे गांव के बाहर शीशम के पेड़ से उसका शव फंदे पर लटकता मिला। जिसकी सूचना पर पहुंची हरियाणा पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परिवार के लोग भी हरियाणा रवाना हो गए हैं। इधर अजीत की मौत से मां घनश्यामा देवी का रो-रोकर हाल बेहाल है।

न्यूज ब्रीफ

ढाई किलो अफीम समेत दो तस्कर गिरफ्तार

जैतीपुर/शाहजहांपुर, अमृत विचार : थाना के उप निरीक्षक रविन्द्र नाथ सिंह को मंगलवार सुबह सूचना मिली कि बंडिया खुद तिराहे पर दो तस्कर खड़े किसी का इंतजार कर रहे हैं। पुलिस ने दोनों तस्करों को दबोच लिया। आरोपी मो. नौशाद अली निवासी वरवाडीह थाना व जिला लातेहर (झारखंड) और अताउल हक निवासी पोखरी कला थाना व जिला लातेहर, झारखण्ड है। पुलिस ने ढाई किलो अफीम और 2150 रुपये बरामद किए हैं।

करंट लगने से महिला की मौत

पुवायां, अमृत विचार : जनपद लखीमपुर के थाना मोहम्मदी के गांव सिसोरा निवासी उमाशंकर की पत्नी सोनी देवी घर में खाना बना रही थी। इस दौरान उसका हाथ अचानक विद्युत उपकरण से छू गया। जिससे उसे करंट लग गया। आनन फानन में उसे छुड़वाया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

यूरिया के लिए हाहाकार, किसानों ने लगाया जाम

ओयल समिति पर खाद वितरण में हंगामा, ईंट से ताले तोड़ने की कोशिश की, पुलिस और अफसरों ने खाद उपलब्ध कराने का दिया आश्वासन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

हाईवे जाम लगाते किसान। ● अमृत विचार

भीड़ में शामिल महिलाओं को समझातीं खीरी नगर चौकी इंचार्ज साधना यादव। ● अमृत विचार

अमृत विचार: यूरिया की किल्लत ने किसानों को सड़क पर ला दिया है। मंगलवार को ओयल स्थित पूर्वा सांवल सिंह सहकारी समिति पर खाद वितरण को लेकर हालात बिगड़ गए। गुस्साए किसानों ने लखीमपुर-सीतापुर मार्ग जाम कर हंगामा शुरू कर दिया। इससे करीब एक घंटे तक यातायात पूरी तरह ठप रहा। वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। सूचना पर पहुंची पुलिस और अफसरों ने खाद उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। तब जाकर लोग माने और जाम खोला।

मंगलवार को पूर्वा सांवल सिंह सहकारी समिति ओयल में किसानों का गुस्सा चरम पर पहुंच गया। धक्का-मुक्की और झड़प की नौबत आ गई। किसानों का आक्रोश देख कर्मचारी समिति पर ताला डालकर खिसक गए। उधर खाद वितरण में गड़बड़ी और कमी को लेकर किसानों ने लखीमपुर-सीतापुर मार्ग जाम कर दिया। जाम लगाने से देखते ही देखते सड़क पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

किसानों का आरोप है कि समिति में यूरिया का पर्याप्त स्टॉक नहीं है। आए दिन उन्हें इधर-उधर भटकना पड़ता है, जिससे उनकी बोवाई प्रभावित हो रही है। कुछ किसानों ने बताया कि वे तीन-तीन दिन से लाइन में लग रहे हैं, लेकिन यूरिया की बोरी नसीब नहीं हो रही। उनका कहना है कि हर साल बुवाई के समय यूरिया की किल्लत खड़ी कर दी जाती है। निजी दुकानों पर ब्लैक मार्केटिंग के कारण दाम आसमान छू रहे हैं, जबकि समितियों पर स्टॉक की कमी बताई जाती है। एक किसान ने कहा कि खेती समय से न हो तो पूरी फसल चौपट हो जाती है। ऐसे में हम यूरिया के बिना क्या करें।

सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष खीरी निराला तिवारी और प्रशासनिक अफसर मौके पर पहुंचे। किसानों को कड़ी मशक्कत कर समझाया बुझाया और शीघ्र ही यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का आश्वासन दिया। तब जाकर लोग माने और एक घंटे के बाद यातायात बहाल हो सका।

मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि यूरिया की नई खेप जल्द समितियों को उपलब्ध कराई जाएगी और किसानों को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। साथ ही ब्लैक मार्केटिंग रोकने के लिए निरीक्षण बढ़ाने की बात कही गई। किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं कराई गई तो वे और उग्र आंदोलन करेंगे।

ईंट से समिति का ताला तोड़ता किसान।

आसमान में दिखा ड्रोन, दहशत में ग्रामीण

सिंगाही, अमृत विचार: क्षेत्र में सोमवार की रात आसमान में अचानक एक ड्रोन उड़ता दिखाई दिया। इससे लोगों में दहशत व्याप्त हो गई। ग्रामीणों ने ड्रोन का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। कोतवाली तिकुनिया और सिंगाही थाना क्षेत्रों के गांव बेलरायां, तकियापुरवा, भूलनपुर, हरद्वाही, उमरा, निबौरिया आदि गांवों में सोमवार की रात ग्रामीणों ने आसमान में उड़ते ड्रोन देखे। इससे ग्रामीणों में दहशत व्याप्त हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि यह वाकया ठीक उसी समय हुआ। जब गांव में लोग रात्रि गश्त कर रहे थे। ड्रोन को देख कई लोग हैरान रह गए। किसी ने मोबाइल से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। वीडियो वायरल होते ही आसपास के गांवों में खौफ और चर्चाएं तेज हो गईं। ग्रामीणों की आशंका है कि ड्रोन का इस्तेमाल इलाके की रेकी के लिए किया जा रहा है, ताकि रात में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा सके। हालांकि पुलिस ने इस मामले में कोई पुष्टि नहीं की है। पुलिस जांच कर रही है।

एसएसबी की खो-खो स्पर्धा शुरू

खो-खो प्रतियोगिता में विजयी टीम। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के क्षेत्रक मुख्यालय में अंतर सीमांत खो खो प्रतियोगिता शुरू हुई। महिला-पुरुष टीमों के बीच यह प्रतियोगिता 20 अगस्त तक होगी। प्रतियोगिता में एसएसबी के उप महानिरीक्षक वी. विक्रमण ने क्षेत्रक मुख्यालय और बटालियनों के अधिकारी, भारतीय खो-खो संघ के ऑफिसियल लोगों ने खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

एसएसबी मुख्यालय परेड ग्राउंड में सभी सीमान्त की टीम ने बेहतरीन मार्च पास्ट किया। सभी टीम सदस्यों ने खेल भावना के साथ खेलने के लिए शपथ ली। खो -खो प्रतियोगिता में सात पुरुष और छह महिला टीमों के कुल 176 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। पहले दिन सीमांत मुख्यालय लखनऊ, गुवाहाटी, तेजपुर, सिलीगुड़ी की पुरुष टीमें और रानीखेत, पटना, लखनऊ, गुवाहाटी की महिला टीमें आपस में भिड़ीं।

प्रतियोगिता में दिल्ली, तेजपुर, गुवाहाटी, पटना, लखनऊ, रानीखेत, सिलीगुड़ी की टीमों के खिलाड़ी भिड़ेंगे। डीआईजी वी. विक्रमण ने बताया कि प्रतियोगिता में एसएसबी की केंद्रीय टीम का चयन होगा, जो नवंबर में कर्नाटक में होने वाली अखिल भारतीय पुलिस मीट में एसएसबी का प्रतिनिधित्व करेगी।

लखीमपुर शहर में कार पार्ट्स चोरों का आतंक

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- काशीनगर में बोनट खोलकर चोरी कर ले गए बैटरी व एसीएम

अमृत विचार: शहर में कारों के बोनट खोलकर महंगे पार्ट्स उड़ाने वाला गैंग सक्रिय है। आवास विकास कॉलोनी के बाद अब काशीनगर में चोरों ने कार का बोनट खोलकर बैटरी व एसीएम चोरी कर ले गए। चोर श्मशान घाट पर लगा गेट भी चोरी कर ले गए।

एसपी की तमाम कोशिशों के बाद भी शहर में आपराधिक घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। चोरों से परेशान सदर कोतवाली पुलिस ने सोमवार देर शाम प्रशिक्षु आईपीएस सीओ सिटी विवेक तिवारी के साथ पैदल गश्त कर खूब पसीना बहाया, लेकिन पसीना किसी काम नहीं आया। शाम करीब साढ़े सात बजे कार स्वामी सुमित शर्मा कहीं जाने के लिए घर के बाहर खड़ी कार के पास पहुंचे। कार स्टार्ट करने लगे तो स्टार्ट नहीं हुई। बोनट खोलकर देखा तो एसीएम और बैटरी गायब थी। पुलिस को तहरीर दी है।

दो दिन पहले चोर आवास विकास समेत अन्य स्थानों से कारों के पार्ट्स चोरी कर ले गए थे, जिसकी रिपोर्ट दर्ज है। सोमवार देर रात चोर मुक्तिधाम के पास लगे लोहे का गेट ले गए। मुक्तिधाम संचालक शिवप्रसाद द्विवेदी ने बताया कि यहां छोटे गेट के दोनों पल्ले चोर ले गए। उन्होंने पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस मौके तक नहीं आई। पुलिस की गश्त भी हवा हवाई साबित हो रही है।

पुलिस गश्त पर, पांच घरों से लाखों की चोरी

संवाददाता, मूड़ा सवारान

मौका मुआयना कर लिखा पढ़ी करती पुलिस। ● अमृत विचार

अमृतविचार: भीरा थाना क्षेत्र के गांव जंगलीनाथ में सोमवार देर रात चोरों ने पांच घरों से लाखों की चोरी कर ली। वारदात के समय पुलिस ने रात्रि गश्त का दावा तो किया, लेकिन गांव में हकीकत दिखाई नहीं दी। एक ही रात में पांच घरों में चोरी से पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

कोतवाली भीरा एवं पुलिस चौकी बिजुआ क्षेत्र की ग्राम पंचायत गोगावां के मजरा जंगलीनाथ में सोमवार देर रात चोरों ने गांव के श्रवण सिंह, कायम सिंह, शेर सिंह, गजराज सिंह, ध्रुव सिंह के घरों से से नगदी समेत पायल, बिछुआ, करधनी, सुतिया, झाला, झुमकी मंगलसूत्र, कंगन, टॉप्स, अंगूठी हार आदि लाखों की चोरी कर ली। गृहस्वामी अपने परिवारों के सदस्यों के साथ घरों के आंगन और बरामदे में सो रहे थे। बेखौफ चोरों ने सभी ग्रामीणों के घरों में पीछे से दाखिल हुए और चोरी की। चोरों ने बक्सों को ले जाकर गांव के बाहर खेतों में फेंक दिया। घटना की जानकारी होते ही गांव में सनसनी फैल गई।

प्रभारी निरीक्षक गोपाल नारायण सिंह सर्विलांस टीम व फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीमों ने जरूरी साक्ष्य जुटाए। पीड़ितों ने पुलिस को तहरीर दी है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

7906732664, 8445507002

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरी जन्मतिथि 27.10.1955 ई. ESM : NK Kedar Nath Army कार्ड में लिखी है जोकि गलत है जबकि मेरा सही जन्मतिथि 20.12.1950 ई. है। आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में भी जन्मतिथि 20.12.1950 ही दर्ज है। **उर्मिला देवी पुत्री तोताराम पत्नी केदार नाथ निवासी अशोक नगर मढ़ीनाथ बरेली।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैने दोनो पुत्र सलीम खां, अनवर खां पुत्र इब्बन खां उक्त दोनों पुत्रो की पत्नी मेरी पुत्र वधु पूजा उर्फ पल्लवी उर्फ आरजू व रियाजवानो के गलत चाल चलन व दुर्व्यवहार के कारण संबंध विच्छेद कर अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरे व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **जाहिरा पत्नी इब्बन खां निवासी वार्ड 09 कस्बा उसावा तह0 दातागंज जिला बदायूं**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे सर्विस रिकार्ड में बड़े बेटे का नाम त्रुटिवश आयुष शर्मा जन्मतिथि 30.03.2005 दर्ज हो गई है जोकि अशुद्ध है जबकि उसका सही नाम हर्षवर्धन शर्मा जन्मतिथि 30.04.2006 है तथा छोटे बेटे का नाम त्रुटिवश यश शर्मा जन्मतिथि 05.08.2009 दर्ज हो गई है जोकि अशुद्ध है जबकि उसका सही नाम यशवर्धन शर्मा जन्मतिथि 05.08.2011 है। **आर्मी नं. 120348 W रैंक पी.ओ. नाम अनिल कुमार शर्मा पुत्र श्री परशुराम शर्मा निवासी, 812, राजीव नगर पो. पीए.सी. तहसील व जिला बरेली।**

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने का आरोप

संवाददाता, निघासन

- तहरीर देने थाने गई तो पुलिस ने अपशब्द कहकर भगा दिया

अमृत विचार: उन्नाव की रहने वाली अनाथ युवती ने गांव ओरीपुरवा निवासी एक युवक पर शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म करने और गर्भवती होने पर मारपीट कर भगाने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि जब वह थाने गई तो पुलिस ने उसकी एक नहीं सुनी और अपशब्द कहते हुए भगा दिया।

युवती ने बताया कि वह उन्नाव की रहने वाली है। उसके माता-पिता की मौत हो गई है। वह लखनऊ में मजदूरी करके पेट पालती थी। निघासन थाने के गांव ओरीपुरवा निवासी युवक ने उसके कमरे पर आकर चाकू के बल पर दुष्कर्म किया। जब उसने पुलिस को तहरीर दी तो आरोपी ने जेल जाने के डर से शादी का झांसा दिया और उसे अपने घर ले आया। वहां पर भी टालमटोल करता रहा और शादी नहीं की। इस दौरान उसने कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध भी बनाए। उसके बाद जब वह गर्भवती हुई तो उसे घर से भगा दिया। वह दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है। रात में कहीं बस अड्डे तो कहीं खान-पान के होटलों पर रात बिता रही है। वह शिकायती पत्र लेकर थाना निघासन गई तो तहरीर देखते ही पुलिस भड़क गई। पुलिस ने तहरीर भी नहीं ली। उल्टे अनाप शनाप कहकर थाने से भगा दिया।

प्रभारी निरीक्षक महेश चंद्र ने बताया कि युवती तहरीर लेकर आई थी। जांच की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। थाने से भगाने की बात पूरी तरह से गलत है।

फुटबॉल में कृषक समाज की टीम प्रथम

लखीमपुर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कृषक समाज की फुटबॉल टीम। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- विजयी टीम मंडल स्तर पर लखनऊ में करेगी प्रतिभाग

अमृत विचार: माध्यमिक विद्यालय अंडर 17 फुटबॉल प्रतियोगिता बालक वर्ग में कृषक समाज इंटर कॉलेज की टीम ने जनपद स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। खेल प्रभारी ने कहा कि हमारे विद्यालय की टीम मंडल स्तर भी प्रथम स्थान प्राप्त कर जनपद को गौरवान्वति करेगी।

युवराजदत्त इंटर कॉलेज ओयल में हुए फुटबॉल टूर्नामेंट में विजयी विद्यालय की टीम मंडल स्तर पर लखनऊ में प्रतिभाग करेगी। विजेता टीम विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज ने खिलाड़ियों का सम्मान किया। खेल प्रभारी देवेंद्र सिंह ने कहा है कि हमारे विद्यालय की टीम मंडल स्तर भी प्रथम स्थान प्राप्त कर जनपद को गौरव प्रदान करने का कार्य करेगी। खिलाड़ियों के सम्मान के समय लखपति भारती, डॉ. अनिल कुमार, पीटीआई सरोज कुमार वर्मा, सुमित कुमार यादव, कोच मकसूद अली, टीम मैनेजर कपिल वर्मा आदि शिक्षक मौजूद रहे।

रेल पटरी चटकने में अधिकारियों पर गिर सकती है गाज

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- एक सप्ताह पूर्व पटरी चटक गई थी, अधिकारियों ने संयुक्त रिपोर्ट भेजी

अमृत विचार: कहेलिया ओर ऐगवां रेलवे स्टेशन के बीच रेल पटरी चटखने के मामले में रेल अधिकारियों द्वारा ने अपनी संयुक्त रिपोर्ट मंडल कार्यालय को भेज दी है। रेल अधिकारियों और कर्मचारियों पर गाज गिर सकती है।

एक सप्ताह पूर्व कहेलिया और ऐगवां रेलवे स्टेशन के बीच डाउन लाइन पर खंभा संख्या 1214/10 के सामने रेल पटरी चटख गयी थी। रेलवे के चाबी मैन ने चटखी पटरी को देखा था। उन्होंने स्टेशन मास्टर और रेलवे कंट्रोल को सूचना दी थी। कंट्रोल ने आंझी शाहाबाद रेलवे पथ निरीक्षक और स्टेशन मास्टर को सूचना दी थी।

रेल अधिकारियों ने मौका पर आकर देखा कि एक स्थान पर रेल पटरी चटखी हुई थी। इस दौरान डाउन लाइन पर एक घंटे तक रेल संचालन प्रभावित रहा था।

डाउन लाइन की बेगमपुरा एक्सप्रेस, जम्मूतवी-कानपुर एक्सप्रेस, पंजाब मेल और गंगा सतलज एक्सप्रेस को विभिन्न स्टेशनों पर रोक दिया गया था। जागल प्लेट बांधकर काशन देकर ट्रेनें निकाली गयी थी। मंडल के अधिकारियों ने मौका मुआयना किया था। रेल अधिकारियों ने अपनी संयुक्त रिपोर्ट बनाकर मंडल कार्यालय को भेज दी है। मुरादाबाद मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि किसी कर्मचारी को निलंबित नहीं किया गया है। जांच पूरी होने के बादअनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अभी जाचं चल रही है।

लिंटर गिरने से ग्रामीण, दीवार गिरने से महिला की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

वृद्धा की मौत के बाद विलाप करते परिजन। ● अमृत विचार

- लिंटर जर्जर हालत में था, बारिश से दीवार में सीलन थी, कटरा और निगोही में हुआ हादसा

अमृत विचार: जिले में अलग-अलग स्थानों पर मकान का जर्जर लिंटर गिरने से कमरे में सो रहे व्यक्ति और कच्ची दीवार गिरने से महिला मलबे दबकर घायल हो गयी। दोनों घायलों को सरकारी अस्पताल में लाया गया। जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मीरानपुर कटरा क्षेत्र में मकान का जर्जर लिंटर गिरा और निगोही क्षेत्र में मकान की कच्ची दीवार गिरी है।

मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के गांव सिउरा निवासी सुखवीर सिंह मंगलवार की सुबह सात बजे अपने घर के अंदर एक कमरे में सो रहे थे। कमरे का लिंटर जर्जर हालत में था। अचानक जर्जर लिंटर गिर गया और उसके मलबे में वह दब गया। लिंटर गिरने की आवाज सुनकर परिवार और गांव के लोग दौड़कर आए। गांव वालों ने उनके ऊपर से मलबा हटाया और बाहर निकाला। परिवार वाले सुखवीर सिंह को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सुखबीर

नन्ही देवी

परिवार में रोना पिटना मच गया। सदर बाजार प्रभारी निरीक्षक जुगुल किशोर सिपाहियों के साथ पहुंचे। उन्होंने तहसील को सूचना दी। भूराजस्व निरीक्षक अरविंद कुमार सिंह व लेखपाल धर्मेंद्र सिंह गांव में पहुंचे और मृतक के परिवार वालों से जानकारी की। ग्राम प्रधान शरद यादव ने सरकार से आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

निगोहीः थाना क्षेत्र के गांव हसौआ निवासी 65 वर्षीय विधवा नन्ही देवी एक दीवार की बनी कोठरी में मंगलवार की सुबह पांच बजे सो रही थी। अचानक कच्ची दीवार उसके ऊपर गिर गयी और मलबे में दब गई। दीवार गिरने की आवाज सुनकर परिवार वाले जाग गए। परिवार वालों ने गांव वालों की मदद से उसके ऊपर से मलबा हटाया। परिवार वाले उसे सीएचसी पर ले गए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने राजस्व विभाग को सूचना दी। परिवार वालों ने बताया कि बारिश के दौरान कच्ची दीवार में सीलन आ गयी थी। मृतका के तीन बेटे है। मौत से परिवार में रोना पीटना मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खुटार-पूरनपुर हाईवे पर बस की टक्कर से किसान की मौत

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार : खुटार-पूरनपुर स्टेट हाईवे पर बाइक सवार किसान को डबल डेकर बस ने टक्कर मार दी। जिससे वह बाइक सहित रोड पर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए बरेली लेकर जा रहे थे, रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। क्षेत्र के झदिया गांव निवासी सतनाम सिंह (45) मंगलवार सुबह 10 बजे बाइक से खुटार जाने के लिए घर से निकले थे। खुटार पहुंचने पर उन्होंने मोबाइल खराब होने पर उसे ठीक करा कर दोपहर लगभग 2 बजे वह बाइक से घर लौट रहे थे। वह खुटार से जैसे ही पूरनपुर स्टेट हाईवे लालपुर मोड़ के पास पहुंचे थे, इसी बीच पीछे से आ रही डबल डेकर बस ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद राहगीरों ने परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने इलाज के लिए बरेली लेकर चले गए। परिजन सतनाम सिंह को बीसलपुर के पास लेकर पहुंचे ही थे कि उन्होंने रास्ते में दम तोड़ दिया। सतनाम सिंह अपने पीछे पत्नी नरेंद्र कौर, बेटी लव जीत कौर, बेटा लवदीप सिंह व सोनू को रोता बिलखता छोड़ गया।

सतनाम सिंह

हादसे के बाद बस चालक मौके से भाग निकला। जिस पर ग्रामीणों ने कुछ दूरी पर जा कर उसे घेर कर रोक लिया व पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बस को अपने कब्जे में ले लिया जबकि चालक मौके से फरार हो गया। वहीं सुभाष चंद्र, कार्यवाहक थानाध्यक्ष खुटार ने बताया बस की टक्कर से घायल के अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। बस को कब्जे में लिया है।

प्रधानाध्यापक से पुरस्कार पाकर खुश हुए विद्यार्थी

पलिया कलां, अमृत विचार : क्लिटिल एंजिल पब्लिक स्कूल बोझवा के प्रधानाध्यापक के हाथों विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागी पुरस्कार पाकर प्रफुल्लित हुए। नाटक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान लाने वाले छात्र-छात्राओं में जहां ट्विंकल गुप्ता, धनंजय, अविनाश, हिमांशु ,आर्यन, अंशिका सिंह एवं अंशिका यादव प्रमुख रहे, वहीं डांस प्रतियोगिता में छात्रा अन्नू, महिमा, संजना व माही तथा गीत-संगीत प्रतियोगिता में अंबिका वर्मा व सोनी राठौर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अन्य छात्रों की तालियां बटोरीं। प्रधानाध्यापक सोनेलाल ने प्रार्थना स्थल पर प्रतियोगिताओं में उत्तम स्थान लाने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर शावासी दी। विद्यालय के अन्य शिक्षक व कई अभिभावक भी इस मौके पर मौजूद रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि परिवहन विभाग के अभिलेखों(D-2178) में पिता का नाम भूलवश सुन्दर सिंह हो गया है जबकि उनका वास्तविक नाम सुन्दर लाल है। अन्य सभी दस्तावेजों में भी पिता का नाम सुन्दर लाल ही दर्ज है। **देवेन्द्र कुमार सिंह पुत्र श्री सुन्दर लाल निवासी सम्राट अशोक नगर गली नं. 6, निकट कृष्णा हास्टल तहसील व जिला बरेली।**

सूचना

मेरे अभिलेखों में भूलवश मेरा नाम राजकुमारी देवी पत्नी राम प्रसाद दर्ज हो गया है। जबकि आधार कार्ड में मेरा नाम गुड्डी देवी दर्ज है। दोनों नामों से मुझे जाना व पहचाना जाता है।

गुड्डी देवी पत्नी राम प्रसाद निवासी-मुड़िया मंसाराम, बांसी, गोला गोकर्ण नाथ, जिला- लखीमपुर खीरी।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 20 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने को कॉन्क्लेव

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग राज्य में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 21 अगस्त को राजधानी लखनऊ में एक कॉन्क्लेव का आयोजन करने जा रहा है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान (आईजीपी) में आयोजित कॉन्क्लेव में पर्यटन क्षेत्र से जुड़े विषेशज्ञों, फार्म स्टे और होम स्टे मालिकों, ग्रामीण एवं जिला समन्वयकों और गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) के प्रतिनिधियों की भागीदारी रहेगी। कॉन्क्लेव के विभिन्न सत्रों में प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं, चुनौतियों और विभिन्न रणनीतियों पर विचार मंथन किया जायेगा। यह जानकारी उप्र. के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार राज्य में एग्री टूरिज्म को नई पहचान दिलाने की दिशा में काम कर रही है।

मुख्य सचिव अवकाश पर, एपीसी को कार्यभार

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल अवकाश पर चले गए हैं। अग्रिम आदेशों तक मुख्य सचिव के सभी विभागों का कार्यभार राज्य सरकार ने एपीसी दीपक कुमार दिए हैं। एसपी गोयल ने 31 जुलाई को बतौर मुख्य सचिव पदभार ग्रहण किया था। इसके पहले वह अपर मुख्य सचिव के पद पर थे। एसपी गोयल मुख्य सचिव के पद के साथ अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, अपर मुख्य सचिव समन्वय विभाग, अध्यक्ष पिकप, यूपीडा एवं उपशा का मुख्य कार्यपालक अधिकारी और यूपीडास्प के निदेशक पद की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

एक दिन में 150 दिव्यांगों को रोजगार

अमृत विचार, लखनऊ : बीते दिनों कौशल विकास विभाग की ओर से दिव्यांगजन युवाओं के लिए लगाए गए मेले में अच्छे परिणाम देखने को मिले। ऐसे में विभाग अब कई नई योजनाओं पर काम कर रहा है। इस रोजगार मेले में 20 कंपनियों ने एक दिन में 150 से अधिक दिव्यांगजनों को रोजगार दिया। चयनित दिव्यांगजन विभिन्न संस्थानों में सेवायोजित किए गए हैं। इनमें से सर्वाधिक वेतन पैकेज प्राप्त करने वाले शीर्ष पांच दिव्यांगजन को मिशन निदेशक पुलकित खरे ने सम्मानित भी किया। बीते दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा 6 से 13 अगस्त तक दिव्यांगजन रोजगार अभियान आयोजित किया गया। इस पहल के जरिए सरकार ने दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का लक्ष्य रखा था।

आत्मनिर्भर बनाने में सहायक बनें प्रशिक्षक

अमृत विचार, लखनऊ : व्यावसायिक शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के अंतर्गत प्रादेशिक स्टाफ प्रशिक्षण एवं शोध केंद्र (आईटीओटी), अलीगंज लखनऊ में चल रहे कैपेसिटी बिल्डिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने निरीक्षण किया। यहां उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे नवनियुक्त अनुदेशकों को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण की गुणवत्ता, कौशल तकनीक एवं उद्यमशीलता को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षकों को इस प्रकार प्रशिक्षित किया जाए कि वे आने वाले समय में प्रशिक्षार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक बनें। संस्थान के निदेशक (प्राविधिक) ने अपने वक्तव्य में संस्थान में संचालित विभिन्न व्यवसायों एवं प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी दी।

राष्ट्रीय औसत से भी आगे यूपी में पीएम आवास का निर्माण

299 दिनों के राष्ट्रीय औसत की तुलना में 195 दिन में तैयार हो रहा प्रधानमंत्री आवास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण को उत्तर प्रदेश में रिकॉर्ड उपलब्धियां हासिल हुई हैं। जहां राष्ट्रीय स्तर पर एक आवास निर्माण में औसतन 299 दिन लगते हैं, वहीं उत्तर प्रदेश ने मात्र 195 दिन में आवास बनाकर एक मिसाल पेश की है। निर्माण का राष्ट्रीय पूर्णता औसत 69.39 प्रतिशत है, जबकि यूपी में औसत 99.37 प्रतिशत के साथ नया रिकार्ड बना है।

2016-17 से 2024-25 के बीच 36.57 लाख आवासों के लक्ष्य के सापेक्ष उत्तर प्रदेश ने अब तक 36.34 लाख आवासों का निर्माण पूरा कर लिया है। शेष आवासों का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। इसके साथ ही, प्रदेश सरकार की ओर से संचालित मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। 3.73 लाख के लक्ष्य के मुकाबले 3.51 लाख आवास पूरे हो चुके हैं, जबकि 22 हजार आवासों पर तेजी से काम जारी है।

योजना के अंतर्गत यूपी 99.37 प्रतिशत उपलब्धि के साथ राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे स्थान पर है। सिक्किम 99.57 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर है, हालांकि उसका लक्ष्य केवल 1399 आवासों का था। वहीं, भारत सरकार के परफॉर्मेंस इंडेक्स, राजमिस्त्री प्रशिक्षण, सोशल ऑडिट, एरिया ऑफिसर एप पर इंस्पेक्शन, पात्र लाभार्थियों को भूमि पट्टा और आवास पूर्णता में उत्तर प्रदेश नंबर वन पर है।

हाल ही में मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में निर्देश दिए गए कि शेष आवासों का निर्माण मानक एवं गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा किया जाए। साथ ही लाभार्थियों को दिव्यांगजन पेंशन, विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल जैसी योजनाओं से भी जोड़ा जाए, ताकि उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो।

बुनियादी सुविधाओं से लैस हो रहे आवास

निर्मित आवासों को कनवर्जेन्स के माध्यम से 99.39 प्रतिशत शौचालय, 93.31 प्रतिशत विद्युत कनेक्शन, 94.42 प्रतिशत एलपीजी कनेक्शन और 80.02 प्रतिशत पेयजल कनेक्शन से संतृप्त किया गया है। इससे प्रधानमंत्री आवास अब सिर्फ छत नहीं, बल्कि सुविधाओं से युक्त पूर्ण गृह बन रहे हैं।

जनजाति और महिला सशक्तिकरण

प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत बिजनौर जनपद की बोक्सा जनजाति के लिए स्वीकृत 145 आवासों में से 123 पूर्ण कर लिए गए हैं। वहीं, प्रधानमंत्री मॉडल आवास (ग्रामीण) के तहत 587 मॉडल हाउस बन चुके हैं, 190 निर्माणाधीन हैं। आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 के वेरीफिकेशन का काम भी तेजी से चल रहा है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2025-26 में 25 हजार महिला राजमिस्त्रियों को आरसेटी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया है।

लंपी रोग फैलने से बचाने को बार्डर होंगे सील

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शासन ने कमर कसी, पशुपालन निदेशालय में बना कंट्रोल रूम

अमृत विचार: पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा है कि लंपी रोग के संक्रमण से गोवंश के बचाव के लिए विभागीय अधिकारी पूरे प्रदेश के गोशालाओं का नियमित निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

कहा कि महराजगंज, सोनभद्र, कुशीनगर, भदोही, बलिया, गाजीपुर, चन्दौली एवं वाराणसी जिलों में 10 किमी. चौड़ी बेल्ट बनाकर लंपी रोग से गोवंश के बचाव को वैक्सीनेशन अभियान चलाया जाए। जिन क्षेत्रों से लंपी रोग के संक्रमण की सूचना मिले, वहां बार्डर सील करके गोवंश का आवागमन प्रतिबंधित हो। लंपी रोग के संबंध में पशुपालन निदेशालय में स्थापित कन्ट्रोल रूम में टोलफ्री नम्बर-1800 1805 141 पर प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। पशुधन मंत्री ने मंगलवार को यहां विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में लंपी रोग से बचाव एवं नियंत्रण के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को सख्त रूप से निर्देशित किया कि एलएसडी और एफएमडी के टीकाकरण एवं उपचार के कार्यों में कोई कमी न हो।

सीबीआई की दो नोटिस के बाद भी नहीं पहुंचे अफसर

यूपीपीएससी अपर निजी सचिव भर्ती-2010 में हुई गड़बड़ी का मामला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप्र. लोक सेवा आयोग ने 25 जून को दी थी जांच की अनुमति
- 28 जुलाई और 14 अगस्त को सीबीआई ने बुलाया था
- हाईकोर्ट इलाहाबाद में आज लगी है सुनवाई की तारीख

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अपर निजी सचिव (उप्र सचिवालय) भर्ती 2010 घोटाले में आरोपी अफसरों को सीबीआई ने दो बार नोटिस भेजा। दोनों नोटिस मिलने के बाद भी यह अफसर अपना पक्ष रखने नहीं पहुंचे हैं। सीबीआई की तरफ से यह नोटिस 25 जून को यूपीपीएससी द्वारा हाईकोर्ट में दाखिल काउंटर एफिडेविड में जांच की अनुमति देने के बाद जारी किया। जिसमें पहले 28 जुलाई फिर 14 अगस्त को आरोपी अफसरों को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। वहीं, इस मामले की हाईकोर्ट इलाहाबाद में सुनवाई के लिए बुधवार 20 अगस्त की तारीख लगी है।

सीबीआई मुख्यालय ने अपर निजी सचिव (उप्र सचिवालय) भर्ती, 2010 में हुए गड़बड़ियों के लिए तीन अफसरों पर आरोपी बनाया है। तीनों अफसरों से पूछताछ और उनके खिलाफ जांच करने के लिए सीबीआई ने यूपीपीएससी से अनुमति मांगी थी। काफी प्रयास के बाद भी अनुमति नहीं मिली। इसके बाद सीबीआई ने मामले में आयोग की तरफ से सहयोग न मिलने की बात शासन से पत्र भेजकर कही। पत्र मिलने के बाद 25 जून को आयोग की तरफ हाईकोर्ट में काउंटर एफिडेविड दाखिल किया गया। जिसमें तीनों अफसरों के खिलाफ जांच की अनुमति प्रदान की गई।

इसके बाद सीबीआई मुख्यालय नई दिल्ली की एंटी करप्शन टीम के निरीक्षक अविनाश गुप्ता ने आरोपी बनाये गये तीनों अफसरों संयुक्त सचिव विनोद कुमार सिंह, कम्प्यूटर एनालिस्ट गिरीश गोयल व समीक्षा अधिकारी लाल बहादुर पटेल को नोटिस जारी किया। ये तीनों अधिकारी रिटायर्ड हो चुके हैं। पहली नोटिस में तीनों अफसरों को 28 जुलाई को सीबीआई मुख्यालय पूछताछ के लिए बुलाया गया था। लेकिन वह नहीं पहुंचे। इसके बाद सीबीआई की तरफ दूसरी नोटिस जारी की गई। जिसमें 14 अगस्त का समय दिया गया था। दोनों नोटिस जारी होने के बाद भी आरोपी अफसर अपना पक्ष रखने नहीं पहुंचे।

याचिका दाखिल कर पूछताछ पर रोक लगाने की मांग

तीनों आरोपी अफसर सीबीआई मुख्यालय पूछताछ की नोटिस पर नहीं पहुंचे। वहीं हाईकोर्ट इलाहाबाद में अपनी रिट याचिका दाखिल की। जिसमें पूछताछ पर रोक लगाने की मांग की। आरोपी अफसरों ने अपनी रिट याचिका में कहा कि असफल अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में मामले को चुनौती दी थी। जिसे खारिज कर दिया गया है। इसलिए उनके खिलाफ केस बंद किया जाना चाहिए। इस रिट याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार 20 अगस्त को कोर्ट नंबर-43 की सूची में 69 नंबर पर इसे रखा गया है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की भर्तियों की सीबीआई जांच की लड़ाई लड़ रहे प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति के अध्यक्ष अवनीश पांडेय व प्रशांत पांडेय ने बताया कि आयोग के अफसरों ने महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है।

गबन के आरोप में अफसर गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने अल्पसंख्यक वित्तीय विकास निगम लि. के फील्ड आफिसर को मार्जिन मनी ऋण योजना में गबन के आरोप में गिरफ्तार किया। गाजीपुर जिले में 1996 से 2000 के बीच हुए गबन के मामले की जांच वाराणसी यूनिट कर रही है। वाराणसी की टीम ने आरोपी खुर्शीद अहमद को वजीरगंज इलाके से गिरफ्तार किया।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक, निगम मुख्यालय में तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों से मिलीभगत कर फर्जी नाम व पते से जिला प्रबंधक उत्तर प्रदेश वित्तीय एवं विकास निगम गाजीपुर व अपर जिला विकास अधिकारी (समाज कल्याण) ने धन में हेराफेरी की। इस मामले में अब तक पांच आरोपी गिरफ्तार किये गये हैं। बाकी की तलाश की जा रही है।

विधानसभा में सवालों का जवाब देने की तय की गई गाइडलाइंस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अब विभागों 30 दिन में देना ही होगा जवाब, समय की छूट नहीं बाध्यता होगी
- जवाब समय से न देने की स्थिति में सीधे विधानसभा अध्यक्ष कर सकते हैं विभागाध्यक्ष को तलब

अमृत विचार : राज्य विधानसभा की नई विधायी नियमावली के अनुसार अब प्रत्येक सूचना पर सम्बन्धित विभाग से उत्तर प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया गया है। विभागों के लिए सवालों, सूचनाओं का जवाब देने के लिए पहले 90 दिन की समयावधि निर्धारित थी, जिसे अब 30 दिन कर दिया गया है। इन तीस दिनों में विभागों को जवाब तैयार करने की बाध्यता होगी।

किसी भी विभाग से अगर निर्धारित समयावधि में जवाब नहीं मिलता है तो विधानसभा अध्यक्ष उक्त विभाग के प्रमुख को तलब कर उचित कार्रवाई भी कर सकते हैं। ऐसे में अब विभाग अधिक उत्तरदायी

एवं सक्रिय हो गए हैं।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के अनुसार, मानसून सत्र के दौरान सत्ता और विपक्ष दोनों ने अपनी-अपनी बात खुलकर रखी। यही लोकतंत्र की वास्तविक खूबसूरती है। चार दिन के संक्षिप्त सत्र में जितना विधायी कार्य हुआ, उतना प्रायः लंबे सत्रों में भी नहीं हो पाता। कुल 32 घंटे 28 मिनट तक विधानसभा की कार्यवाही चली, जिसमें केवल 43 मिनट सदन स्थगित रहा। इस प्रकार स्थगन रहित समयावधि 31 घंटे 45 मिनट रही, जो लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है।

महाना ने बताया कि 29 मार्च 2022 को विधानसभा अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी ग्रहण करने के बाद से प्रत्येक सत्र में कुछ नया करने का प्रयास किया गया है। परम्पराओं, संचालन और प्रक्रिया- तीनों ही स्तरों पर निरंतर नवीनता लाने का कार्य हुआ है, ताकि विधानमंडल की गरिमा और लोकतंत्र की प्रतिष्ठा निरंतर समृद्ध होती रहे।

किसानों को समय पर मिले उर्वरक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उर्वरक की उपलब्धता के लिए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने की बैठक

अमृत विचार: राज्य सरकार किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने देगी और यह सुनिश्चित करेगी कि हर किसान को उसकी आवश्यकतानुसार उर्वरक मिले। उन्होंने कहा कि विभाग सभी संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि आपूर्ति में कोई बाधा न आए और किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके। यह आश्वासन कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मंगलवार को दिया।

इससे पूर्व कृषि मंत्री ने विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसका उद्देश्य प्रदेश में किसानों के लिए उर्वरकों की समय पर और पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना था। इस बैठक में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर और कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख भी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान, मंत्रियों ने खरीफ और रबी फसलों के लिए उर्वरकों की मांग, आपूर्ति और वितरण की वर्तमान स्थिति की गहन समीक्षा की। इस चर्चा का मुख्य केंद्र किसानों को सब्सिडी वाले उर्वरकों की आसान पहुंच सुनिश्चित करना था।

प्रदेश में खाद का भारी संकटः अखिलेश यादव

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि किसानों को फसलों के लिए खाद नहीं मिल रही है। प्रदेश में खाद का भारी संकट है। खाद की कालाबाजारी और मुनाफाखोरी हो रही है। सपा प्रमुख ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि खाद को लेकर किसान जगह-जगह धरना-प्रदर्शन करने पर मजबूर हैं। कहा कि कई जिलों में सहकारी समितियों पर महीनों खाद की कमी की खबरें सामने आ रही हैं। लखनऊ, अयोध्या, सुल्तानपुर, श्रावस्ती, सोनभद्र सहित तमाम जिलों में किसान खाद के लिए भटक रहे हैं और प्रदर्शन कर रहे हैं।

दो माह में तैयार हो जाएगा यूपी का पहला एसआईएचएम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोरखपुर में बन रहे इंस्टीट्यूट में चलेंगे टूरिज्म, होटल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के कोर्स

अमृत विचार : योगी सरकार द्वारा गोरखपुर में 48.39 करोड़ रुपये की लागत से बनवाया जा रहा देश का पहला स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (एसआईएचएम) दो माह में तैयार हो जाएगा। पहले फेज का 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो गया है। पर्यटन विभाग द्वारा अगले माह के अंत तक शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कराने का लक्ष्य तय किया है।

गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के कार्यालय के सामने बन रहे एसआईएचएम का निर्माण सितंबर माह तक पूरा हो जाएगा और अगले शैक्षिक सत्र से यहां होटल एंड टूरिज्म मैनजमेंट से जुड़े डिप्लोमा और डिग्री के पाठ्यक्रम संचालित होने लगेंगे। इस परियोजना पर निर्माण कार्य 26 सितंबर 2023 को प्रारंभ हुआ था। वर्तमान समय में 38.42 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च कर 95 प्रतिशत कार्य पूरे कर लिए गए हैं और इसी साल 25 सितंबर तक कार्य पूर्ण किया जाना है। निर्माण के पहले चरण में दो ब्लॉकों में प्रशासनिक कक्ष, क्लास रूम, कॉमन हाल, किचन के अलावा अंडरग्राउंड पार्किंग, इलेक्ट्रिफिकेशन, फायर सेफ्टी, पाइपलाइन आदि के कार्य पूर्ण कराए जा रहे हैं।

तैयारी...

गणेश चतुर्थी पर्व को लेकर राजधानी लखनऊ के मवैया क्षेत्र में मूर्ति तैयार करता कारीगर। ● अमृत विचार

55 जिलों ने नहीं भेजी पंचायत वार्डों के परिसीमन की रिपोर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- तीन दिन में रिपोर्ट हर हाल में भेजने के निर्देश

अमृत विचार : ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत वार्डों के परिसीमन का काम पूरा होने बाद भी 55 जिलों ने अभी तक अपनी रिपोर्ट निदेशालय को नहीं भेजी है। इससे राज्य स्तर पर निर्वाचन क्षेत्रों (वार्डों) की संख्या कितनी घटी अथवा बढ़ी, इसका ब्यौरा तैयार किए जाने का कार्य नहीं हो पा रहा है। निदेशालय ने जिलों को निर्देश दिए हैं कि तीन दिन के अंदर वे परिसीमन की रिपोर्ट हर हाल में भेज दें।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए वार्डों परिसीमन की प्रक्रिया 18 जुलाई से शुरू की गई थी। जिले स्तर पर ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत के वार्डों की प्रस्तावित सूची की तैयारी और उसका प्रकाशन 23 से 28 जुलाई के बीच किया गया। 29 जुलाई से दो अगस्त के बीच प्रस्तावित वार्डों पर आपत्तियां ली गई थीं। तीन से पांच अगस्त के बीच आपत्तियों के निस्तारण के बाद वार्डों की अंतिम सूची का प्रकाशन जिला स्तर पर की गई। इस प्रक्रिया के बाद 12 अगस्त तक परिसीमन की पूरी रिपोर्ट हार्डकापी में निदेशालय को भेजनी थी। अभी 20 जिले ही निदेशालय को रिपोर्ट भेजे थे। पंचायती राज निदेशक अमित कुमार सिंह के मुताबिक प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों (वार्डों) के परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब सीटों के आरक्षण का काम होना है।

पारदर्शिता | आधुनिक तकनीक से गड़बड़ियों पर लगेगी लगाम, लाभार्थियों तक सीधे पहुंचेगा फायदा

एआई निगरानी तंत्र अपनाएगा समाज कल्याण विभाग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी सरकार ने समाज कल्याण योजनाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और गड़बड़ी-मुक्त बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित निगरानी तंत्र अपनाने की तैयारी तेज कर दी है। इससे समाज कल्याण विभाग वृद्धावस्था पेंशन, पारिवारिक लाभ, छात्रवृत्ति और सामूहिक विवाह जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की निगरानी करेगा। इस पहल का उद्देश्य न केवल योजनाओं को सही लाभार्थियों तक पहुंचाना है, बल्कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पेपरलेस, तेज और जवाबदेह बनाना भी है।

फर्जी आवेदनों पर लगेगी लगाम

समाज कल्याण विभाग के मंत्री असीम अरुण के अनुसार छात्रवृत्ति योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, वृद्धा पेंशन जैसी योजनाओं में पारदर्शिता और सुगमता लाने के लिए पहले ही ऑनलाइन मॉनिटरिंग को मजबूत किया गया है। विभाग ने वन टाइम रजिस्ट्रेशन नंबर की व्यवस्था लागू की है। जल्द ही एआई के उपयोग से इस प्रक्रिया में और अधिक सटीकता आएगी, जिससे फर्जी आवेदनों पर लगाम लगेगी और पात्रों को त्वरित लाभ मिलेगा। डाटा विश्लेषण के जरिए यह सुनिश्चित किया जाएगा कि केवल वास्तविक लाभार्थी ही योजना का लाभ उठा सकें।

पेपरलेस और डिजिटल भविष्य की ओर कदम

योगी सरकार की इस पहल से समाज कल्याण विभाग की योजनाएं डिजिटल युग में एक नया मुकाम हासिल करेंगी। पेपरलेस कार्यप्रणाली को अपनाने से न केवल कागजी कार्रवाई कम होगी, बल्कि योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी आएगी। एआई तकनीक के उपयोग से डाटा प्रबंधन, लाभार्थी सत्यापन और योजना निगरानी में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। इससे न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएं सुगम होंगी, बल्कि जनता का विश्वास भी सरकार पर बढ़ेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए।

योजनाओं में किसी भी प्रकार की अनियमितताओं से निपटने के लिए समाज कल्याण विभाग ने एआई-आधारित निगरानी तंत्र को अपनाने पर काम शुरू कर दिया है। पिछले दिनों समाज कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण की मौजूदगी में 'एआई का समाज कल्याण की योजनाओं में उपयोग'' विषय पर हुई विशेष कार्यशाला में रणनीति को हरी झंडी दे दी गई थी। इस तकनीक के माध्यम से डाटा सत्यापन, लाभार्थियों की पहचान और योजनाओं के कार्यान्वयन में सटीकता सुनिश्चित की जाएगी।

वैश्विक डिजिटल डॉटा कलेक्शन से साइबर अपराध पर लगेगी लगाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपीएसआईएफएस में सेमिनार का दूसरा दिन

अमृत विचार : वैश्विक डिजिटल डॉटा कलेक्शन और हाईटेक टेक्नोलॉजी की मदद से डार्क वेब से होने वाले अपराधों पर लगाम लगाई जा सकती है। डार्क वेब और क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल कर साइबर अपराधी लोगों को अपने जाल में फंसाकर उन्हें शिकार बना रहे हैं।

यह बातें मंगलवार को उत्तर प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज के तीन दिवसीय सेमिनार के दूसरे दिन साइबर विशेषज्ञों ने साझा किए। सेमिनार में विशेषज्ञों ने साइबर अपराध, क्रिप्टोकरेंसी और नए तकनीकी खतरों पर चर्चा की। सेमिनार में बताया गया कि किस तरह क्रिप्टोकरेंसी, जो पहले एक तकनीकी नवाचार था, अब डार्क वेब पर अवैध गतिविधियों का अहम हिस्सा बन चुका है। पैनेलिस्ट आमिर ने डार्क वेब पर होने वाले अपराधों को लेकर चिंताएं जताई। उन्होंने बताया कि डार्क वेब पर लोग न केवल हैक किए गए डेटा बेचते हैं, बल्कि मानव तस्करी और ड्रग ट्रैफिकिंग जैसे अपराध को भी अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत का नया डिजिटल डाटा संरक्षण कानून इन अपराधों पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभाएगा। पैनेलिस्ट विष्णु नारायण शर्मा ने बताया कि डार्क वेब पर अपराधों का पता लगाना बेहद मुश्किल है, क्योंकि यह पूरी तरह से गुमनाम और विकेंद्रीकृत है। हालांकि कुछ हाईटेक टेक्नोलॉजी मदद से अपराधियों का पता लगाने में सफलता मिल सकती है। सेमिनार का संचालन कर्नल नीतीश भटनागर ने किया।

न्यूज ब्रीफ

बरेली कॉलेज में करीब 800 सीटें लॉक होना शेष

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले अभी करीब आठ सौ विद्यार्थियों की सीटें समर्थ पोर्टल पर लॉक होना शेष रह गई हैं। इनमें अधिक 450 छात्राएं हैं। सीटें लॉक करने की प्रक्रिया करीब एक महीने से चल रही है। अब तक 42 सौ सीटें लॉक हो चुकी हैं। अभी बीए, बीकॉम और बीएससी गणित की सीटें अधिक संख्या में लॉक होना शेष हैं, इनमें छात्राएं अधिक हैं। मंगलवार को भी 245 सीटें लॉक हुईं। अधिक संख्या में छात्राओं के आने की वजह से उन्हें वापस किया गया और आगे की तिथि दी गई।

ट्रैक्टर से टकराकर बाइक सवार ससुर की मौत,दामाद गंभीर

संभल/जुनावई, अमृत विचार : ट्रैक्टर की भिड़ंत में बाइक पर सवार ससुर की मौत हो गई जबकि दामाद गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना क्षेत्र के लोहारपुरा गांव के रहने वाले दरियाव सिंह (60) अपने दामाद थाना गुन्नौर के गांव सैमला के रहने वाले सुरेश के साथ मंगलवार 11बजे करीब बाइक से लोहामई गांव से सैमला गांव को वापस हो रहे थे। लोहामई गांव से निकलने के उपरांत सामने से तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर चालक ने सामने से बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिसके चलते दोनों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। जबकि दरियाव सिंह के सर के ऊपर से ट्रैक्टर का पहिया उतरने से घटना स्थल पर ही मौत हो गई है। थाना प्रभारी उमेश कुमार सोलंकी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। परिवार की मांग पर शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया ।

प्रोविजनल सर्टिफिकेट के लिए लंबी लाइन

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय में सिंगल विंडो पर प्रोविजनल सर्टिफिकेट बनवाने के लिए दो दिन से अभ्यर्थियों की लंबी लाइनें लग रही हैं। दरोगा भर्ती में आवेदन करने वाले अभ्यर्थी प्रमाणपत्र के लिए भागदौड़ कर रहे हैं। जल्दी प्रमाणपत्र बनवाने के लिए अभ्यर्थियों की कर्मचारियों से नोकझोंक भी हो रही है और कई तरह के आरोप भी लग रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव के अनुसार अभ्यर्थी ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से प्रोविजनल सर्टिफिकेट बनवा सकते हैं। इसका लिंक भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिया गया है। उन्हें दूर-दराज से विश्वविद्यालय में आकर परेशान होने की जरूरत नहीं है।

दबंगों ने सरेराह मजदूर को पीट पीटकर मार डाला

मकान का लिंटर डालने की मजदूरी को लेकर विवाद के बाद आरोपियों ने दिया घटना को अंजाम, पुलिस के लौटते ही की हत्या

कार्यालय संवाददाता,संभल/जुनावई

- एक हजार रुपये लेकर पुलिस ने मजदूरों को जूनावई तक छोड़ा

अमृत विचार: लिंटर डालने की मजदूरी के विवाद में दबंगों ने मुख्य मार्ग पर मजदूर की पीट पीटकर हत्या कर दी। दबंगों से जान बचाने के लिए मजदूरों ने पुलिस से भी गुहार लगाई लेकिन एक हजार रुपये लेने के बाद भी पुलिस कर्मी मजदूरों को बीच रास्ते में छोड़कर चले गये।

मृतक योगेश।

नगला अजमेरी गांव के दर्जन भर से अधिक लोग कस्बा बबराला में लिंटर डालने गए थे। लिंटर डालने के बाद मजदूरी मांगने पर मकान मालिक से विवाद हो गया। वहां दबंग हमलावर हुए तो मजदूर अपनी मशीन व ट्रैक्टर लेकर निकल आये। दबंगों ने पीछा किया तो मजदूरों ने 112 पर काल किया। 112 पुलिस के द्वारा मजदूरों को बबराला थाने तक सुरक्षित पहुंचा दिया गया। मजदूरों ने जुनावई तक छोड़ने की गुहार लगाई तो सिपाही ने एक हजार रुपए ले लिये। 112 के दो सिपाही तथा थाना बबराला का एक सिपाही मजदूरों को साथ लेकर चल दिए।

दर्जन भर दबंग हथियार एवं लाठी डंडे लेकर बाइकों पर सवार होकर मजदूरों के ट्रैक्टर के पीछे चलते रहे। पुलिस गुन्नौर से वापस लौट गई और थाने का सिपाही जगन्नाथपुर से वापस लौट गया। पुलिस के लौटने पर हमलावर फिर से आगे बढ़े और जगन्नाथपुर गांव से निकलते ही ट्रैक्टर सवार मजदूरों पर ईंट पत्थर लाठी डंडों से हमला कर दिया। मजदूरों ने बचाव के लिए रोड पर चीखते चिल्लाते ट्रैक्टर को भगाना शुरू कर दिया।

सैंजना मुस्लिम गांव के नजदीक हमलावरों ने ट्रैक्टर चला रहे धर्मवीर को तमंचा दिखा कर ट्रैक्टर रुकवाने का प्रयास किया लेकिन चालक ने ट्रैक्टर नहीं रोका। गुन्नौर थाना क्षेत्र के एसआर पेट्रोल पंप के नजदीक हमलावरों ने ट्रैक्टर रुकवाने के लिए बाइकों को ट्रैक्टर के आगे डाल दिया। जान बचाने के लिए मजदूरों ने एक बाइक को तोड़ते हुए ट्रैक्टर थाना जुनावई की ओर भगाना शुरू कर दिया। जुनावई चौराहे के समीप हमलावरों ने मजदूर योगेश ऊर्फ दुर्गेश को ट्रैक्टर से नीचे खींच लिया। इसके बाद दबंगों ने सरेराह योगेश की पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी। मजदूरों ने भागकर थाना जुनावई पुलिस को सूचना दी। थाना जुनावई पुलिस के पहुंचने से पहले ही हत्यारे मजदूर की हत्या कर मौके से फरार हो गए। दो थानों की सीमा पार कर ने तीसरे थाना क्षेत्र में मजदूर की जान ले ली।

पोते की मौत के सदमे में दादी ने त्यागे प्राण

मजदूर योगेश की मौत की जानकारी मिलने पर परिवार में कोहराम मच गया। दादी अनारो को पौते की मौत का ऐसा सदमा लगा कि उसकी भी मौत हो गई। घर से एक साथ दो अर्थियां उठीं तो गांव के लोग भी गमजदा हो गये।

जुनावई में योगेश की मौत के बाद बिलखती परिवार की महिलाएं। ● अमृत विचार

10 किलोमीटर तक दबंगई दिखाते रहे आरोपी

जुनावई में जिस तरह दबंगों ने सरेराह पीटकर मजदूर की जान ली उससे एक नहीं बल्कि तीन थानों की पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मुख्य मार्ग पर मजदूरों से बदला लेने के लिए दबंग 10 किलोमीटर तक हथियार लहराकर दहशत फैलाते रहे लेकिन पुलिस ने कुछ नहीं किया। हाथ में हथियार और लाठी डंडे लेकर चल रहे बाइक सवारों को देखकर एहसास हो रहा था कि इन लोगों को पुलिस का कोई डर नहीं है। गुन्नौर से आगे तक पुलिस मजदूरों के साथ थी। पुलिस कर्मियों ने दबंगई का नजारा देखा फिर भी थाने को सूचना देकर पुलिस बल बुलाना गवारा नहीं किया। बाइक सवार दबंगों ने ट्रैक्टर रुकवाने के लिए बाइकें सड़क पर डालीं,हथियार लहराये इसके बाद भी पुलिस को दबंगई की जानकारी नहीं हुई।

एक हजार लेकर भी रास्ते में छोड़ गए सिपाही

बबराला में विवाद के बाद योगेश व दूसरे मजदूरों को इस बात का एहसास हो गया था कि दबंग उनकी जान ले सकते हैं। इसीलिए उन्होंने 112 को कॉल कर मदद ली। पुलिस कर्मियों ने बबराला थाने तक मजदूरों को सुरक्षित पहुंचा दिया लेकिन जब मजदूर जुनावई तक छोड़ने की गुहार लगाने लगे तो इसकी एवज मजदूरों से दो बार में कर पांच-पांच सौ रुपये लिए। मजदूरों के पास पैसे नहीं थे तो उन्होंने अपने किसी परिचित से सिपाहियों के बताये नंबर पर पैसा ट्रांसफर कराया गया। पैसे लेने के बाद भी पुलिस कर्मी मजदूरों को जुनावई तक छोड़ने के बजाये बीच रास्ते में छोड़कर वापस आ गये।

आशा कार्यकर्ता की मौत, जेवरात गायब होने पर हंगामा

बरेली, अमृत विचार: फतेहगंज पूर्वी में 17 अगस्त को सड़क हादसे में कुंवरपुर दानपुर की आशा कार्यकर्ता सुनीता गंभीर रूप से घायल हो गईं थी। एक निजी एंबुलेंस ने सुनीता को राजेंद्रनगर निजी अस्पताल में भर्ती कराया था।

मंगलवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों ने शव देखते हुए हंगामा करना शुरू कर दिया। परिजनों का आरोप है कि जब उनकी मरीज अस्पताल में भर्ती हुई थी तब नाक, कान समेत शरीर पर कई जेवरात थे लेकिन जब शव दिया तो सभी गायब हैं। परिजन राजीव ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रबंधन ने जेवरात गायब किए गए हैं।

कई बार मांगने के बाद भी आईसीयू में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग नहीं दिखा रहे हैं। आईसीयू में जब मरीज भर्ती की गईं तो जेवर मौजूद होने संबंधी फोटो उनके पास हैं।

प्लॉट के विवाद में पड़ोसियों ने पीटा, बुजुर्ग की गई जान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ दर्ज की गैर इरादतन हत्या की रिपोर्ट

अमृत विचार : डोहरा गौंटिया में प्लॉट को लेकर हुए विवाद के दूसरे दिन बुजुर्ग की मौत हो गई। परिजनों ने पड़ोसियों पर दबाव बनाकर समझौता कराने का आरोप लगाया। आरोप है इसी कारण सदमे में आने से बुजुर्ग की मौत हुई है। थाना बारादरी पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि डोहरा गौंटिया में 17 अगस्त की रात 60 वर्षीय राजेश कुमार ने पड़ोसी श्याममूर्ति, महेश, शिवम और कमल बाबू पर प्लॉट के पीछे मारपीट करने का आरोप लगाया था। इसमें राजेश के 16 वर्षीय भतीजे मोहित को नाक पर चोट आई थी। परिजनों ने उस वक्त तहरीर नहीं दी। अगले दिन 18 अगस्त को दोपहर बाद राजेश की ओर से तहरीर दी गई, जिसमें घर में घुसकर मारपीट के आरोप दूसरे पक्ष पर लगाए गए। इस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली। सोमवार देर रात सूचना मिली कि राजेश की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। राजेश के बड़े भाई अश्वनी कुमार की तहरीर पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। परिजनों ने नई तहरीर में बताया कि समझौते के बाद से राजेश मानसिक रूप से टूट गए थे। उन्हें यह बेइज्जती और तनाव बर्दाश्त नहीं हुआ, जिसके चलते उनकी मौत हो गई।

एमए राजनीति शास्त्र, एमएससी केमेस्ट्री की मेरिट जारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बरेली कॉलेज ने एमए राजनीति शास्त्र और एमएससी रसायन विज्ञान की पहली ओपन मेरिट जारी कर दी है। इन दोनों पाठ्यक्रमों की भी मेरिट हाई गई है। जल्द ही एमए समाजशास्त्र समेत अन्य पाठ्यक्रमों की पहली और एलएलबी की दूसरी मेरिट जारी की जाएगी।

मुख्य प्रवेश नियंत्रक प्रो. वंदना शर्मा के मुताबिक एमए राजनीति शास्त्र का ओपन मेरिट इंडेक्स 153.77 से 135.08 रहा है। इसके अलावा एमएससी रसायन विज्ञान की ओपन मेरिट 186.7 से 140.8 रही है। मेरिट में शामिल विद्यार्थियों के मंगलवार से प्रवेश शुरू हो गए। विद्यार्थियों को 21 अगस्त तक प्रवेश लेने होंगे और कॉलेज के पोर्टल पर ऑनलाइन शुल्क जमा करना होगा।

जानकारी के मुताबिक एलएलबी की पहली ओपन मेरिट 105 विद्यार्थियों की जारी की गई थी, जिसके प्रवेश सोमवार और मंगलवार को हुए। दोनों दिन में 87 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिए। अब आरक्षित वर्ग के हिसाब से दूसरी मेरिट जारी की जाएगी। मुख्य प्रवेश नियंत्रक ने बताया कि एमए, एमएससी और एमकॉम के सभी विद्यार्थी प्रवेश के लिए विषय से संबंधित विभाग से संपर्क करें और आवश्यक सभी दस्तावेज वहीं जमा करें। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कॉलेज की वेबसाइट के माध्यम से शुल्क जमा करें। किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान के लिए सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक सेमिनार कक्ष में संपर्क करें।

मेरिट में शामिल पर नहीं ले सकेंगे प्रवेश : बरेली कॉलेज में एमएससी वनस्पति विज्ञान में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले दो विद्यार्थी मेरिट में नाम आने के बावजूद प्रवेश नहीं ले सकेंगे, प्रो. आलोक खरे ने बताया कि एक साथ दो संस्थागत पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं हो सकता है।

अब 28 तक स्नातक की सीटें होंगी लॉक

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने कॉलेजों के अनुरोध पर सत्र 2025-26 में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेशित विद्यार्थियों की समर्थ पोर्टल पर सीट लॉक करने की तिथि बढ़ा दी है। अब कॉलेज प्रथम, द्वितीय व अंतिम चरण में प्रवेशित विद्यार्थियों की सीटें 28 अगस्त तक लॉक कर सकेंगे। कुलपति प्रो. केपी सिंह के आदेश पर कुलसचिव संजीव कुमार ने मंगलवार को आदेश जारी किया। इससे पहले विश्वविद्यालय ने प्रथम व द्वितीय चरण में प्रवेशित विद्यार्थियों की सीटें 20 अगस्त तक लॉक करने और अंतिम चरण में विद्यार्थियों के प्रवेश 22 से 25 अगस्त तक करने के निर्देश दिए थे। इस दौरान स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी और उर्स के अवकाश की वजह से बरेली कॉलेज समेत कई कॉलेजों में सीटें लॉक नहीं हो सकीं। इसकी वजह से अब 20 अगस्त तक पंजीकृत छात्रों का समर्थ पोर्टल पर डाटा अपलोड करने की अंतिम तिथि 28 अगस्त कर दी गई है।

छह छात्रों ने प्रवेश के लिए बनवाए फर्जी प्रमाणपत्र

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बरेली कॉलेज में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए छात्रों ने फर्जी ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र बनवाकर आवेदन कर दिया, जबकि इन छात्रों ने पहले एससी व ओबीसी वर्ग में आवेदन किया था लेकिन मेरिट में न आने से प्रवेश नहीं हो सका था। प्रवेश समिति की सतर्कता से छह प्रमाणपत्र फर्जी पाए गए। इन सभी को प्रवेश नहीं दिए गए हैं। प्रवेश समिति इन छात्रों पर कार्रवाई के लिए प्राचार्य को पत्र लिखेगी।

मुख्य प्रवेश नियंत्रक प्रो. वंदना शर्मा ने बताया कि बीए, बीकॉम और बीएससी की ईडब्ल्यूएस की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन मांगे गए थे। इसमें 27 छात्रों ने आवेदन किया। जब आवेदन पत्रों को देखा तो कुछ नाम संदिग्ध लगे, क्योंकि इनमें से कुछ ने पहले भी प्रवेश के लिए सिफारिश कराई थी। ऐसे में सभी प्रवेश समिति ने सभी के आवेदनपत्रों की गहनता से जांच कराई तो छह ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र फर्जी पाए गए। इन छात्रों ने पहले एससी व ओबीसी वर्ग के लिए आवेदन किया था और प्रमाणपत्र भी लगाए थे लेकिन मेरिट में न आने से इनके प्रवेश नहीं हो सके थे। इसके बाद छात्रों ने फर्जी प्रमाणपत्र बनवाकर प्रवेश के लिए आवेदन किया। सभी छह विद्यार्थियों के प्रवेश निरस्त कर दिए गए हैं और कार्रवाई के लिए प्राचार्य को लिखा जाएगा।

एक छात्र ने मार्कशीट के अंकों में किया खेल : मुख्य प्रवेश नियंत्रक ने बताया कि बीए में प्रवेश के लिए एक छात्र ने मार्कशीट को एडिट किया। उसके 48 प्रतिशत अंक थे लेकिन उसने मार्कशीट में 84 प्रतिशत करके आवेदन किया लेकिन जांच में पकड़ा गया।

आला हजरत का परचम बुलंद, उर्स-ए-रजवी का आगाज

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : इस्लामिया मैदान के मुख्य गेट पर सोमवार रात आला हजरत का परचम बुलंद होते ही तीन रोजा 107 वें उर्स-ए-रजवी का आगाज हो गया। उर्स की सभी रस्में दरगाह प्रमुख मौलाना सुब्हान रजा खान (सुब्हानी मियां) की सरपरस्ती, सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन रजा कादरी (अहसन मियां) की सदारत और सय्यद आसिफ मियां की देखरेख में दरगाह परिसर व इस्लामिया मैदान में अदा की जा रही हैं। उर्स में शामिल होने के लिए दुबई, साउथ अफ्रीका, मलावी, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल के अलावा देश के कोने-कोने से जायरीन आए हैं।

इस्लामिया मैदान का मुख्य गेट आला हजरत के दीवानों से भरा नजर आया। आला हजरत जिंदाबाद के नारों के बीच दरगाह प्रमुख मौलाना सुब्हान रजा खान (सुब्हानी मियां) ने सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां, सय्यद आसिफ मियां व देश-दुनिया से आए उलमा की मौजूदगी में रात 8:50 बजे परचम कुशाई की रस्म अदा की। दरगाह से जुड़े नासिर कुरैशी ने बताया कि परचम कुशाई की रस्म से पहले आजमनगर से परचम का जुलूस रवाना हुआ। जुलूस तय रास्तों से होता हुआ दरगाह आला हजरत पर पहुंचा। दरगाह पर सलामी देने के बाद जुलूस वापस इस्लामिया मैदान पर पहुंचा। सोमवार रात 10 बजकर 35 मिनट पर आला हजरत के बड़े बेटे हुज्जातुल इस्लाम मुफ्ती हामिद रजा खान (हामिद मियां) के कुल शरीफ की फातिहा मुफ्ती जईम रजा व मुफ्ती जमील ने पढ़ी। मुफ्ती सलीम नूरी बरेलवी ने अपने खिताब में कहा कि शिक्षा के लिए आज प्रचार प्रसार किया जा रहा है, लेकिन हुज्जातुल इस्लाम ने वर्ष 1938 में मुरादाबाद में हुई एक बड़ी कॉन्फ्रेंस में मुसलमानों से अपने बच्चों को तालीम दिलाने पर जोर देते हुए अपने आप को आर्थिक रूप से मजबूत करने का आह्वान किया था। हम लोग देश की हिफाजत, आपसी सौहार्द व हिंदू-मुसलमानों में बढ़ी दूरियों को खत्म करने के लिए प्रयास करें। इसके बाद नातिया मुशायरा अहसन मियां की सदारत में शुरू हुआ, जो देर रात तक जारी रहा।

इस्लामिया मैदान से दरगाह आला हजरत तक जायरीन की आमद। ● अमृत विचार

आज यह होंगे कार्यक्रम : मंगलवार को उर्स के दूसरे दिन सबसे पहले कुरानख्वानी का आयोजन किया जाएगा। उसके बाद सुबह 9.58 मिनट पर रेहाने मिल्लत व 10.30 बजे मुफ़स्सिर-ए आजम के कुल शरीफ की रस्म अदा की जाएगी। इसके बाद आपसी सौहार्द कॉन्फ्रेंस होगी। उलमा नामूसे रिसालत, मिशन मसलक आला हजरत, समाज सुधार, आपसी सौहार्द, देश में बढ़ती हिंदू-मुस्लिम दूरी, सामाजिक बुराई के खात्मे पर चर्चा करेंगे। दिन में कार्यक्रम व चादरपोशी का सिलसिला जारी रहेगा। रात में दुनियाभर के मशहूर उलमा की तकरीर होगी। देर रात 1 बजकर 40 मिनट पर मुफ्ती आजम-ए-हिन्द के कुल शरीफ की रस्म अदा होगी। उर्स की व्यवस्था में मौलाना सय्यद शबाहत अली, मौलाना परवेज नूरी, अजमल नूरी, ताहिर अल्वी, शाहिद नूरी, औरंगजेब नूरी, हाजी जावेद खान, नासिर कुरैशी, मंजूर रजा, आसिफ रजा, शान रजा, सय्यद फैजान रजा, यूनुस गद्दी समेत अन्य लोग लगे हुए है।

त्योहारों से पहले ट्रेनें रिग्रेट, दो महीने पहले बुक हुईं सीटें

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : त्योहारी सीजन में लंबी दूरी की ट्रेनें अभी से रिग्रेड होने लगी हैं। दीपावली और अन्य प्रमुख त्योहारों को देखते हुए दो महीने पहले ही सीटें आरक्षित करा ली हैं और प्रमुख ट्रेनों में रिग्रेट की स्थिति बन गई है। यानि, वेटिंग लिस्ट भी पूरी हो चुकी है और अब यात्रियों को टिकट मिलना मुश्किल हो गया है।

दरअसल, त्योहारों पर घर जाने की योजना बना रहे यात्रियों ने हार बार की तरह दो महीने पहले ही टिकट आरक्षित कर लिए हैं। दिल्ली, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, सूरत और हावड़ा जैसे बड़े शहरों से पूर्वी भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों में त्योहारों के आसपास की तारीखों की अधिकांश सीटें भर चुकी हैं। यात्रियों को राहत देने के लिए रेलवे प्रशासन ने विशेष फेस्टिवल ट्रेनों के संचालन का प्रस्ताव तैयार कर जोनल मुख्यालय को भेज दिया है। इन ट्रेनों का संचालन त्योहारों के दौरान विशेष रूटों पर किया जाएगा, जिससे भीड़ का दबाव कम हो सके और अधिक यात्रियों को सीट मिल सके। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि मांग के अनुसार अतिरिक्त कोच लगाने और विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ाने पर भी विचार किया जा रहा है।

गढ़ में रुकेगी बरेली-दिल्ली और रोजा में बरेली-प्रयागराज पैसेंजर : रेल यात्रियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे ने कोरोना काल के दौरान बंद किए गए कुछ स्टेशनों पर पैसेंजर ट्रेनों के ठहराव को दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब बरेली-दिल्ली पैसेंजर ट्रेन गढ़ मुक्तेश्वर स्टेशन पर रुकेगी।

बीएससी गणित की 100 सीटें लॉक होनी शेष

बरेली, अमृत विचार : बीएससी गणित में प्रवेश लेने वाले करीब 100 विद्यार्थियों की सीटें लॉक होना शेष रह गई हैं। इन विद्यार्थियों की सूची कॉलेज की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है और इन्हें 21 अगस्त को सीट लॉक करने के लिए बुलाया गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे

शुद्धि पत्र

संदर्भ : ई-खुली निविदा सूचना सं. सीपीएम-जीएस-आईजेडएन-2025-10

ई-खुली निविदा सूचना सं. सीपीएम–जीएस–आईजेडएन-2025-10 जो दिनांक 26.08.2025 को खोली जानी थी, **प्रशासनिक कारणों से निरस्त की जाती है।** इस निविदा सूचना का निरस्तीकरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

उप मुख्य इंजीनियर/गतिशक्ति/ मुजाधि/डब्ल्यू-208 इज्जतनगर

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

मॉब लिंचिंग पर बनाया जाए कानून

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- मथुरापुर मदरसे में हुई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, देश-विदेश के उलमा हुए शामिल
- बेटियों को पढ़ाने समेत अन्य मामलों पर रखे विचार

अमृत विचार : इस्लामिया मैदान के अलावा मथुरापुर जामियातुर रजा मदरसे में भी काजी-ए-हिन्दुस्तान मुफ्ती मुहम्मद असजद रजा खां कादरी की सरपरस्ती में उर्स ए रजवी के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। जिसमें उर्स के दूसरे दिन मदरसे में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इसमें उलमा ने बेटियों को पढ़ाने समेत अन्य मामलों पर अपने विचार रखे। उलमा ने मंच से मांग की कि मॉब लिंचिंग को लेकर सख्त कानून बनाया जाए, जिससे निर्दोषों की जान लेने वालों को कड़ी सजा मिल सके।

जमात रजा ए मुस्तफा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व उर्स प्रभारी सलमान मियां ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी उर्स-ए-रजवी का पैगाम न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया में फैले आला हजरत के चाहने वालों तक पहुंचेगा। जो अमन, मोहब्बत और इंसानियत का संदेश देगा। उन्होंने बताया कि मंगलवार की देर रात तक दरगाह आला हजरत और दरगाह ताजुश्शरिया में गुलपोशी व चादरपोशी की और हजारों की तादाद में लोगों ने काजी ए हिन्दुस्तान से मुरीद हुए। जमात रजा ए मुस्तफा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान फरमान मियां ने बताया कि इस बार उर्स ए रजवी 15 देशों में धूमधाम से मनाया जाएगा। सऊदी अरब, यूके, कनाडा, साउथ अफ्रीका, मलेशिया, इंडोनेशिया, श्रीलंका, मॉरीशस, फ्रांस और जर्मनी आदि शामिल हैं। दुनियाभर में आला हजरत के चाहने वाले उर्स ए रजवी के प्रोग्राम मुफ्ती मुहम्मद असजद रजा खां कादरी के ऐलान पर आफिशियल चैनल पर प्रसारित होंगे। मथुरापुर में होने वाले कार्यक्रम में डा. मेहंदी हसन, हाफिज इकराम, शमीम अहमद, मोईन खान, नदीम सुब्हानी, कारी वसीम, कौसर अली, समरान खान समेत अन्य लोग लगे हुए है।

बच्चों को मेडिकल और इंजीनियरिंग की कराएं तैयारी

जमात रजा ए मुस्तफा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान हसन ख़ान फरमान मियां ने बताया कि उर्स के दूसरे दिन मथुरापुर जामियातुर रजा मदरसे में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए देश विदेश के उलमा पहुंचे। इसमें उलमा ने मुसलमानों से अपील करते हुए कहा कि वह बच्चों को दीनी तालीम के साथ दुनियावी तालीम भी दिलाएं। इसके अलावा उर्स के मंच से कहा गया कि सरकार को मॉब लंचिंग पर कानून बनाना चाहिए। जिससे निर्दोष लोगों के साथ मारपीट करने वालों को सजा मिले। वहीं उलमा ने कहा कि अपने बच्चों को डॉक्टर और इंजीनियरिंग की तैयारी कराएं, जिससे वह लोगों की मदद कर सकें।

मंडल स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में 18 खिलाड़ी चयनित

बरेली, अमृत विचार : गुरुनानक खालसा इंटर कॉलेज में मंगलवार को जिला विद्यालय जूडो प्रतियोगिता में 10 टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता की शुरुआत प्रधानाचार्य सरदार कवलजीत सिंह ने की। अंडर 14 वर्ग में दिनेश, निशान्त, बादल, अनिकेत, सोफियान, शिवम, राहुल चयनित हुए। अंडर 17 वर्ग में शानू आर्या, नारायण पंत, अमन, मोहित, अभय सिंह, शोभित शर्मा चयनित हुए। अंडर 19 वर्ग में शिवा प्रजापति, मक्खन, सोहेल, शनि सिंह, रामकरन, अनिकेत कुमार सिंह का चयन मंडल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि मंडलीय क्रीड़ा सचिव नईम अहमद, कमल तिवारी, मुकुल मोहन त्रिपाठी, ज्ञानेश चंद्र, हरप्रीत सिंह, मोहम्मद आसिफ आदि उपस्थित रहे।

रैगिंग शरारत नहीं, बल्कि गंभीर सामाजिक बुराई

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज में एंटी-रैगिंग सप्ताह का आयोजन 12 से 18 अगस्त तक किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में रैगिंग के प्रति जागरूकता फैलाना और विश्वविद्यालय परिसर को रैगिंग-मुक्त बनाना था।

सप्ताहभर चली गतिविधियों में छात्रों ने रैगिंग के विरुद्ध शपथ ली और नुक्कड़ नाटक का मंचन हुआ, जिसमें छात्रों ने रैगिंग के दुष्परिणामों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। पैरामेडिकल साइंसेज संकाय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने छात्रों को आपसी सम्मान, सहयोग और अनुशासन का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त छात्रों ने पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेकर हाथ से बने एवं डिजिटल पोस्टरों के माध्यम से रैगिंग विरोधी संदेश को और सशक्त किया। ये पोस्टर विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी प्रदर्शित किए गए। कार्यक्रम के दौरान पैरामेडिकल साइंसेस संकाय के डीन डॉ. पुष्पेंद्र कन्नौजिया ने कहा कि रैगिंग केवल एक शरारत नहीं, बल्कि यह एक गंभीर सामाजिक बुराई है। यह छात्रों के मानसिक, शैक्षणिक और भावनात्मक विकास में बाधा उत्पन्न करती है। हमारा कर्तव्य है कि हम सभी मिलकर रैगिंग-मुक्त माहौल बनाएं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. लता अग्रवाल ने कहा कि एक रैगिंग-मुक्त विश्वविद्यालय ही स्वस्थ और प्रगतिशील शिक्षा का वातावरण प्रदान कर सकता है। पैरामेडिकल साइंसेस संकाय की ओर से आयोजित यह सप्ताह निश्चित रूप से छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

ट्रेनों में बिकेंगे भाप और इलेक्ट्रिक इंजनों के मॉडल

बरेली, अमृत विचार : रेलवे ने यात्रियों को रेलवे की विरासत और तकनीकी प्रगति से जोड़ने के लिए एक नई पहल शुरू की है। इसके तहत ट्रेनों में यात्रा के दौरान भाप और इलेक्ट्रिक इंजनों के खूबसूरत मॉडल बिक्री के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। दो प्रकार के मॉडल पेश किए गए हैं। पहले मॉडल का वजन लगभग 850 ग्राम है, जिसकी लंबाई 300 मिमी और चौड़ाई 100 मिमी है। इसकी कीमत 1900 रुपये निर्धारित की गई है।

शुद्धि पत्र

सूचित हो कि दि.19.08.2025 को छपे उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद 122, सिविल लाइन्स, बरेली के विज्ञापन में **भवन/भूखण्ड संख्या, सेक्टर/ खण्ड व योजना का नाम - भवन सं.7/ 123 पीलीभीत बाईपास रोड यो.सं-7 बरेली** छप गया है जिसे सही करके **भवन सं.7/ 125 पीलीभीत बाईपास रोड यो.सं-7 बरेली** पढ़ा व समझा जाये।

व अदालत श्रीमान किरायाधिकारी/अपर जिलाधिकारी बरेली
मुकदमा नं./निष्पादन सं. 858/2025

देवशर्मा यजुर्वेदी पुत्र स्व. आर.सी. लाल निवासी देव हॉस्पिटल गोल्डन ग्रीनपार्क रोड, 5L/4क्रिस्टल कॉलोनी हरूनगला, बरेली। बनाम श्रीमती शामौली कौशिक निवासी 109ए, सिविल लाइन्स, बरेली बनाम 1. श्रीमती शामौली कौशिक निवासी 109ए, सिविल लाइन्स बरेली

चूंकि मुसम्मी देव शर्मा यजुर्वेदी ने आपके नाम एक नालिस वास्ते सुनवाई के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप बतारीख 29.08.2025 असालतन या मारफत किसी वकील के जो हालात मुकदमा से बखूबी वाकिफ हो मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैर हाजिरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा। आज बतारीख 19.8.25 मेरे दस्तखत व मोहरे अदालत से जारी किया गया।

किरायाधिकारी/अपर जिलाधिकारी बरेली।

सूचना

श्री विजेन्द्र कुमार स्वीपर कम चौकीदार राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बीसलपुर, पीलीभीत को इस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 28.01.2025 को स्वयं को कोई कारावास न होने सम्बन्धी शपथ पत्र सहित दिनांक 08.10.2024 से पूर्व बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहने के उपरान्त कार्यभार गृहण करने हेतु उपस्थित हुये किन्तु ऐसे कृत्य की पुनरावृत्ति न होने सम्बन्धी कोई शपथ पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया। इस हेतु महाविद्यालय से आपको कई पत्र प्रेषित किये गये किन्तु आप अद्यतन उपस्थित नहीं हुये। इस विज्ञप्ति के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि स्वयं को कोई कारावास न होने सम्बन्धी शपथ पत्र तथा अनुशासनहीनता के कृत्य की पुनरावृत्ति न होने सम्बन्धी शपथ-पत्र के साथ इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के एक सप्ताह के भीतर कार्यभार ग्रहण करने हेतु महाविद्यालय कार्यालय में उपस्थित होना सुनिश्चित करें अन्यथा संगत शासनादेशों के आलोक में आपके विरूद्ध सक्षम स्तर से नियमानुसार कार्यवाही जिसमें निलम्बन सम्मिलित है, की जायेगी।

अमृत विचार

बुधवार, 20 अगस्त 2025

चरित्र एक पेड़ की तरह है और प्रतिष्ठा एक परछाईं जैसी। परछाईं वह है, जिसके बारे में हम सिर्फ सोचते हैं। पेड़ असली चीज है।

–अब्राहम लिंकन, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति

स्वागत योग्य दूरदर्शी निर्णय

मुख्यमंत्री का यह फैसला बहुप्रतीक्षित था। उत्तर प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज के तीसरे स्थापना दिवस के अवसर पर इस घोषणा को महत्वपूर्ण मंच मिला। साइबर अपराध रोकने के लिए प्रदेश में केंद्रीय मुख्यालय बनाने की निर्णायक पहल निस्संदेह प्रशंसनीय है। स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश पुलिस और केंद्रीय गृह मंत्रालय मिलकर राज्य को साइबर सुरक्षा का एक राष्ट्रीय मॉडल बनाने के लिए कृतसंकल्प हैं। इस मुख्यालय की स्थापना के पश्चात साइबर अपराधों के विरुद्ध राज्य और केंद्र के बीच समन्वय अधिक सशक्त और प्रभावी होगा। इससे ठोस एवं कारगर रणनीति तैयार हो सकेगी। साइबर अपराध की सटीक पहचान, रोकथाम, पुलिस प्रशिक्षण और जन-जागरूकता- इन क्षेत्रों में प्रभावी कार्रवाई संभव होगी। यह कदम त्वरित शिकायत निस्तारण के लिए सरल एवं प्रभावी प्रक्रिया निर्माण में सहायक होगा। प्रशिक्षित पुलिस बल और उनका तकनीकी सशक्तिकरण साइबर ठगी के हॉटस्पॉट की पहचान कर अपराधियों तक सीधा पहुंचने में मदद करेगा। पिछले पांच वर्षों में साइबर अपराधों के मामलों में कुछ उतार-चढ़ाव के साथ उत्तर प्रदेश देश के राज्यों में शीर्ष तीन में बना हुआ है। कभी झारखंड का जामताड़ा कुख्यात था, अब यूपी का मथुरा साइबर क्राइम का नया हब है, जो देश के शीर्ष 10 साइबर अपराध जिलों में शामिल है, जहां से लगभग 12 प्रतिशत ऐसे अपराध अंजाम दिए जा रहे हैं। फर्जी वॉट्सऐप लिंक, फिशिंग, वित्तीय धोखाधड़ी, निवेश स्कैम, डिजिटल गिरफ्तारी, यूपीआई एवं बैंकिंग फ्रॉड- ऐसा कोई साइबर अपराध नहीं है, जो उत्तर प्रदेश से संचालित न हो रहा हो। मुख्यमंत्री द्वारा साइबर अपराधों से निबटने के लिए केंद्रीय मुख्यालय बनाने के एलान के अगले ही दिन राजधानी में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के दौरान, जहां साइबर युद्ध के आयाम, बहुपक्षीय कानूनी ढांचे, फॉरेंसिक और रणनीतिक प्रतिकार पर विचार-विमर्श चल रहा था, पुलिस कर्मियों के व्हाट्सऐप अकाउंट हैक होने की खबर सामने आई। जब जनता के साथ-साथ पुलिस तक साइबर अपराधियों का आसान शिकार बनने लगे, तो निस्संदेह यह कदम अत्यंत आवश्यक और दूरदर्शी प्रतीत होता है।

यूपी पुलिस ने ऑनलाइन अपराध से संबंधित कई बड़े और संगीन मामलों का खुलासा किया है तथा अनेक शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर सजा दिलवाई है। प्रदेश सरकार ने अब तक साइबर अपराध रोकने के जो प्रयास किए हैं, उनसे आंशिक सफलता तो मिली है, परंतु इस दिशा में ठोस उपलब्धि के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना है। समूचे राज्य में साइबर क्राइम रिस्पॉन्स टीम का गठन, साइबर पुलिस को पर्याप्त उपकरण, प्रशिक्षण और त्वरित कार्रवाई की क्षमता प्रदान करना आवश्यक है। मोबाइल फोरेंसिक वैन की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि मोबाइल, सिम, ऐप डेटा आदि की घटनास्थल पर ही फोरेंसिक जांच संभव हो सके। इससे समय की बचत होगी, सबूत सुरक्षित रहेंगे और त्वरित न्याय की राह आसान होगी। इसके अलावा ऑनलाइन हेल्पलाइन में सुधार, फ्रॉड रिकवरी मैकेनिज्म, अंतरराज्यीय समन्वय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर विशेष ध्यान देना होगा।

प्रसंगवश

भारत में टेलिकॉम क्रांति के जनक- राजीव

20 अगस्त को 'सद्भावना दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का जन्म हुआ था। राजीव गांधी (20 अगस्त 1944–21 मई 1991) को भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री और 'आधुनिक भारत' के शिल्पकार के रूप में याद किया जाता है। वे आधुनिक भारत के ऐसे नेता थे, जिन्होंने परंपरागत राजनीति में नवाचार, तकनीकी सोच और युवाओं की भागीदारी को प्राथमिकता दी, लेकिन उनके जीवन और कार्यों से जुड़ी कई खास बातें ऐसी हैं, जो आम तौर पर कम ही लोग जानते हैं। राजीव गांधी राजनीति में नहीं आना चाहते थे। दरअसल, वे पेशे से पायलट थे और इंडियन एयरलाइंस में काम करते थे। इंदिरा गांधी की असमय मृत्यु और संजय गांधी के निधन ने उन्हें राजनीति में आने पर मजबूर किया। महज 40 वर्ष की आयु में भारत के इतिहास के वे सबसे युवा प्रधानमंत्री थे। उन्होंने लंदन के इंपीरियल कॉलेज और ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज में पढ़ाई की। सोनिया गांधी से उनकी मुलाकात कैम्ब्रिज में एक इटैलियन रेस्टोरेंट में हुई थी और दोनों का विवाह 1968 में हुआ।

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

आज हम डिजिटल इंडिया की ओर अग्रसर हैं, लेकिन राजीव गांधी ही हमारे देश में कंप्यूटर क्रांति के असली जनक माने जाते हैं। दूसरे शब्दों में यह कहना गलत नहीं होगा कि देश में 'कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी' की नींव रखने का असली श्रेय उन्हें ही जाता है। उन्हें कंप्यूटर, संचार और सूचना तकनीक से खास लगाव था। उनके प्रयासों से भारत में कंप्यूटर और टेलीकॉम क्रांति की शुरुआत हुई। हालांकि, 1980 के दशक में कंप्यूटर लाने के कारण उनका खूब विरोध भी हुआ था। उनके कार्यकाल में भारत में मतदान की न्यूनतम आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी गई। यह उनका बहुत बड़ा कदम था। सच तो यह है कि उनका यह कदम युवाओं को राजनीति में सीधे तौर पर जोड़ने के लिए ऐतिहासिक माना जाता है।

उन्होंने पंचायती राज को मजबूत किया। 64वां संशोधन विधेयक (1989) राजीव गांधी सरकार द्वारा पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से पेश किया गया था, लेकिन यह राज्यसभा में पारित नहीं हो सका था। 65वां संशोधन अधिनियम, 1990, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए राष्ट्रीय आयोग की स्थापना से संबंधित था और इसमें विशेष अधिकारी के पद को हटा दिया गया था। 64वें संविधान संशोधन विधेयक (1989) का उद्देश्य क्रमशः पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देना, उन्हें अधिक शक्तिशाली और व्यापक बनाना तथा राज्यों में पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करना था, वहीं दूसरी ओर 65वें संविधान संशोधन अधिनियम (1990) का उद्देश्य क्रमशः अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए एक बहु-सदस्यीय राष्ट्रीय आयोग की स्थापना करना, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए विशेष अधिकारी का पद हटाना तथा अनुसूचित जातियों और जनजातियों के कल्याण और विकास के लिए आयोग को अधिक प्रभावी बनाना था।

सत्ता का विकेंद्रीकरण करने के लिए राजीव गांधी ने 73वां और 74वां संवैधानिक संशोधन लाने की पहल की तथा पंचायतों और नगरपालिकाओं को संवैधानिक मान्यता दी। इससे आम जनता को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी का अधिकार मिला। उन्होंने देश में आर्थिक उदारीकरण की नींव रखी। इस क्रम में लाइसेंस-परमिट राज को कम करने और अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में पहल की तथा उद्योग और व्यापार को सरल बनाने के कदम उठाए। वे भारत को 21वीं सदी में आधुनिक और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में देखना चाहते थे।

करदाताओं के लिए आसान और पारदर्शी है नया आईटी बिल

रजत मेहरोत्रा

वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत का पुराना आयकर अधिनियम, 1961, छह दशकों से लागू था और इसमें समय-समय पर किए गए संशोधनों और जोड़ी गई नई धाराओं ने इसे बेहद जटिल और भारी बना दिया था। इसमें 819 से अधिक सेक्शन, 47 अध्याय और 5.12 लाख से ज्यादा शब्द थे, जिससे न केवल करदाताओं बल्कि कर सलाहकारों और अधिकारियों के लिए भी इसे समझना कठिन हो गया था। इसकी जटिल भाषा, अस्पष्ट नियम, अनुपालन का भारी बोझ और लंबी प्रक्रियाएं आम करदाताओं के लिए परेशानी का कारण बनती थीं। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार ने 2025 में नया इनकम टैक्स बिल पेश किया, जो अब आयकर (संख्या 2) विधेयक, 2025 के रूप में संसद में पारित हो चुका है। इसका उद्देश्य है, कर व्यवस्था को सरल, स्पष्ट, डिजिटल और करदाता-हितैषी बनाना, ताकि कर भुगतान एक सहज अनुभव बने और अनुपालन का बोझ कम हो। नए बिल का सबसे बड़ा सुधार इसका सरलीकरण है। पुराने अधिनियम के 819 सेक्शन घटाकर 536 सेक्शन कर दिए गए हैं, जबकि अध्यायों की संख्या 47 से घटकर सिर्फ 23 रह गई है। शब्दों की संख्या 5.12 लाख से घटकर अब लगभग 2.6 लाख हो गई है। इससे न केवल कानून पढ़ने और समझने में आसानी होगी, बल्कि कानूनी विवादों की संभावना भी कम होगी। इसमें 'डिजिटल-फर्स्ट' और 'फेसलेस' प्रक्रिया को प्राथमिकता दी गई है, जिसके तहत कर निर्धारण और जांच ज्यादातर ऑनलाइन होगी, जिससे मानवीय हस्तक्षेप कम होगा और पारदर्शिता बढ़ेगी।

नया बिल एक अहम बदलाव 'एकल टैक्स ईयर' की अवधारणा लाता है। अब 'प्रीवियस ईयर' और 'असेसमेंट ईयर' जैसे पुराने शब्दों को हटाकर केवल एक वित्तीय वर्ष की अवधारणा लागू की गई है, जो पहली अप्रैल से शुरू होकर 31 मार्च को समाप्त होगा। इससे कर दाखिल करने और आकलन में भ्रम कम होगा। इसी तरह, रिफंड नीति में बड़ा सुधार करते हुए यह प्रावधान जोड़ा गया है कि अगर करदाता देर से रिटर्न भरता है तो भी उसे रिफंड मिलेगा, जबकि पहले यह सुविधा केवल समय पर रिटर्न भरने वालों को थी। टीडीएस से जुड़ी प्रक्रिया को भी आसान किया गया है। पहले टीडीएस सुधार के लिए छह साल की अवधि थी, अब दो साल कर दिया गया है। जिन करदाता पर कर कटौती लागू नहीं होती, उन्हें 'निल टीडीएस' प्रमाणपत्र की सुविधा दी जाएगी। हाउस प्रॉपर्टी से जुड़े प्रावधानों को भी स्पष्ट किया गया है- अब 30% स्टैंडर्ड डिडक्शन, नगर कर घटाने के बाद वार्षिक मूल्य पर लागू होगा और होम लोन का प्री-कंस्ट्रक्शन ब्याज अब किराए की संपत्ति पर भी मान्य होगा।

पेंशनधारकों के लिए भी राहत है। अब 'कमीटेड पेंशन' की कर छूट सिर्फ कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अन्य श्रेणियों के पेंशनधारकों को भी मिलेगी। साथ ही, धार्मिक ट्रस्ट और अनाम दान के मामलों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए यह प्रावधान जोड़ा गया है कि जिन ट्रस्टों का उपयोग सामाजिक कार्यों के लिए नहीं हो रहा, उन्हें कर राहत नहीं दी जाएगी। ईमानदार करदाताओं के लिए दंड प्रावधान में नरमी रखी गई है, ताकि अनजाने में हुई त्रुटियों पर कठोर कार्रवाई न हो। करदाताओं के लिए सबसे बड़ा लाभ है, मूल छूट सीमा का 12 लाख तक बने रहना, जिससे मध्यम वर्ग के लाखों लोगों को कर मुक्त आय का लाभ मिलेगा। सरकार ने मानक कटौती (स्टैंडर्ड डिडक्शन) को 75,000 तक बनाए रखा है। इसके साथ कर संरचना को सरल बनाया गया है, ताकि स्लैब और दरें समझने में आसानी हो। इन बदलावों से गृहस्वामी, पेंशनधारी, छोटे व्यवसायी और वेतनभोगी सभी वर्ग लाभान्वित होंगे। वित्तीय दृष्टि से देखा जाए तो अप्रैल से अगस्त 2025 के बीच केंद्र सरकार के नेट डायरेक्ट टैक्स संग्रह में 4% की गिरावट आई है और यह 6.64 लाख करोड़ पर रहा। इसका कारण व्यक्तिगत कर छूट और रिफंड में लगभग 10% की वृद्धि माना जा रहा है। हालांकि, सरकार का अनुमान है कि पूरे वित्तीय वर्ष 2025-26 में डायरेक्ट टैक्स संग्रह में 13% की वृद्धि होगी, क्योंकि सरल और पारदर्शी कानून से अनुपालन बढ़ेगा और करदाताओं का आधार विस्तृत होगा।

यह नया बिल सिर्फ कर व्यवस्था में बदलाव नहीं है, बल्कि सरकार की उस सोच का हिस्सा है जिसमें करदाताओं को 'ग्राहक' के रूप में देखा जा रहा है, न कि 'आरोपी' के रूप में। आसान भाषा, स्पष्ट प्रावधान, डिजिटल प्रक्रिया और समयबद्ध समाधान के साथ यह बिल करदाताओं के विश्वास को मजबूत करेगा। अब समय आ गया है कि कर प्रणाली को केवल राजस्व संग्रह का साधन न मानकर, आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण का साधन बनाया जाए। नया इनकम टैक्स बिल 2025 भारत के कर इतिहास में एक महत्वपूर्ण सुधार है, जो पुरानी व्यवस्था की जटिलताओं को खत्म करके एक सरल, पारदर्शी और करदाता-केंद्रित व्यवस्था प्रस्तुत करता है। यह मध्यम वर्ग को कर राहत, छोटे व्यवसाय को प्रोत्साहन, पेंशनधारकों को लाभ और ईमानदार करदाताओं को सुरक्षा देता है। यदि इसके प्रावधान सही ढंग से लागू होते हैं और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत किया जाता है तो यह बिल न केवल करदाताओं के जीवन को आसान बनाएगा, बल्कि देश की आर्थिक प्रगति में भी एक मजबूत आधारशिला साबित होगा।

नए बिल का सबसे बड़ा सुधार इसका सरलीकरण है। पुराने अधिनियम के 819 सेक्शन घटाकर 536 कर दिए गए हैं, जबकि अध्यायों की संख्या 47 से घटकर अब सिर्फ 23 रह गई है।

आमने

मुझे समझ नहीं आ रहा है कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव लोकतंत्र बचाने निकले हैं या फिर लोकतंत्र को तार-तार करने। मैं तेजस्वी को कहना चाहता हूं, आस-पास के जयचंदों से सावधान हो जाओ, नहीं तो चुनाव में बुरा परिणाम देखने को मिलेगा।

– तेज प्रताप यादव

लालू यादव के बड़े बेटे

सामने

राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर तेज प्रताप यादव उंगली उठा रहे हैं, यह तो ऐसा ही हुआ जैसे कोई सूर्य को आईना दिखाए। उन्हें देश और बिहार की जनता से माफी मांगनी चाहिए। तेज प्रताप एनडीए की बोली बोल रहे हैं। जनता उन्हें माफ नहीं करेगी। –अजीत शर्मा

विधायक, कांग्रेस

गृहमंत्री अमित शाह की उपलब्धियां और चुनौतियां

विवेक शुक्ला

लेखक

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जब राजधानी में अपने 6-ए कृष्ण मेनन मार्ग के सरकारी आवास से नॉर्थ एवेन्यू के अपने दफ्तर में जा रहे होते होंगे, तो उनके जेहन में जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में स्थायी शांति, नक्सली समस्या, साइबर अपराध, विदेशी नागरिकों की देश में घुसपैठ जैसे बहुत सारे गंभीर मसले चल रहे होते होंगे। संतोष भी होता होगा कि उनकी कोशिशों के चलते जम्मू-कश्मीर से संविधान के अनुच्छेद 370 को हटा दिया गया। संयोग देखिए कि अमित शाह उसी सरकारी आवास में रहते हैं, जहां एक दौर में महान आर्किटेक्ट हरबर्ट बेकर रहते थे, जिन्होंने नॉर्थ ब्लॉक का डिजाइन बनाया था।

अमित शाह ने बीती पांच अगस्त को भारत के सबसे लंबे समय तक गृह मंत्री के रूप में सेवा देने का कीर्तिमान स्थापित किया, जब उन्होंने 2,258 दिनों के कार्यकाल के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी के 2,256 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। 30 मई, 2019 को गृह मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद से, अमित शाह ने अपने दृढ़ नेतृत्व, रणनीतिक दृष्टिकोण और निर्णायक फैसलों के माध्यम से भारत की आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था और राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव लाए हैं। उनका दफ्तर वहां पर ही है, जहां पर सरदार पटेल और लाल कृष्ण आडवाणी जैसे नेता गृह मंत्री के रूप में काम करते थे। बेशक, ये दोनों अमित शाह को प्रेरणा देते हैं।

धारा 370 और 35A का निरस्तीकरण: याद करें 5 अगस्त, 2019 को। अमित शाह के कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक उपलब्धि पांच अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35A को हटाना ही थी। यह फैसला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लंबे समय से चली आ रही विचारधारा को साकार करने वाला था। धारा 370 जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करती थी, जिसके तहत राज्य का अपना संविधान, झंडा और स्वायत्तता थी। यह प्रावधान जम्मू-कश्मीर को शेष भारत से अलग करता था और राष्ट्रीय एकीकरण में बाधा उत्पन्न करता था। शाह ने राज्यसभा में 'जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, 2019' पेश किया, जिसके तहत जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित किया गया। बेशक, धारा 370 के निरस्त होने से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ। उनके कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में 70% से अधिक की कमी दर्ज की गई। 2024 में पत्थरबाजी की कोई घटना नहीं हुई और पिछले 33 वर्षों में सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया।

नक्सलवाद पर प्रभावी नियंत्रण: नक्सलवाद, जिसे वामपंथी उग्रवाद के रूप में भी जाना जाता है, दशकों से भारत के लिए एक गंभीर आंतरिक सुरक्षा चुनौती रहा है। अमित शाह ने नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए एक बहुआयामी रणनीति अपनाई, जिसके परिणामस्वरूप इस समस्या पर अभूतपूर्व नियंत्रण स्थापित हुआ। उन्होंने 31 मार्च, 2026 तक भारत को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त करने का लक्ष्य रखा है और इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। अमित शाह की रणनीति चार स्तरों पर आधारित थी। पहला, नक्सलियों के खिलाफ सख्त और निर्मम कार्रवाई। इसके लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और राज्य पुलिस बलों का प्रशिक्षण और एकीकरण किया गया। आधुनिक हथियारों, जैसे लंबी दूरी की असॉल्ट राइफल्स का उपयोग करके सुरक्षा बलों की क्षमता को बढ़ाया गया। दूसरा, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की पहुंच बढ़ाने के लिए 302 नए फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित किए गए और 61 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन बनाए गए। तीसरा, आधुनिक तकनीक का उपयोग, जिसमें ड्रोन, सैटेलाइट इमेजिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता शामिल हैं, ने नक्सलियों की गतिविधियों पर नजर रखने और हमलों को रोकने में मदद की। चौथा, नक्सल मुक्त क्षेत्रों में विकास योजनाओं को लागू करना, ताकि लोग हिंसा की ओर न लौटें। परिणामस्वरूप, नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 2014 में 126 से घटकर 2025 तक केवल 12 रह गई।

पूर्वोत्तर भारत में शांति स्थापना और विकास अमित शाह के कार्यकाल की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने इस क्षेत्र में 12 शांति समझौतों पर हस्ताक्षर कराए, जिसके परिणामस्वरूप 10,000 से अधिक उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया। शाह ने पूर्वोत्तर में शांति स्थापना के लिए कई कदम उठाए। असम-त्रिपुरा जैसे राज्यों में भाजपा की जीत में उनकी रणनीति ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने उग्रवादी समूहों के साथ बातचीत को बढ़ावा दिया और शांति समझौतों के माध्यम से स्थानीय समुदायों का विश्वास जीता। पूर्वोत्तर में बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में ऐतिहासिक सुधार किए। 2023 में उन्होंने औपनिवेशिक युग के कानूनों भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य अधिनियम को बदलकर तीन नए कानून पेश किए- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम। ये कानून पहली जुलाई, 2024 से लागू हुए।

अमित शाह की चाहत है कि देश में नशीले पदार्थों पर रोक लगे। उनकी सरपरस्ती में नारकोटिक्स के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया गया, जिसमें 10 लाख किलोग्राम से अधिक प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किए गए, जिनकी कीमत लगभग 12,000 करोड़ रुपये थी। यह अभियान न केवल ड्रग तस्करी को रोकने में प्रभावी रहा, बल्कि युवाओं को नशे की लत से बचाने में भी सहायक रहा।

अमित शाह ने बीते दिनों देश के सबसे लंबे समय तक गृह मंत्री पद पर रहने का कीर्तिमान बनाया है। उनकी क्षमताएं निर्विवाद हैं, लेकिन उनके सामने चुनौतियां भी कई हैं।

सामयिकी

मच्छर से हर साल 70 करोड़ लोग होते हैं हलकान

वर्ल्ड मॉस्क्यूटो प्रोग्राम की रिपोर्ट कहती है कि हर साल 70 करोड़ लोग मच्छरों से फैलने वाली बीमारी से जूझते हैं। इनमें से 10 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। हर साल मच्छरों से डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और जीका जैसी बीमारियों से लाखों मौतें होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार मच्छरजनित बीमारियों से सात लाख से अधिक मौतें होती हैं। 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस मनाया जाता है। इस दिन यह दिवस मनाने का कारण यही है कि 1897 में लिवरपूल स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन के ब्रिटिश डॉक्टर सर रोनाल्ड रॉस ने इसी दिन मादा एनाफिलीज मच्छर की खोज की थी, जिसके काटने से मलेरिया होता है।

यह पहली बार था जब किसी डॉक्टर ने मच्छर और मलेरिया के बीच संबंध स्थापित किया था और उनकी उस खोज ने मलेरिया की रोकथाम और उपचार खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। मच्छरों द्वारा फैलने वाली बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और मच्छरों के खिलाफ वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए 20 अगस्त 1897 से ही इस दिन की शुरुआत हुई। मलेरिया से जुड़ी इस महत्वपूर्ण खोज के कारण डॉ. रोनाल्ड रॉस को 1902 में चिकित्सा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

श्वेता गोयल

लेखिका

मच्छर पूरी दुनिया में बीमारियों के सबसे बड़े वाहक होते हैं, जिनके काटने से डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया, जीका वायरस इत्यादि जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। डेंगू और मलेरिया इन सभी में सबसे ज्यादा खतरनाक हैं, जो कई मामलों में जानलेवा साबित होते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2010 में मच्छरों के काटने के कारण अफ्रीका में सर्वाधिक मौतें हुई थीं। दुनिया के कई हिस्सों में मच्छरों के काटने से होने वाली मौतें आज भी गंभीर चिंता का कारण हैं।

इस वर्ष 'विश्व मच्छर दिवस' का विषय है- 'अधिक समतापूर्ण विश्व के लिए मलेरिया के विरुद्ध लड़ाई में तेजी लाना' जो विशेष रूप से कमजोर आबादी के लिए मलेरिया की रोकथाम, निदान और उपचार तक समान पहुंच सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देता है। मलेरिया सबसे आम, लेकिन जानलेवा वेक्टर जनित बीमारी है, जो संक्रमित मच्छर के काटने से होती है। दुनिया भर में मच्छरों की करीब 3700 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से 393 प्रजातियां भारत में हैं।

ब्राजील, इंडोनेशिया, मलेशिया और थाईलैंड के बाद भारत पांचवां सर्वाधिक मच्छर विविधता वाला देश है। इनमें से मच्छरों की कुछ प्रजातियां ही रोगवाहक होती हैं। मच्छरों की ऐसी ही कुछ विशेष प्रजातियां विभिन्न बीमारियों के प्रसार का कारण बनती हैं, जिनमें मलेरिया के अलावा डेंगू, चिकनगुनिया, जीका, वेस्ट नाइल वायरस रोग, लिम्फैटिक फाइलेरिया इत्यादि प्रमुख हैं। दुनिया भर में चार अरब से भी ज्यादा लोग एडीज मच्छर द्वारा फैलने वाले डेंगू के जोखिम वाले क्षेत्रों में रहते हैं। डेंगू बुखार आमतौर पर उष्णकटिबंधीय और उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है।

चिकनगुनिया के मामले और प्रकोप अमेरिका, अफ्रीका, एशिया, यूरोप तथा हिंद और प्रशांत महासागरों में 100 से भी ज्यादा देशों में सामने आए हैं। चिकनगुनिया भी एडीज मच्छर द्वारा ही फैलता है। जीका वायरस भी संक्रमित एडीज प्रजाति के मच्छर के काटने से फैलता है। यह वायरस जीका वायरस से संक्रमित व्यक्ति से उसके यौन साथी में शारीरिक संबंधों के जरिए भी फैल सकता है।

गर्भवती महिला से उसके गर्भ में पल रहे बच्चे में भी यह वायरस फैल सकता है। मच्छरजनित बीमारियों से बचने के लिए जरूरी है कि अपने घर के अंदर और आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। घर के बाहर कूड़ा-कचरा, गंदगी को जमा न होने दें। बारिश के दिनों में घर से बाहर निकलने से पहले पूरी बाजू वाले कपड़े पहनें। रात में मच्छर नहीं काटें, इसके लिए रिपेलेंट का इस्तेमाल करें।

सोशल फोरम

भुलक्कड़ आइंस्टीन

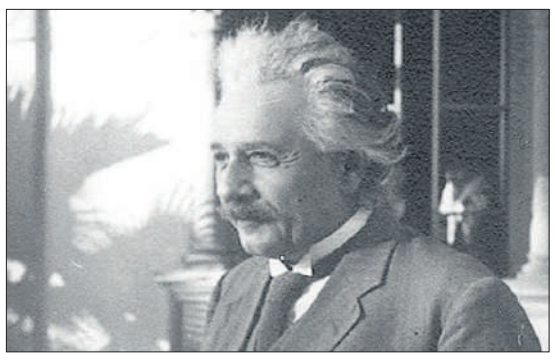

जब अल्बर्ट आइंस्टीन प्रिंसटन विश्वविद्यालय में काम कर रहे थे, तो एक दिन घर जाते समय उन्हें अपने घर का पता भूल गया। टैक्सी ड्राइवर ने उन्हें पहचाना नहीं। आइंस्टीन ने ड्राइवर से पूछा कि क्या वह आइंस्टीन का घर जानता है? ड्राइवर ने कहा, "आइंस्टीन का पता कौन नहीं जानता? प्रिंसटन में हर कोई जानता है। क्या आप उनसे मिलना चाहते हैं?" आइंस्टीन ने उत्तर दिया, "मैं ही आइंस्टीन हूं। मैं अपने घर का पता भूल गया हूं, क्या आप मुझे वहां पहुंचा सकते हैं?" ड्राइवर ने उन्हें उनके घर पहुंचा दिया और उनसे किराया भी नहीं लिया।

नॉलेज अड्डा

फेसबुक

इसी तरह एक बार आइंस्टीन प्रिंसटन से ट्रेन में यात्रा कर रहे थे। जब टिकट चेक करने वाला कंडक्टर उनके पास आया, तो आइंस्टीन ने अपनी जैकेट की जेब में हाथ डाला, लेकिन टिकट नहीं मिला। फिर उन्होंने अपनी पैंट की जेबें देखीं, लेकिन टिकट वहां भी नहीं था। इसके बाद उन्होंने अपने ब्रीफकेस में देखा, लेकिन टिकट नहीं मिला। फिर उन्होंने अपनी सीट के पास देखा, लेकिन फिर भी टिकट नहीं मिला।

कंडक्टर ने कहा, "डॉ. आइंस्टीन, हम जानते हैं कि आप कौन हैं! मुझे यकीन है कि आपने टिकट खरीदा है। चिंता मत कीजिए।" आइंस्टीन ने सिर हिला दिया। कंडक्टर आगे बढ़ गया। कुछ देर बाद उसने पाया कि महान वैज्ञानिक नीचे झुककर सीट के नीचे टिकट खोज रहे हैं।

कंडक्टर तुरंत लौट आया और कहा, "डॉ. आइंस्टीन, चिंता मत कीजिए। मैं जानता हूं कि आप कौन हैं। आपको टिकट की आवश्यकता नहीं है। मुझे यकीन है कि आपने टिकट खरीदा है।" आइंस्टीन ने जवाब दिया, "यंग मैन! मैं भी जानता हूं कि मैं कौन हूं, पर मैं ये नहीं जानता कि मैं कहां जा रहा हूं।"

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

मैं कालिंजर किला हूं...

बुंदेलखंड का इतिहास बुंदेली राजाओं की वीरगाथा से भरा हुआ है। यहां के बांदा जिले में स्थित कालिंजर का किला भी भारत के बदलते सांस्कृतिक और राजनीतिक परिदृश्य का गवाह रहा है। इसे भारत के सबसे विशाल और अपराजेय किलों में गिना जाता है। प्राचीन काल में यह किला जेजाकभुक्ति (जयशक्ति चन्देल) साम्राज्य के आधीन था।

मैं 10वीं शताब्दी तक चन्देल राजपूतों के आधीन रहा फिर रीवा के सोलंकी राजाओं के नियंत्रण में आया। सोलंकी राजाओं के शासनकाल में मुझ पर महमूद गजनवी, कुतुबुद्दीन ऐबक, शेरशाह सूरी और हुमांयू ने आक्रमण किए, लेकिन कभी विजय पताका नहीं फहरा सके। मुझे जीतने के चक्कर में ही तोप का गोला लगने से शेरशाह की मृत्यु हुई थी। हालांकि सम्राट अकबर ने मुझे जीत लिया, लेकिन बाद में बीरबल को तोहफे में दे दिया था। बाद में बुंदेल राजा छत्रसाल ने मेरे ऊपर विजय पताका फहराई। अंग्रेजों ने भी मुझ पर शासन किया। मेरे परिसर में कई प्राचीन मन्दिर हैं। इनमें कई मन्दिर तीसरी से पांचवीं सदी के हैं। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लगने वाला कार्तिक मेला मेरा प्रसिद्ध सांस्कृतिक उत्सव है। मुझे देखने आज भी देश-विदेश से पर्यटक आते हैं और प्राकृतिक सौंदर्य देखकर ठगे से रह जाते हैं।

शेरशाह ने 6 माह युद्ध किया और जान गंवाई

1544 में राजा कीरत सिंह यहां के महाराज थे। तब शेरशाह सूरी ने इस किले पर आक्रमण किया था। उसकी विशाल सेना ने किले को चारो तरफ से घेर लिया। छह माह तक घनघोर युद्ध चला लेकिन बुंदेली सैनिकों को वह परास्त नहीं कर सका। युद्ध में विजय न मिलती देख शेरशाह ने यहां किले के पास ही ऊंची मीनार बनाने का निर्णय लिया। इसका निर्माण भी उसने कराया और मीनार के ऊपर ही उसने गोला- बारूद चढ़ाने का आदेश सैनिकों को दिया। सैनिकों ने गोला-बारूद मीनार पर पहुंचाया, लेकिन एक गोले के फटने से शेरशाह गंभीर रूप से जख्मी हुआ और उसकी मृत्यु हुई।

नीलकंठ मंदिर आस्था का केंद्र

किले में नीलकंठ महादेव का मंदिर है। चंदेल शासक परमादित्य देव ने इस मंदिर की स्थापना की थी। यहां भगवान शिव तक पहुंचने के लिए दो द्वारों से होकर गुजरना पड़ता है। यहां स्थापित शिवलिंग स्वयंभू है और नीले पत्थर का है।

अलग- अलग नामों से रही पहचान

इतिहासकार बताते हैं कि कालिंजर को अलग- अलग युग में भिन्न- भिन्न नामों से जाना गया। सतयुग में इसे कीर्तिनगर, त्रेतायुग में मध्यगढ़, द्वापर में सिंहलगढ़ और कलियुग में कालिंजर नाम से जाना गया। इतिहासकार इसे मध्यकालीन भारत का सबसे अच्छा किला मानते हैं। किले में गुप्त काल, प्रतिहार काल और नागर जैसी स्थापत्य शैलियां दिखाई देती हैं। इस किले में राजा व रानी के दो भव्य महल हैं। यहां पाताल गंगा नामक जलाशय भी है। यहां के पांडु कुंड में चट्टानों से निरंतर पानी टपकता रहता है। मान्यता है कि पाताल गंगा इसके नीचे से होकर ही बहती हैं। इसी से यह कुंड भरता है।

किले में प्रवेश के लिए बने हैं 7 दरवाजे

किले के निर्माण को लेकर कुछ इतिहासकारों का मानना है कि इसे चंदेल वंश के संस्थापक चंद्र वर्मा ने बनवाया था तो कुछ इतिहासकारों का मानना है कि इस दुर्ग का निर्माण केदार वर्मन ने कराया था। कलिंजर का किला वैसे तो शांत दिखता है लेकिन बहुत खौफनाक है। यहां सूरज ढलने के साथ सन्नाटा छा जाता है। पर्यटकों को सुरक्षाकर्मी किले से बाहर भेज देते हैं। कहा जाता है कि रानी महल से रात में घुंघुरुओं की आवाज सुनाई देती है। जमीन से आठ सौ फीट की ऊंचाई पर स्थित पहाड़ी पर बने इस किले में प्रवेश के लिए सात दरवाजे हैं। प्रथम द्वार को सिंह द्वार, तो अन्य गणेश द्वार, चंडी द्वार, स्वर्गारोहण द्वार, बुद्धगढ़ द्वार, हनुमान द्वार हैं। किले में सीता सेज नामकन छोटी से गुफा भी है। जिसमें एक पत्थर का पलंग और तकिया रखा हुआ है।

लेखक
पंडित आशु शर्मा
कानपुर

गणपति के डिजाइनर स्वरूप गढ़ रहे शिल्पकार

अब पत्थर नहीं प्लास्टर ऑफ पेरिस की प्रतिमाओं का चलन, उत्सव के बाद कर दी जाती हैं विसर्जित

कानपुर। गणेश उत्सव के मद्देनज़र गणपति की मूर्तियों को आकार देने का काम अंतिम चरण में है। कानपुर में सौ से अधिक स्थानों में प्रतिमाएं बनाई जा रही हैं। राजस्थान से भी मूर्तिकार आए हैं। पिछले 25 साल से महाराष्ट्र की तर्ज़ पर अब कानपुर में भी गणेश उत्सव बड़े पैमाने पर मनाया जाता है 1 तीन हज़ार से अधिक स्थानों पर उत्सव होता है और हर जगह प्रतिमा स्थापित की जाती है। इस बार 26 अगस्त को गणेश चतुर्थी उत्सव शुरू होगा। निराला नगर, बाबूपुरवा और जीटी रोड (गोल चौराहा) पर शिल्पकारों को मूर्तियां गढ़ते देखा जा सकता है। डेढ़ फुट से 12 फुट तक की पांच हजार से अधिक प्रतिमाएं उपलब्ध हैं। यहां से आसपास के जिलों के कारोबारी भी थोक में मूर्तियां ले जाते हैं।

- **तीन दिन में तैयार होती मूर्ति :** निरालानगर में कन्हैया कुमार गणेश प्रतिमा को आकार देने के बाद रंग भर रहे थे। कन्हैया ने बताया अब प्लास्टर ऑफ़ पेरिस की प्रतिमाओं की मांग ज्यादा है। सांचे में ढली एक प्रतिमा बनाने में तीन दिन लगते हैं। पत्थर की मूर्ति में 10-15 दिन लगते हैं। तीन फुट की प्रतिमा चार हज़ार और 11 फुट की 15 हजार में मिल जाती है।
- **तीन पीढ़ी से कर रहे यही काम :** मूर्तिकार मुकेश ने बताया कि उनकी तीन पीढ़ी से मूर्ति गढ़ने का काम हो रहा है, अब आधुनिक तकनीक आ गई है। स्वचालित मशीनों के जरिये कटिंग, आकार देने और रंगने का काम आसान हो गया है। लेकिन हांथो से गढ़ी मूर्ति की बात ही अलग है।
- **कला विलुप्त होने का डर :** निराला नगर के फुटपाथ पर मूर्ति को आकार दे रही पार्वती ने बताया कि अब इस पेशे में परिवार चलाना मुश्किल है। उधार रुपये लेकर कच्चा माल खरीदा है। फुटपाथ का किराया और कमीशन भी देना पड़ता है। प्रतिस्पर्धा बढ़ी तो मुनाफा कम हो गया। सरकार ने ध्यान नहीं दिया तो कुछ समय बाद यह कला ही विलुप्त हो जाएगी।
- **पत्थर की मूर्ति 10 हजार से एक लाख तक :** पत्थर की दो फुट की मूर्ति 10 से 20 हजार और पांच फुट की 50 से 60 हजार में उपलब्ध है। इससे ऊंची 80 हजार से एक लाख तक की है। शिल्पकार रामकेश सैनी ने बताया कि ऑर्डर देने पर एक हफ्ते के भीतर मूर्ति तैयार हो जाएगी। इन दिनों गणेश प्रतिमाओं की बहुत मांग है। वह देवी-देवताओं, महापुरुषों के अलावा किसी भी इंसान की प्रतिमा बना सकते हैं।

लेखक: शैलेश अवस्थी

दिल टूटने और रिश्तों में घुटने की पड़ताल करती हैं देवेंद्र की फिल्में

डॉक्टर देवेंद्र बना चुके समाज को सार्थक संदेश देने वाली 30 शार्ट मूवी

आंखों के जाने-माने डॉक्टर देवेंद्र को अभिनय और फिल्म निर्माण का ऐसा जूनून चढ़ा कि अब वह मूल पेशे को छोड़ पूरी तरह रुपहली दुनिया में रम ही गए हैं। सात साल के भीतर 30 लघु फिल्में बना चुके हैं। डॉ. देवेंद्र पिछले 40 दशक से कानपुर में आंखों का इलाज कर रहे हैं। इस दौरान हज़ारों आपरेशन किए, लेकिन फिल्मों का शौक उनके जहन में पलता रहा। सात साल पहले काकदेव में अपना बड़ा नर्सिंग होम बंद कर फ़िल्म निर्माण का शौक पूरा करने में जुट गए। अभिनय के शौकीन अपने साथियों और उनके संपर्क सूत्रों को एकजुट किया। फ़िल्म निर्माण, कैमरा, लाइट, निर्देशन, एडिटिंग की बारीकियां सीखीं। उपकरण इकठ्ठा किए और काम शुरू कर दिया। इन लघु फिल्मों की शूटिंग कानपुर के पार्कों, सड़कों, मंदिरों और दोस्तों के घर-फ्लैटों में ही की। इन्हें यू- ट्यूब के जरिये प्रदर्शित किया और फिर देखते ही देखते इन्हें पसंद करने वालों की संख्या बढ़ती गई और इसी के साथ प्रोडक्शन टीम का हौसला भी बढ़ता गया। इन लघु फिल्मों के कथानक डॉ. देवेंद्र ने ही लिखे हैं, जो उनके अपने, मरीजों और समाज के विभिन्न वर्गों के अनुभव पर आधारित हैं। बदलते दौर में समाज की विकृतियों, टूटन, घुटन, अवसाद और रिश्तों पर बनी उनकी फिल्में सामाजिक मुद्दों को प्रदर्शित करने के साथ बेहद संवेदनशील तरीके से परिस्थितियों की पड़ताल करती हैं। हर फिल्म अंत में एक सीख देकर बताती हैं कि छोटी -छोटी बातें, अहंकार, दिखावट और बनावट किस तरह जिंदगी को गर्त में ले जाती है। इनमें मेरा क्या, ताकत, बेड़ियां, नहले पे दहला, बदगुमानियां, आदत जैसी फिल्में ज्यादा हिट हैं। इनमें खुद देवेंद्र, उनके साथी कलाकार धूरिया, शालिनी, सिम्मी, अशोक बजाज, संजय खन्ना, सुनील वाजपेई ने काम किया है। अब इन फिल्मों को अन्य बड़े नेट प्लेटफार्म पर ले जाने की तैयारी है।

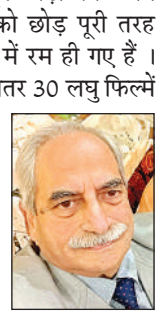

अभिनेता देवेंद्र।

अभी यू-ट्यूब पर प्रदर्शित हो रही हैं फिल्में, लगातार बढ़ते जा रहे हैं दर्शक

बिठूर के इतिहास की सैर कराती है टिकैत राय बारादरी

कानपुर से 18 किलोमीटर दूर गंगा के किनारे स्थित धार्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक नगरी बिठूर (ब्रह्मावर्त) में विभिन्न राजाओं ने अपनी जरूरत के हिसाब से गंगा स्नान के लिए 52 घाटों का निर्माण कराया था। इनमें पत्थर घाट भी एक है। इस घाट का निर्माण राजा टिकैत राय बहादुर ने कराया था। घाट पर ही बारादरी बनी है, जिसे टिकैत राय बारादरी कहा जाता है। 18 वीं सदी में निर्मित पत्थर घाट, बारादरी और यहां बना मंदिर वास्तुकला का बेहतरीन नमूना और ऐतिहासिक धरोहर है।

प्रदेश की योगी सरकार ने राज्य के जिन 11 विरासत भवनों औप किलों को पर्यटन स्थल में बदलने का फैसला लिया है, उनमें टिकैत राय बारादरी भी शामिल है।बिठूर के पत्थर घाट पर बनी टिकैत राय बारादरी एक ऐतिहासिक इमारत है। करीब 0.217 एकड़ में निर्मित इस बारादरी में श्रद्धालु व दर्शनार्थी गंगा स्नान के दौरान रुकते थे। पत्थर घाट को लाल रंग के पत्थरों से निर्मित गया था। यहां बना शिव मंदिर बिठूर के मंदिरों में अलग स्थान रखता है। राजा टिकैत राय द्वारा पत्थर घाट को बनवाने की कहानी काफी रोचक और दिलचस्प है। जानकारी के मुताबिक वर्ष 1814 में लखनऊ के नवाब ने अवध क्षेत्र के दीवान राजा टिकैत राय को हाथी खरीदने की सलाह दी। नवाब ने टिकैत राय को इसके लिए खजाने से स्वर्ण मुद्राएं दिलाईं। इन मुद्राओं से राजा टिकैत राय ने बिठूर में घाट बनवा दिया। घाट बन जाने पर लखनऊ जाकर नवाब से कहा कि हुजूर हाथी तो खरीद लिया है, लेकिन गंगा नदी के उस पार है। टिकैत राय ने इस बहाने से नवाब को हाथी पर बिठाकर गंगा के उस पार से पत्थर घाट दिखाते हुए कहा कि हुजूर, वह देखिए हाथी वहां खड़ा है। दरअसल, पत्थर घाट पर बने शिव मंदिर का निर्माण कुछ इस तरह से किया गया था कि इसे किसी भी ओर से देखने पर हाथी का मस्तक नजर आता है। टिकैत राय की इस चतुराई और घाट का सौंदर्य देखकर नवाब बहुत खुश हुए।

- 18 वीं सदी में पत्थर घाट के साथ निर्मित बारादरी और मंदिर है वास्तुकला का बेहतरीन नमूना
- प्रदेश की योगी सरकार इस ऐतिहासिक धरोहर को हेरिटेज टूरिज्म के रूप में करेगी विकसित

बिठूर के धार्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व की दिखेगी झांकी

- प्रदेश की योगी सरकार ने इस ऐतिहासिक धरोहर को पीपीपी मॉडल पर विरासत पर्यटन (हेरिटेज टूरिज्म) इकाई के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इसके तहत टिकैत राय बारादरी को हेरिटेज होटल या होम स्टे में बदला जा सकता है, जिसमें राजा-महाराजाओं के समय की शिल्पकला और संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। बिठूर के धार्मिक और पौराणिक महत्व के साथ स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को सेहजने वाला म्यूजियम और आर्ट गैलरी बनाने की भी योजना है। इसमें पेंटिंग के जरिये, वाल्मिकी आश्रम, सीता रसोई, नाना साहब, रानी लक्ष्मीबाई, ब्रह्मा की खूंटी, ध्रुव टीला जैसे स्थानों का इतिहास दर्शाया जाएगा। इसके साथ ही थीम पार्क बनाया जाना भी प्रस्तावित है।

कसौटी पत्थर का शिवलिंग

बिठूर के पत्थर घाट घाट के ऊपर एक शिव मंदिर है। इस मंदिर को महाकालेश्वर के नाम से भी जाना जाता है। सावन में यहां पूजा-अर्चना के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। मंदिर में 'कसौटी' के पत्थर का शिवलिंग स्थापित है। बलुआ मिट्टी के पत्थरों से निर्मित मंदिर को चारों कोनों से देखने पर हाथी के मस्तक दिखाई पड़ते हैं। सूर्य की किरणें शिवलिंग पर पड़ते ही अलौकिक छटा बिखेरती हैं। मंदिर की उत्तर दिशा में 10 फीट ऊंचा पत्थर का त्रिशूल स्थापित है।

राजा टिकैत राय के मुकुट में बना रहता था दो मछलियों वाला चिह्न

राजा टिकैत राय बहादुर आसिफउदौला के शासनकाल में अवध के दीवान थे। वह कायस्थ समाज से थे। आसिफउदौला के दरबार में उनका स्थान काफी ऊंचा था। राजा टिकैत राय ने अपने समय में कई मंदिर, मस्जिद, तालाब, बारादारी और पुलों का निर्माण कराया। लखनऊ को संवारने और सुविधा संपन्न बनाने में उन्होंने बड़ा योगदान दिया। कहा जाता है कि राजा टिकैत राय के मुकुट में दो मछलियों वाला चिह्न अंकित रहता था, प्रदेश शासन के राजकीय चिह्न में इसका इस्तेमाल देखा जा सकता है।

लेखक-दीपक कुमार, कानपुर

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,644.39	24,980.65
बढ़त	+370.64	+103.70
प्रतिशत में	0.46	0.42

सोना 1,00,420 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,14,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार ,20 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2705, राज श्री 1850, फ़ॉर्चून कि. 2200, रविन्द्रा 2600, फॉर्चुन 13kg 1930, जय जवान 1960, सचिन 2010, सूरज 1960, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 kg 1850, क्लासिक (kg) 2080, मोर 2150, चक्र टिन 2450, ब्लू 2080, आशीर्वाद मस्टर्ड 2545, स्वास्तिक 2645

किराना (प्रतिकु.): हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु0): डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10300, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4350

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 10000, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7700 मलका दाल 7600-7900, मलका छाँटी 7800, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-10900, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 6950, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7400, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 6900, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9300, मोटा हीरा 11300, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4360, पीलीभीत 4300, सितारगंज 4280, धामपुर 4360

हल्द्वानी मंडी

चावल: शरबती- 5510, मसूरी- 4710 बासमती- 9305, परमल- 3800

दाल दलहन : काला चना- 7910, साबुत चना दाल- 7315, मूंग साबुत- 9510 राजमा- 12000-14100, दाल उड़द-9000, साबुत मसूर दाल- 7330, मसूर दाल- 7400, उड़द साबुत- 8200, काबुली चना- 10400, अरहर दाल- 11300, लोबिया/करमानी- 9100

अमेरिकी शुल्क का दीर्घकालिक प्रभाव नहीं

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की साख को स्थिर परिदृश्य के साथ बढ़ाया

- बेहतर मौद्रिक नीतिगत उपायों का हवाला देते हुए 19 साल बाद भारत की रेटिंग में किया सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के उच्च शुल्क से भारत की दीर्घकालिक वृद्धि संभावनाओं पर प्रभाव पड़ने के आसार नहीं है, क्योंकि सरकार आर्थिक सुधारों पर ध्यान दे रही है और जीवनस्तर में सुधार लाने का प्रयास कर रही है। साख निर्धारित करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की साख को स्थिर परिदृश्य के साथ बढ़ाकर पिछले सप्ताह बीबीबी कर दिया।

रेटिंग एजेंसी ने मजबूत आर्थिक वृद्धि, राजकोषीय मजबूती के लिए राजनीतिक प्रतिबद्धता और महंगाई को काबू में लाने के लिए बेहतर मौद्रिक नीतिगत उपायों का हवाला देते हुए 19 साल बाद भारत की रेटिंग में सुधार किया है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के निदेशक यीफार्न फुआ ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि वृद्धि की यह गतिशीलता अगले तीन वर्ष तक जारी रहेगी और औसत वृद्धि दर करीब 6.8 प्रतिशत रहेगी। अगर भारत में बुनियादी ढांचे और संपर्क में सुधार होता है, तो इससे दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि में बाधा डालने वाली अड़चनें दूर होंगी। साथ ही भारत की संभावित वृद्धि यात्रा और आगे बढ़ेगी। फुआ ने भारत की रेटिंग बढ़ाने पर आयोजित 'वेबिनार' में कहा कि भारत दुनिया की सबसे मजबूत और सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत पिछले तीन से चार वर्ष में अपने क्षेत्रीय समकक्षों की तुलना में वृद्धि के मामले में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। उच्च अमेरिकी शुल्क के प्रभाव पर एसएंडपी एशिया प्रशांत के अर्थशास्त्री विश्रुत राणा ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत कम व्यापार-उन्मुख है, जिसमें बाह्य मांग का योगदान समग्र अर्थव्यवस्था में केवल 15 प्रतिशत है और 85 प्रतिशत घरेलू कारकों द्वारा संचालित है।

राणा ने कहा, यह एक बहुत ही घरेलू अर्थव्यवस्था है। यह सुरक्षा का एक कारक है। उन्होंने कहा कि एक अन्य कारक यह है कि भारत से निर्यात किए जाने वाले सभी उत्पादों पर 50 प्रतिशत का उच्च शुल्क लागू नहीं होता है। राणा ने कहा, यह एक जटिल माहौल है।

प्रस्तावित दो स्लैब की जीएसटी व्यवस्था दीर्घावधि में राजस्व बढ़ाने में होगी मददगार

नई दिल्ली। साख निर्धारित करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के निदेशक यीफार्न फुआ ने कहा कि प्रस्तावित दो स्लैब की जीएसटी व्यवस्था प्रभावी कराधान दर को कम कर सकती है और लंबी अवधि में यह सरकार के राजस्व को बढ़ा सकती है। फुआ की यह टिप्पणी केंद्र और राज्यों की बुधवार व बृहस्पतिवार को होने वाली महत्वपूर्ण बैठक से पहले आई है। इसमें केंद्र द्वारा जीएसटी सुधार प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। इसके तहत कर 'स्लैब' को घटाकर केवल दो कर 'स्लैब' पांच और 18 प्रतिशत कर दिया जाएगा। कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष कर दर लागू की जाएगी। जीएसटी के तहत वर्तमान में चार स्लैब 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत हैं। जीएसटी दरों में बदलाव से राजस्व पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर फुआ ने कहा कि मौजूदा जीएसटी व्यवस्था जटिल है। इसमें चार अलग-अलग दरें हैं, जिससे लेखा-जोखा एवं क्रियान्वयन कभी-कभी काफी कठिन हो जाता है।

भारतीय कंपनियों पर शुल्क का असर सीमित: फिच

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि भारतीय कंपनियों पर अमेरिकी उच्च शुल्क का सीधा असर सीमित है लेकिन अभी प्रभावित नहीं हुए दवा जैसे क्षेत्र भी भविष्य में होने वाली घोषणाओं की चपेट में आ सकते हैं। अमेरिका ने भारतीय उत्पादों के आयात पर सात अगस्त से 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क लगा दिया है। इसके अलावा रूसी तेल का आयात जारी रखने के दंडात्मक जुर्माने के तौर पर 27 अगस्त से अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी लगेगा। इस तरह भारत, अमेरिका में 50 प्रतिशत सीमा शुल्क के साथ एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक शुल्क का बोझ उठा रहा है। फिच रेटिंग्स ने इस शुल्क के प्रभावों पर जारी एक बयान में कहा कि मौजूदा शुल्क से भारतीय कंपनियों पर परोक्ष असर बढ़ने का भी जोखिम दिख रहा है। हालांकि, अमेरिका-भारत व्यापार समझौता हो जाने पर यह जोखिम कम हो जाएगा।

कपास के शुल्क मुक्त आयात पर 30 सितंबर तक अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

- सरकार ने कपड़ा क्षेत्र के लिए प्रमुख कच्चे माल की उपलब्धता में सुधार के लिए उठाया कदम

सरकार ने कपड़ा क्षेत्र के लिए प्रमुख कच्चे माल की उपलब्धता सुधारने के मकसद से 30 सितंबर तक कच्चे कपास के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है। इस कदम से अमेरिका को फायदा मिलने की उम्मीद है। कपास पर अब तक कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर (एआईडीसी) के साथ 11 प्रतिशत का आयात शुल्क भी लगता रहा है। वित्त मंत्रालय की 18 अगस्त की अधिसूचना के अनुसार, शुल्क छूट 19 अगस्त से प्रभावी होगी और 30 सितंबर तक लागू रहेगी।

आयात शुल्क समाप्त करने से कपड़ा क्षेत्र के लिए वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी दरों पर कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित होने की उम्मीद है। भारत द्वारा आयात शुल्क में राहत ऐसे समय में दी गई है जब कपड़ा क्षेत्र सहित भारतीय निर्यातकों को अमेरिका में 50 प्रतिशत के भारी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। अभी अमेरिकी शुल्क 25 प्रतिशत है। 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क (जुर्माना) 27 अगस्त से प्रभावी होगा। यह शुल्क भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद पर दंड के रूप में लगाया गया है। इस निर्णय पर टिप्पणी करते हुए, शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि भारत ने कम आपूर्ति से निपटने और फसल आने के मौसम से पहले कीमतों को स्थिर करने के लिए कच्चे कपास पर आयात शुल्क 40 दिन के लिए निलंबित कर दिया है।

कपास का आयात 107.4 प्रतिशत बढ़ा है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 57.92 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 1.20 अरब डॉलर हो गया है। पिछले वर्ष प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में ऑस्ट्रेलिया (25.82 करोड़ डॉलर), अमेरिका (23.41 करोड़ डॉलर), ब्राज़ील (18.08 करोड़ डॉलर) और मिस्र (11.63 करोड़ डॉलर) शामिल थे।

जीडीपी की वृद्धि दर 6.7% रहने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

- इक्रा की रिपोर्ट में एमपीसी के अप्रैल-जून तिमाही में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान से भी अधिक

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सरकारी पूंजीगत व्यय और निर्यात में बढ़ोतरी के दम पर चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर के 6.7 प्रतिशत रहने का मंगलवार को अनुमान लगाया है। यह एक साल पहले की समान तिमाही की 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर से अधिक है।

यह अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के अप्रैल-जून तिमाही में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान से भी अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) तिमाही के जीडीपी का आधिकारिक आंकड़ा 29 अगस्त को जारी किया जाएगा। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में निवेश गतिविधि को सरकारी पूंजीगत व्यय के अग्रिम भुगतान से बल मिला।

हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव और शुल्क संबंधी घटनाक्रमों के कारण बढ़ी अनिश्चितता के बीच यह स्वीकार्य रूप से निम्न आधार पर रही। नायर ने कहा, मजबूत सरकारी पूंजी के साथ-साथ राजस्व व्यय, कुछ भौगोलिक क्षेत्रों में अग्रिम निर्यात एवं और बेहतर उपभोग के शुरुआती संकेतों से लाभान्वित होकर वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में आर्थिक गतिविधि में विस्तार की गति 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

बाजार में लगातार चौथे दिन तेजी, सेंसेक्स 371 अंक चढ़ा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा टाटा मोटर्स में बढ़त के साथ बीएसई सेंसेक्स 371 अंक लाभ में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी 25,000 अंक के करीब पहुंच गया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 370.64 अंक यानी 0.46 प्रतिशत बढ़कर 81,644.39 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 482.13 अंक तक चढ़ गया था। 50 शेयरों वाला निफ्टी 103.70 अंक या 0.42 प्रतिशत चढ़कर 24,980.65 अंक पर पहुंच गया। विश्लेषकों

आईओसी का पर्यावरण अनुकूल ईंधन की आपूर्ति के लिए एयर इंडिया से समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी

- पानीपत रिफाइनरी में कुकिंग ऑयल से पर्यावरण अनुकूल विमानन ईंधन का उत्पादन शुरू करने की योजना

सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरशन (आईओसी) ने एयर इंडिया को पर्यावरण अनुकूल विमान ईंधन की आपूर्ति के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह भारत में हरित और स्वच्छ विमानन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आईओसी के चेयरमैन अरविंदर सिंह साहनी के अनुसार, कंपनी इस साल दिसंबर से अपनी पानीपत रिफाइनरी में इस्तेमाल किए गए खाना पकाने के तेल से पर्यावरण अनुकूल विमानन ईंधन (एसएएफ) का उत्पादन शुरू करने की योजना बना रही है। इस संयंत्र से आईटीसी और हल्दीराम जैसी होटल और रेस्तरां से इस्तेमाल के बाद बचे अपशिष्ट खाना पकाने के तेल का उपयोग करके सालाना 35,000 टन हरित ईंधन का उत्पादन होने की उम्मीद है। एसएएफ गैर-पेट्रोलियम कच्चे माल से बना एक वैकल्पिक ईंधन है जो हवाई परिवहन से होने वाले उत्सर्जन को कम करता है। उपलब्धता के आधार पर इसे पारंपरिक विमान ईंधन (एटीएफ) में 50 प्रतिशत तक मिलाया जा सकता है। भारत ने 2027 से अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों को बेचे जाने वाले जेट ईंधन में एक प्रतिशत एसएएफ मिश्रण अनिवार्य कर दिया है। आईओसी ने बयान में कहा, कंपनी ने मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

राष्ट्रीय

आगामी मिशनों के लिए अंतरिक्ष यात्री करने होंगे तैयार

पीएम ने 40-50 यात्रियों का दल तैयार करने को कहा, शुभांशु बोले-भारत के गगनयान मिशन की दुनिया में चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने अंतरिक्ष मिशन, इसरो और वैज्ञानिकों को नुकसान पहुंचाया: निशिकांत

नई दिल्ली। भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने मंगलवार को कांग्रेस पर देश में अंतरिक्ष मिशन, इसरो और वैज्ञानिकों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। सदन में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री-2047 तक विकसित भारत के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका विषय पर सोमवार को शुरू हुई चर्चा को आगे बढ़ाते हुए दुबे ने यह बात कही। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के बीच चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा सांसद दुबे ने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का उल्लेख किया और विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, शुभांशु शुक्ला भाजपा के सदस्य नहीं हैं, वह देश के नागरिक हैं, 140 करोड़ लोगों के प्रतिनिधि हैं। विपक्ष को इस चर्चा में भाग लेकर अंतरिक्ष संबंधी प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री की सराहना करनी चाहिए थी और अंतरिक्ष तथा सुरक्षा पर एकजुटता का संदेश देना चाहिए था। दुबे ने कहा, लेकिन इन्होंने (विपक्ष ने) पूरी संसद को बंधक बना लिया है। कांग्रेस अंतरिक्ष पर भी चर्चा नहीं होने दे रही। उन्होंने आरोप लगाया, 1994 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने केरल के रहने वाले प्रसिद्ध वैज्ञानिक नांबी नारायण को सीबीआई और राज्य पुलिस से गिरफ्तार कराया था। कांग्रेस ने पाकिस्तान और चीन के कहने पर एक वैज्ञानिक को गिरफ्तार कराया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत को भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों का नेतृत्व करने के लिए 40-50 अंतरिक्ष यात्रियों का एक दल तैयार करना होगा। प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष में 20 दिन बिता कर लौटे शुभांशु शुक्ला से बातचीत के दौरान यह बात कही। शुक्ला एक्सिओम-4 वाणिज्यिक मिशन के जरिये अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने।

उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि भारत के गगनयान मिशन को लेकर दुनिया भर में जबरदस्त रुचि है। प्रधानमंत्री के साथ सोमवार शाम को बातचीत में शुक्ला ने एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक की अपनी अंतरिक्ष यात्रा, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण स्थितियों के साथ तालमेल और कक्षीय प्रयोगशाला में किए गए प्रयोगों के बारे में अपने अनुभव भी साझा किए। इस बातचीत का वीडियो सोमावार को जारी किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत के भविष्य के मिशनों के लिए 40-50 अंतरिक्ष यात्रियों का एक दल तैयार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा भविष्य के अंतरिक्ष मिशन की दिशा में पहला कदम है। मोदी ने कहा कि अब तक बहुत कम बच्चों ने अंतरिक्ष यात्री बनने के बारे में सोचा होगा, लेकिन शुक्ला की यात्रा से इस क्षेत्र में अधिक विश्वास पैदा होगा और रुचि पैदा होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के सामने अब दो बड़े मिशन हैं - भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और गगनयान, और इन प्रयासों में शुक्ला का अनुभव बहुत मूल्यवान होगा। शुक्ला ने कहा कि दोनों मिशन ने देश के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत किया है और चंद्रयान-2 मिशन जैसी असफलताओं के बावजूद अंतरिक्ष क्षेत्र के प्रति सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अंतरिक्ष कार्यक्रम को लगातार बजट उपलब्ध कराने के कारण चंद्रयान-3 को सफलता मिली। शुक्ला ने कहा कि असफलताओं के बाद भी इस तरह के समर्थन को विश्व स्तर पर अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की क्षमता और स्थिति के प्रतिबिंब के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा, भारत नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है और भारत के नेतृत्व में अन्य देशों की भागीदारी से अंतरिक्ष केंद्र एक शक्तिशाली साधन होगा। शुक्ला ने प्रधानमंत्री को बताया कि भारत की गगनयान परियोजना दुनिया भर में बहुत रुचि पैदा कर रही है। उन्होंने कहा, मेरे साथियों ने हस्ताक्षरित नोट भी मांगे, जिनमें उन्होंने प्रक्षेपण में आमंत्रित किए जाने तथा भारत के अंतरिक्ष यान में यात्रा करने की इच्छा व्यक्त की।

चुनाव प्रणाली को मजबूत करने के लिए 28 पहल कीं: ईसी

नई दिल्ली। विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष की आलोचना का सामना कर रहे निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को कहा कि उसने चुनाव प्रणाली को मजबूत करने के लिए पिछले छह महीनों में 28 पहल की हैं। आयोग ने एक बयान में कहा कि उसने सभी हितधारकों के साथ मिलकर चुनाव प्रणाली को मजबूत और स्वच्छ बनाया है, प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ाया है, मतदाता सूची को शुद्ध किया है तथा मतदाताओं के लिए मतदान के अनुभव को आसान बनाया है। इसने बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर को एक महत्वपूर्ण सुधार बताया।

आयोग ने कहा, मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए और कोई भी अपात्र नाम मतदाता सूची में न रहे। बिहार चुनाव से पहले एसआईआर प्रक्रिया को विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है जिनका कहना है कि इस कदम से करोड़ों पात्र नागरिक दस्तावेजों के अभाव में मतदान के अपने अधिकार से वंचित हो जाएंगे।

संसद में खान और खनिज संशोधन विधेयक मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

मानसून सत्र

लोकसभा में विपक्ष के हंगामे से कार्यवाही बार-बार हुई स्थगित

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्षी दलों के सांसदों की नारेबाजी के कारण मंगलवार को भी लोकसभा की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल सकी और तीन बार के स्थगन के बाद बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। एसआईआर के मुद्दे को लेकर मानसून सत्र की शुरूआत से ही सदन में गतिरोध की स्थिति बनी हुई है।

संसद ने देश के खनन क्षेत्र के विनियमन और खनिजों के उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रावधानों वाले खान और खनिज संशोधन विधेयक, 2025 को मंगलवार को पारित कर दिया। राज्यसभा में इस विधेयक पर चर्चा तथा कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी के जवाब के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है।

उच्च सदन में इस विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्षी दलों के सदस्य मौजूद नहीं थे। विपक्षी सदस्यों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर सदन से बहिर्गमन किया था। रेड्डी ने विधेयक पर हुई चर्चा के जवाब में कहा कि इस विधेयक के माध्यम से खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 में छह संशोधन संसद के समक्ष लाए गए हैं जो खान क्षेत्र के हित में हैं। कहा कि आज दुनिया में अति महत्वपूर्ण (क्रिटिकल) खनिजों की बेहद मांग है और सोलर पैनल से लेकर विंड टर्मिनल तक, बिजली से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक, मोबाइल फोन से लेकर विमानों तक, खेती से लेकर रक्षा और अंतरिक्ष तक, हर क्षेत्र में इनकी जरूरत है।

पूर्व न्यायमूर्ति खन्ना ने समिति के समक्ष ईसी की अनियंत्रित शक्तियों की ओर इशारा किया

नई दिल्ली, एजेंसी

- देश में एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव वाले विधेयक पर रखी राय

पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मंगलवार को देश में एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव वाले विधेयक में निर्वाचन आयोग को दिए गए अनियंत्रित विवेकाधिकार पर सवाल उठाया और कहा कि चुनावों की आवृत्ति कम करने के प्रस्तावित कानून का उद्देश्य व्यावहारिक रूप से हमेशा पूरा नहीं हो सकता। सूत्रों ने यह बात कही।

भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली संसद की संयुक्त समिति के समक्ष पेश हुए न्यायमूर्ति खन्ना ने सुझाव दिया कि विधेयक में धारा 82ए(5) के तहत प्रावधान के दुरुपयोग के खिलाफ पर्याप्त सुरक्षा उपाय होने चाहिए, जो निर्वाचन आयोग को किसी अप्रत्याशित कारण से तब राज्य विधानसभा चुनाव स्थगित करने की सिफारिश करने की अनुमति देता है जब यह चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ संभव न हो सके। बैठक के बाद चौधरी ने संवाददाताओं से कहा कि यह सवाल उठाया गया कि क्या यह विधेयक संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ है। उन्होंने कहा, यह व्यापक रूप से स्वीकार किया गया कि विधेयक मूल ढांचे के विरुद्ध नहीं है। सूत्रों ने बताया कि खन्ना ने विधेयक के बारे में अपना आकलन संतुलित रखा और सदस्यों के प्रश्नों के उत्तर में कई कानूनी बिंदु रखे। समिति को पूर्व में 'एक राष्ट्र एक चुनाव' अवधारणा के रूप में ज्ञात अपने लिखित नोट में उन्होंने कहा था कि किसी प्रस्ताव की संवैधानिक वैधता किसी भी तरह से उसके प्रावधानों की वांछनीयता या आवश्यकता पर घोषणा नहीं है।

खन्ना ने कहा था कि संविधान संशोधन विधेयक के बारे में देश के संघीय ढांचे को कमजोर करने से संबंधित तर्क उठाए जा सकते हैं, क्योंकि उन्होंने इस अवधारणा का समर्थन और आलोचना करने वाले विभिन्न दावों को सूचीबद्ध किया था।

फर्जी एप को लेकर सीआरपीएफ ने जवानों को जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- संवेदनशील जानकारी को लेकर 3.25 लाख कर्मियों को चेताया

सीआरपीएफ ने अपने 3.25 लाख से अधिक कर्मियों को एक अनधिकृत मोबाइल एप के खिलाफ सतर्क किया है और चेताया है कि यह जवानों के महत्वपूर्ण व्यक्तिगत और संगठनात्मक विवरणों तक पहुंचने का प्रयास करके गंभीर सुरक्षा जोखिम पैदा करता है। सीआरपीएफ ने कहा कि यह फर्जी एप है, जो उसके प्रामाणिक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की नकल कर बनाया गया है।

अर्द्धसैन्य बल की सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शाखा द्वारा सोमवार को जारी एक परामर्श में कहा गया कि संभव एप्लीकेशन राइटर नाम के इस एप का विज्ञापन व्हाट्सएप और यूट्यूब सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया जा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि सीआरपीएफ ने सरकारी साइबर सुरक्षा एजेंसियों से ऑनलाइन प्ले स्टोर से इस अनधिकृत एप को हटाने को कहा है, क्योंकि उसके द्वारा इसे विकसित या अनुशंसित नहीं किया गया है। मूल एप का नाम सीआरपीएफ संभव है जिसका इस्तेमाल जवानों व अन्य कर्मियों द्वारा व्यक्तिगत और प्रशासनिक विवरण जैसे वेतन, वित्त, छुट्टियां और स्थानांतरण के संबंध में पात्रता की जांच करने के लिए किया जाता है।

महाराष्ट्र के बारिश प्रभावित जिलों में 6 लोगों की मौत, अगले 48 घंटे अहम

- उपनगरीय रेल सेवा प्रभावित, सभी सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालयों में अवकाश घोषित

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र के कई जिलों में भारी बारिश के बीच पिछले कुछ दिनों में छह लोगों की मौत हो गई है और सैकड़ों लोग विस्थापित हुए हैं। मुंबई में मंगलवार को भी भारी बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित रहा।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आपदा प्रबंधन विभाग के साथ बाढ़ के हालात की समीक्षा की और कहा कि अगले 48 घंटे मुंबई, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के लिए अहम होंगे और ये सभी हाई अलर्ट पर हैं। रात भर भारी बारिश जारी रहने के कारण, मुंबई के निचले इलाकों में पानी भर गया, जिससे उपनगरीय रेल सेवा प्रभावित हुई। इसके चलते बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने सभी सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया। भारी बारिश के कारण मुंबई उच्च न्यायालय में अपराह्न 12.30 बजे तक ही कामकाज हुआ। आम तौर पर अदालत में कामकाज सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक चलता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

वेस्ट वर्जीनिया में गोलीबारी में दो की मौत

माउंट कार्बन। अमेरिका के वेस्ट वर्जीनिया प्रांत में सोमवार को गोलीबारी की घटना में एक संदिग्ध बंदूकधारी सहित दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। 'फेयेट काउंटी' के शेरिफ जेस मैकमुलेन ने बताया कि गोलीबारी की यह घटना माउंट कार्बन में हुई। पुलिस को संदिग्ध बंदूकधारी अपने घर में मृत मिला, जिसकी मौत संभवत: खुद को गोली मारने से हुई। एक अन्य व्यक्ति पास के एक खुले गैरेज में मृत पाया गया। मैकमुलेन ने मीडिया संस्थानों को बताया कि तीन अन्य लोग गोली लगने से मामूली रूप से घायल हुए हैं और उनका उपचार किया जा रहा है। मृतकों की पहचान फिलहाल जारी नहीं की गई।

कतर ने कहा- गाजा में तत्काल हो युद्धविराम

यरूशलम। हमास द्वारा युद्ध विराम संबंधी एक प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त किए जाने के बाद प्रमुख मध्यस्थ कतर ने गाजा में युद्ध विराम की तत्काल आवश्यकता पर मंगलवार को बल दिया, लेकिन इजराइल ने अभी तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है और उसकी सेना गाजा के सबसे अधिक आबादी वाले कुछ क्षेत्रों पर आक्रमण की तैयारी कर रही है। लाखों आम नागरिकों के आश्रय वाले क्षेत्रों पर व्यापक हमले किए जाने की आशंका के बीच इजराइल के इस कदम की निंदा की जा रही है। पिछले 22 महीने से युद्ध झेल रहे अधिकतर फलस्तीनी गाजा में किसी भी जगह को सुरक्षित नहीं मानते।

पाकिस्तान में बारिश से अब तक 706 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने मंगलवार को कहा कि बारिश से संबंधित घटनाओं और बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 706 हो गई है। इस बीच, सेना ने बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में राहत अभियान तेज कर दिया है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने अपने नवीनतम आंकड़ों में बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान कम से कम 24 और लोगों की मौत हो गई, जिससे 26 जून से अब तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 706 हो गई है। बाढ़ संबंधी घटनाओं में घायलों की संख्या बढ़कर 965 हो गई है।

रूस के अस्पताल और तेल रिफाइनरी में आग

मॉस्को। दक्षिण-पश्चिमी रूसी शहर वोल्गोग्राद में गिराए गये यूक्रेनी ड्रोन के मलबे से एक अस्पताल और एक तेल रिफाइनरी में आग लग गई। क्षेत्रीय गवर्नर आंद्रे बोचारोव ने कहा, रूसी सेनाओं ने वोल्गोग्राद पर एक बड़े ड्रोन हमले को विफल कर दिया। शहर के दक्षिणी हिस्से में ड्रोन के टुकड़ों से अस्पताल संख्या 16 की इमारत की छत और एक स्थानीय तेल रिफाइनरी में आग लग गई।

लिंग परिवर्तन कराने वाले डॉक्टर को नए प्रमाणपत्र जारी करने का आदेश

इंफाल, एजेंसी

- मणिपुर हाईकोर्ट ने जारी किया ऐतिहासिक आदेश

मणिपुर हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक आदेश में राज्य चिकित्सा परिषद सहित सभी अधिकारियों को लिंग परिवर्तन सर्जरी कराने वाले एक डॉक्टर को नए नाम और लैंगिक पहचान के साथ नए शैक्षिक प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश दिया है।

जन्म से पुरुष, लेकिन ऑपरेशन के बाद महिला बन गई याचिकाकर्ता ने शिक्षा बोर्ड और विश्वविद्यालयों द्वारा नए नाम और लैंगिक पहचान के साथ नए प्रमाणपत्र प्रदान करने के उसके अनुरोध को स्वीकार न करने पर अदालत का रुख किया था। उसने नई पहचान के रूप में पहले ही आधार कार्ड, पैन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र प्राप्त कर लिया है।

न्यायमूर्ति ए. गुणेश्वर शर्मा की एकल पीठ ने 32 वर्षीय डॉ. बेयोन्सी लैशराम की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता जैविक रूप से पुरुष है और सभी प्रमाणपत्रों और दस्तावेजों में उसका नाम 'बोबोई लैशराम' दर्ज है। उसके कक्षा 10 और 12 के बोर्ड परीक्षा प्रमाणपत्रों, एमबीबीएस प्रमाणपत्र, चिकित्सा परिषद के साथ पंजीकरण और अन्य संबंधित दस्तावेजों में लैंगिक पहचान के तौर पर 'पुरुष' दर्ज है।

जनता को कितनी राहत देगा

जीएसटी का बदला रूप

वन नेशन वन टैक्स के नारे के साथ जीएसटी को देश में 2017 में लागू किया गया था। इसका उद्देश्य पूरे भारत में एक समान अप्रत्यक्ष कर प्रणाली लाने के साथ तमाम केंद्रीय और राज्य करों को हटाकर टैक्स ढांचे को सरल बनाना था। सरकार को उम्मीद थी कि इससे टैक्स चोरी रोकी जा सकेगी और उसकी आय में उछाल आएगा। लेकिन इसके जटिल ढांचे से ये उम्मीद और उद्देश्य पूरी तरह सफल नहीं हो पाया। छोटे और मध्यम व्यवसायों को विपरीत हालात से गुजरना पड़ा। अब जीएसटी की संरचना बदलने की तैयारी हो रही है। कहा जा रहा है कि अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ से पैदा होने वाली समस्याओं को भी जीएसटी रिफॉर्म से कुछ हद तक कम किया जा सकेगा। ऐसे में उम्मीद की जा सकती है कि इससे व्यापारियों और आम लोगों दोनों को राहत मिलेगी।

क्यों पड़ी जीएसटी रिफॉर्म की जरूरत

- स्लैब्स, दरों की जटिलता और ऊपर से सेस प्रमुख कारण, कई स्लैब्स से वर्गीकरण विवाद, दर में बार-बार परिवर्तन हुए और मुकदमेबाजी बढ़ी।
- इन्वर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर दूसरा कारण, टेक्सटाइल, फुटवेयर जैसे कई सेक्टरों में इनपुट पर ऊंची दर/आउटपुट पर कम दर और रिफंड देरी।
- एमएसएमई के लिए ई इनवॉइसिंग, ई वे बिल, जीआसटीआर-1/3बी आदि का भार, छोटे कारोबारियों के लिए सीखने और टेक की लागत।
- इनपुट टैक्स क्रेडिट विवाद, इस पर कई पाबंदियां, मिलान/मिसमैच, फर्जी इनवॉइसिंग का जोखिम और रिफंड में देरी भी प्रमुख कारण रहा।

रिफॉर्म के उद्देश्य

- स्लैब सरलीकरण कर 12% और 18% को करीब लाकर एक मानक दर स्थापित करना, 28% सेस को सीमित वस्तुओं तक समेटना।
- आईडीएस का स्थाई समाधान, रेट रीबैलेंसिंग या तेज और ऑटोमेटेड रिफंड। छोटे कारोबार के लिए सरल स्कीम, रिटर्न्स एकीकरण।
- रियल टाइम मिलान, फर्जी इनवॉइस पर लक्षित कार्रवाई, अपील ट्रिब्यूनल एकरूपता, एडवांस रूलिंग्स का राष्ट्रीय समन्वय।

राजस्व आय

- वित्तीय वर्ष 2021-22 में मासिक कलेक्शन 1.2 लाख करोड़ रुपये जो 2022-23 में 1.5 लाख करोड़, 2023-24 में 1.7 लाख करोड़ पहुंचा।
- वर्ष 2024 में जीएसटी का मासिक कलेक्शन 2 लाख करोड़ रुपये के स्तर को भी पार कर गया। सरकार ने इसे बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा।

आम लोगों को संभावित लाभ

- दरों की स्थिरता से रोजमर्रा की चीजो पर दरों में स्थायित्व और सरलीकरण से कीमत भ्रम कम होगा।
- जिन वस्तुओं की दरें नीचे आएंगी वे सस्ती, ऊपर जाएंगी तो महंगी, कम स्लैब से स्पष्टता में वृद्धि होगी।
- बेहतर सप्लाई चेन बनेगी, लॉजिस्टिक्स लागत-अटकाव घटने से अंतिम कीमतों पर दबाव कम होगा।
- छोटे कारोबारों के लिए कम कागजी कार्रवाई, तेज रिफंड, रोजगार-उपलब्धता पर सकारात्मक असर।

अर्थव्यवस्था पर संभावित असर

- उत्पादकता और दक्षता बढ़ेगी, कर घर्षण घटेगा, फॉर्मलाइजेशन तेज होगा। निवेश आकर्षण बढ़ेगा।
- नीति निश्चितता आएगी, लीकेज कम होकर बेस चौड़ा होगा, साथ में टिकाऊ राजस्व के विकल्प बनेंगे।
- यदि कुछ आइटम्स की दरें बढ़ीं तो अल्पकालिक महंगाई, सॉफ्टवेयर और प्रोसेस में बदलाव से दिक्कतें।
- रेट री-बैलेंसिंग में राज्यों की हिस्सेदारी और मुआवजे पर सहमति बनाना भी चुनौती साबित हो सकता है।
- पेट्रोलियम/बिजली/स्टाम्प ड्यूटी जैसे आइटम्स को भविष्य में सम्मिलित करने का रोडमैप, साथ ही ई-इनवॉइसिंग का सुव्यवस्थित विस्तार।

ट्रंप ने शुरू की पुतिन और जेलेंस्की के बीच आमना-सामना कराने की तैयारी

कहा- रूस का दोबारा हमला रोकने को करेंगे यूरोपीय सुरक्षा गारंटी का समर्थन

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध को समाप्त कराने के लिए दोनों देशों के नेताओं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की के बीच आमने-सामने की बैठक की तैयारी कर रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने साथ ही कहा कि अमेरिका यूरोपीय सुरक्षा गारंटी का समर्थन करेगा जिसका उद्देश्य वर्तमान संघर्ष समाप्त होने के बाद मॉस्को को अपने पड़ोसी देश यूक्रेन पर फिर से आक्रमण करने से रोकना है। हालांकि, सुरक्षा गारंटी और शांति वार्ता की योजना के संबंध में अभी विस्तार से उन्होंने कुछ नहीं बताया। 'व्हाइट हाउस' में ट्रंप, जेलेंस्की और अन्य यूरोपीय नेताओं के बीच सोमवार को एक लंबी बैठक हुई।

इस बैठक के सामाप्त होने पर नेताओं ने उम्मीद जताई कि ट्रंप भीषण युद्ध को समाप्त कराने के अपने चुनावी वादे को पूरा करने की दिशा में तेज गति से काम कर सकते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने संवाददाताओं से कहा, बैठक का सबसे अहम नतीजा यह रहा कि अमेरिका ने सुरक्षा गारंटी प्रदान करने के वास्ते हमारे साथ काम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। ट्रंप ने कहा कि वह जेलेंस्की और पुतिन के बीच बैठक की व्यवस्था में तेजी लाएंगे।

उन्होंने सोमवार को जेलेंस्की और ब्रिटेन, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी और इटली के नेताओं के साथ-साथ यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष और नाटो प्रमुख के साथ हुई बातचीत के दौरान पुतिन से भी फोन पर बात की। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, मैंने राष्ट्रपति पुतिन को फोन किया और पुतिन तथा जेलेंस्की के बीच एक निश्चित स्थान पर बैठक की तैयारियां शुरू कीं। उन्होंने कहा, उस बैठक के बाद, हम तीनों बैठक करेंगे जिसमें दोनों राष्ट्रपति और मैं शामिल होंगे। जेलेंस्की ने कहा कि व्हाइट हाउस में हुई यह वार्ता अब तक की सबसे अच्छी वार्ता रही है और वह पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए तैयार हैं।

पुतिन और जेलेंस्की की बैठक से खुलेगा रास्ता : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने पुतिन और यूरोपीय नेताओं के साथ हुई वार्ता को बहुत अच्छा बताते हुए कहा कि इसने संभावित जेलेंस्की-पुतिन शिखर सम्मेलन की दिशा में गति प्रदान की है। यह तीन साल से भी ज्यादा समय पहले रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद दोनों नेताओं के बीच पहली मुलाक़ात होगी। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल मंच पर लिखा, मुझे लगता है कि अगर हम उस बैठक तक पहुंच जाते हैं तो युद्ध समाप्त होने की ज्यादा संभावना होगी। ट्रंप ने कहा, किसी भी समझौते को स्थाई होना चाहिए न कि उसका उद्देश्य केवल संघर्ष रोकना होना चाहिए। अमेरिका राष्ट्रपति ने लिखा, रूस और यूक्रेन के लिए शांति की संभावना को लेकर हर कोई बहुत खुश है। उन्होंने युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करने के अपने वादे पर जोर दिया।

बातचीत रुके तो कड़े प्रतिबंध लगाने को तैयार रहे यूरोप : मैक्रों

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि इन वार्ताओं का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम यूक्रेन के लिए ठोस सुरक्षा गारंटी प्रदान करने के लिए अमेरिका की तत्परता थी जिसे उन्होंने एक निर्णायक बदलाव बताया। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की और पुतिन के बीच कोई भी बातचीत द्विपक्षीय होनी चाहिए और यह केवल युद्धविराम के तहत ही होनी चाहिए। उन्होंने ट्रंप की पुतिन के साथ समझौता करने की क्षमता के बारे में उनके विश्वास का स्वागत किया लेकिन चेतावनी भी दी कि बातचीत रुकती है तो यूरोप को कड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

जेलेंस्की की पत्नी ने मेलानिया को भेजा पत्र

जेलेंस्की ने ट्रंप से बातचीत के दौरान अपनी पत्नी का एक पत्र मेलानिया ट्रंप को सौंपा जिसमें उनके लिए एक निजी संदेश था। पत्र में उनकी ओर से युद्ध रोकने के लिए पुतिन को की गई अपील के लिए उनका धन्यवाद किया गया था। बैठक में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने युद्ध के दौरान रूस की ओर से अपहृत यूक्रेनी बच्चों की दुर्दशा का मुद्दा उठाया। ट्रंप ने भी लापता बच्चों की समस्या को एक विश्वव्यापी संकट बताया।

परमाणु हथियारों के साथ अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास पर भड़के किम जोंग

सियोल, एजेंसी

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच जारी सैन्य अभ्यास की निंदा की साथ ही दुश्मनों का मुकाबला करने के लिए देश की परमाणु ताकत को तेजी से बढ़ाने का संकल्प लिया।

किम ने यह बात परमाणु-सक्षम प्रणालियों से लैस सबसे उन्नत युद्धपोत का निरीक्षण करने के दौरान कही। किम जोंग उन ने सोमवार को ठीक उस समय पश्चिमी बंदरगाह नम्पो का दौरा किया जब दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने अपना वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' शुरू किया। दोनों देशों का यह अभ्यास परमाणु-हथियार संपन्न उत्तर कोरिया से उत्पन्न खतरों का बेहतर ढंग से मुकाबला करने की तैयारियों का हिस्सा है।

- युद्ध भड़काने की कोशिश का आरोप, अपनी परमाणु ताकत को तेजी से बढ़ाने का किया एलान

यह 11 दिवसीय अभ्यास साल में दो बार होने वाले बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास में से दूसरा है। इसमें 21,000 सैनिक शामिल हैं, जिनमें 18,000 दक्षिण कोरियाई हैं और इसमें कंप्यूटर-आधारित कमांड पोस्ट संचालन तथा मैदानी प्रशिक्षण शामिल हैं। दक्षिण कोरिया और अमेरिका का कहना है कि यह अभ्यास रक्षात्मक है लेकिन उत्तर कोरिया लंबे समय से इन्हें हमले की तैयारी बताता आया है और अक्सर ऐसे मौकों पर हथियार परीक्षण करता है।

उत्तर कोरिया की समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' की खबर के अनुसार अप्रैल में पहली बार प्रदर्शित किए गए 5,000 टन क्षमता वाले युद्धपोत 'चोए ह्योन' का निरीक्षण करते समय किम जोंग उन ने कहा कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया का संयुक्त सैन्य अभ्यास शत्रुता और उनकी युद्ध भड़काने की इच्छा को दर्शाता है। उत्तर कोरियाई नेता ने दावा किया कि इन सैन्य अभ्यासों में परमाणु हथियार शामिल किए जाने से ये पहले से ज्यादा उकसावे वाली गतिविधि बन गए हैं।

अब यूक्रेन को हथियार नहीं देंगे: मार्को रुबियो

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि उनका देश अब यूक्रेन को हथियार देने में दिलचस्पी नहीं रखता है और इसके बजाय नाटो के ज़रिए यूरोपीय देशों से भुगतान प्राप्त कर उन्हें हथियार बेचेगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और कई यूरोपीय राष्ट्राध्यक्षों के साथ बैठक के बाद 'फॉक्स न्यूज़' को दिए एक साक्षात्कार में रूबियो ने कहा, हम अब यूक्रेन को ना हथियार दे रहे हैं और ना ही पैसा दे रहे हैं।

अमेरिकी दबाव के बीच जयशंकर रूस की तीन दिवसीय यात्रा पर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत-रूस की समय की कसौटी पर खरी उतरी साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से मंगलवार को मॉस्को की तीन दिवसीय यात्रा शुरू की है।

यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 50 प्रतिशत शुल्कर के फैसले से भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव है। इस शुल्क में रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर लगाया गया 25 प्रतिशत का जुर्माना भी शामिल है। विदेश मंत्रालय ने जयशंकर की यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि वह व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग के बुधवार को होने वाले 26वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्री और रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव के आईआरआईजीसी-टीईसी की सह-अध्यक्षता करने का कार्यक्रम है।

निमिषा प्रिया के लिए मदद मांगने का दावा फर्जी :विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर किए जा रहे उन दावों को मंगलवार को फर्जी बताकर खारिज किया जिनमें यमन में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया से संबंधित मामले में सरकार द्वारा निर्दिष्ट बैंक खाते में 'मौद्रिक अंशदान' मांगने की बात कही गई है।

मंत्रालय की तथ्य जांच टीम के 'एक्स' हैंडल एमईए फैक्टचेक ने एक 'एक्स' उपयोगकर्ता द्वारा किए गए पोस्ट का स्क्रीनशॉट भी साझा किया जिसमें इस तरह के दावे किए गए हैं। उन्नीस अगस्त को उपयोगकर्ता द्वारा किए गए पोस्ट में 'सेव निमिषा प्रिया' लिखा एक पोस्टर और कुछ 'बैंक लेनदेन' विवरण भी है। एमईए फैक्टचेक ने पोस्ट किया, हमने सोशल मीडिया पर निमिषा प्रिया मामले में भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट बैंक खाते में धन जमा करने की मांग के दावे देखे हैं। यह एक फर्जी दावा है। भारत ने एक अगस्त को कहा था कि वह निमिषा प्रिया के मामले में हरसंभव सहायता प्रदान करना जारी रखेगा। केरल की नर्स को जुलाई 2017 में हुई एक यमनी नागरिक की हत्या की घटना का दोषी पाया गया है। उसे वहां मौत की सजा सुनाई गई है।

सुनक को हत्या की धमकी देने के मामले में युवक दोषी करार

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान ऋषि सुनक को नस्ली आधार पर हत्या की धमकी भरा ई-मेल भेजने के मामले में 21 वर्षीय एक व्यक्ति को अदालत ने दोषी करार देते हुए 14 सप्ताह कारावास और दो वर्ष के लिए निरोधक आदेश की सजा सुनाई। सुनक को पिछले साल जून में धमकी दी गई थी। ब्रिटेन की क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस ने बताया कि मर्सीसाइड के बर्केनहेड निवासी लियाम शॉ ने यॉर्कशायर के रिचमंड और नॉर्थहेलर्टन से सुनक के सरकारी पते पर धमकी भरे और आपत्तिजनक ईमेल भेजे थे।

ताइवान पर भारत के रुख में कोई बदलाव नहीं

चीनी मीडिया में आईं ताइवान को चीन का हिस्सा मानने की खबरें, भारत ने किया खंडन

नई दिल्ली, एजेंसी

ताइवान पर भारत के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और नई दिल्ली के ताइवान के साथ आर्थिक, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक संबंधों पर आधारित रिश्ते हैं। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह साफ किया।

यह स्पष्टीकरण ऐसे वक्त में आया है जब चीनी मीडिया में खबरें हैं कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात के दौरान यह पुनः पुष्टि की कि नई दिल्ली ताइवान को चीन का हिस्सा मानता है। जयशंकर की वांग से बातचीत उनके दो दिवसीय दौरे पर भारत आने के तुरंत बाद सोमवार शाम को हुई।

सरकारी सूत्रों ने कहा, ताइवान पर हमारे रुख में कोई बदलाव नहीं है। उन्होंने कहा, हमने जोर दिया कि बाकी दुनिया की तरह भारत का भी ताइवान से संबंध है, जो आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक रिश्तों पर केंद्रित है। हम इसे जारी रखना चाहते हैं। भारत और ताइवान के बीच औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं, फिर भी दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध प्रगाढ़ हो रहे हैं। भारत ने 1995 में ताइपे में भारत-ताइपे संघ की स्थापना की थी ताकि दोनों पक्षों के बीच संपर्क को बढ़ावा दिया जा सके और व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुगम बनाया जा सके।

वांग ने किया ताइवान से समझौता न करने का आग्रह

सूत्र ने बताया कि सोमवार की बैठक में वांग ने भारतीय पक्ष से ताइवान के साथ कोई समझौता न करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि वांग के आह्वान पर जयशंकर ने आश्चर्य जताया कि यह कैसे संभव है, जब चीन स्वयं ताइवान के साथ उन्हीं क्षेत्रों में सहयोग कर रहा है, जिनमें भारत कर रहा है। सूत्रों ने कहा कि चीनी विदेश मंत्रालय ने जयशंकर के बयान को गलत तरीके से उद्धृत किया। अतीत में भारत ने 'एक चीन' नीति का समर्थन किया था, लेकिन 2011 के बाद से यह किसी द्विपक्षीय दस्तावेज़ में शामिल नहीं है। चीन अक्सर भारत से 'एक-चीन' नीति का पालन करने का आह्वान करता रहा है।

भारत के बाद वांग यी पाकिस्तान जाएंगे

नई दिल्ली। भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आए चीन के विदेश मंत्री वांग यी, अपने पाकिस्तानी समकक्ष और उप-प्रधानमंत्री मोहम्मद इशाक डार से बातचीत के लिए बुधवार को पाकिस्तान रवाना होंगे।

चीनी विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए कहा कि चीन-पाकिस्तान विदेश मंत्रियों की रणनीतिक वार्ता के छठे दौर के लिए वांग यी 20 से 22 अगस्त तक पाकिस्तान में रहेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने चीन और पाकिस्तान को बेहद भरोसेमंद और सदाबहार मित्र बताते हुए कहा कि दोनों पक्ष व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने के लिए गहन संवाद करेंगे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 20 अगस्त, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वादशी 13 .58 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

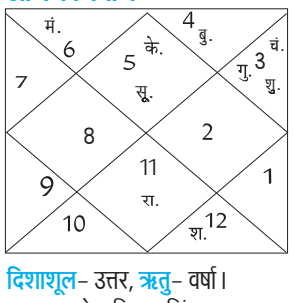

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल-मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।

ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-पुनर्वसु 21 अगस्त 12 .27, तक तत्पश्चात पुण्य।

मेष — आज आप कुछ दिनों की छुट्टियों को लेकर योजना बना सकते हैं। ऑनलाइन कारोबार में बड़ा लाभ मिल सकता है। लोग आपके ऊपर पूर्ण विश्वास रखेंगे। विदेश में शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वृष — आज आपसे ईर्ष्या रखने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ सकती है। व्यवसाय में आपको थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। अधिक सोच-विचार के चक्कर में काम बिगड़ सकते हैं। छोटे बच्चों को डांटने के बजाय उन्हें समझाएं।

मिथुन — आज अपने विचारों को दूसरों पर थोपने से बचें। आयात-निर्यात वाले व्यवसाय से आपको धन लाभ होगा। परिवार में आपसी सामंजस्य में वृद्धि होगी। नया वाहन खरीद सकते हैं। भोग-विलास का भरपूर आनन्द उठायेंगे। देव स्थल की यात्रा के लिए जा सकते हैं।

कर्क — आज कार्यक्षेत्र में लोगों के मनोभावों को इग्नोर न करें। पति-पत्नी के बीच मीठी नोक-झोंक होने की संभावना है। छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है। आज आपको लंबी यात्रा करने से बचना चाहिए। रक्तचाप के रोगियों को कुछ परेशानी हो सकती है।

सिंह — आज समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। माता-पिता का आशीर्वाद लेना न भूलें। आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। मित्र के सहयोग से आपको धन लाभ मिलने की संभावना बन रही है। शत्रुओं के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ेगा।

कन्या — आज कार्यक्षेत्र की उलझनों को सुलझाने में मेहनत करनी पड़ेगी। अधिकारी वर्ग से आपको काफी समर्थन मिलेगा। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेमभाव में वृद्धि होगी। धार्मिक आयोजन की संभावना बन रही है। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

तुला — आज आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। दिखावे के चक्कर में अपना नुकसान करा सकते हैं। व्यापार में प्रभावशाली लोगों से आपके संपर्क मजबूत होंगे। कई दिनों से चली आ रही समस्या का समाधान मिलेगा। विदेश से नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं।

वृश्चिक — आज वैवाहिक संबंधों में तनाव उत्पन्न होने की संभावना है। नए सहयोगियों से आपको सावधान रहना चाहिए। शेयर मार्केट में बड़ा निवेश करने से आपको बचना चाहिए। गर्मी और उमस के कारण माइग्रेन का दर्द उभर सकता है। घूमने-फिरने में समय बर्बाद होगा।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आपका विरोध करने वाले लोगों की आलोचना हो सकती है। कानूनी मामलों में विजय मिलने की प्रबल संभावना है। अपने लोगों की सलाह लेने से पीछे न हटें। परिवार के छोटे बच्चे आपसे प्रसन्न रहेंगे। आपके मन में विचारों का आधिक्य रहेगा।

मकर — आज नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। प्रेमी जन से झगड़ा हो सकता है। तीखा भोजन करने से बचें। आपके काम का श्रेय दूसरे लोग ले सकते हैं। पहले किए गए प्रयासों का उत्तम परिणाम मिलेगा।

कुंभ — आज आप अपने लक्ष्यों को लेकर थोड़े दबाव में रहेंगे। सरकारी काम में बाधा आ सकती है। अधीनस्थ कर्मचारियों से अपेक्षानुकूल सहयोग नहीं मिल पायेगा। कोई भी काम करने से पूर्व मित्रों से विचार-विमर्श अवश्य कर लें।

मीन — आज व्यावसायिक अनुबंध करने से पहले दस्तावेजों को संभालकर रख लें। आप लोगों की सहायता के लिए तैयार रहेंगे। लेकिन लोग मौका पड़ने पर आपको धोखा दे सकते हैं। अपनी वाणी पर संयम रखें। कार्यक्षेत्र में आपके काम पर लोग नजर बनाये रखेंगे।

सुडोकू-74

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8		4			6	1	
	1			6				9
			3	5			2	
		5				3		8
4			8		6			2
8		7		9		1		
	5				7			
2				3			4	
	6	9			4		5	

सुडोकू - 73 का हल

6	1	4	3	7	9	5	2	8
3	5	7	1	2	8	4	6	9
2	8	9	5	6	4	3	1	7
4	7	5	9	1	3	6	8	2
8	3	2	7	5	6	9	4	1
9	6	1	4	8	2	7	5	3
1	4	6	8	3	7	2	9	5
7	2	8	6	9	5	1	3	4
5	9	3	2	4	1	8	7	6

“तीसरा सलामी बल्लेबाज जायसवाल है तो टीम में से एक को हटाकर शुभमन गिल को ले आए। मैं शुभमन के लिए खुश हूं लेकिन श्रेयस और जायसवाल के लिए दुखी हूं। दोनों के साथ अच्छा नहीं हुआ।

–रविचंद्रन अश्विन, पूर्व आफ स्पिनर

हाईलाइट

सिंकफील्ड: प्रज्ञाननंदा ने गुकेश को हराया

सेंट लुई (अमेरिका)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराकर लाइव विश्व रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। प्रज्ञाननंदा अब अमेरिका के लेवोन अरोनियन के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने पहले राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया। पहले राउंड के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारूआना ने पोलैंड के डुडा जान–क्रिजस्टोफ के साथ ड्रा खेला, जबकि वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले सैमुअल सवियन ने अपने अमेरिकी हमवतन वेस्ली सो के साथ अंक बांटे। फ्रांस के मैक्सिम वचियर–लाग्रेव ने भी हमवतन अलीरेजा फिरौजा के साथ ड्रा खेला। अभी प्रज्ञाननंदा और अरोनियन के बाद छह खिलाड़ी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं, जबकि गुकेश और अब्दुसत्तोरोव को अभी खाता खोलना है।

पीसीबी: बाबर-रिजवान श्रेणी बी में खिसके

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को केंद्रीय अनुबंध पाने वाले खिलाड़ियों की सूची जारी की जिसमें पूर्व कप्तान बाबर आजम और वर्तमान वनडे कप्तान मोहम्मद रिजवान को एक पायदान नीचे श्रेणी ‘बी’ में रखा गया है। पीसीबी को असल में कोई भी क्रिकेटर एलीट श्रेणी में शामिल होने लायक नहीं लगा और उसने 30 खिलाड़ियों को श्रेणी ‘बी’, ‘सी’ और ‘डी’ में रखा है। केंद्रीय अनुबंध एक जुलाई से प्रभावी माना जाएगा।

रबाडा चोटिल होने से वनडे श्रृंखला से बाहर

केर्न्स (ऑस्ट्रेलिया)। दक्षिण अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे श्रृंखला से पहले तब करारा झटका लगा जब उसके तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा टखने की चोट से बाहर हो गए। रबाडा का सोमवार को स्कैन हुआ जिसमें उनके दाहिने टखने में सूजन की पुष्टि हुई। रबाडा ऑस्ट्रेलिया में टीम के साथ रहेंगे और रिहैबिलिटेशन से गुज़रेंगे। पिछले सप्ताह टी–20 श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट लेने वाले केवेना मफाका को रबाडा की जगह टीम में शामिल किया गया, लेकिन पहले वनडे के लिए उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं दी गई।

ब्रिटिश खिलाड़ी एडमंड ने टेनिस से लिया संन्यास

लंदन। ब्रिटेन के पूर्व नंबर टेनिस खिलाड़ी काइल एडमंड ने 30 वर्ष की उम्र में खेल से संन्यास लेने की घोषणा की। एडमंड ने दो एटीपी खिताब जीते और 2018 में एंडी मरे के बाद ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले केवल दूसरे ब्रिटिश खिलाड़ी बने। वह 79 वर्षों में पहली बार डेविस कप जीतने वाली ब्रिटिश टीम का हिस्सा थे और उन्होंने 2016 में ओलंपिक खेलों में भी अपने देश का प्रतिनिधित्व किया था। एडमंड अपने करियर के दौरान घुटने की चोट से परेशान रहे जिसके लिए उन्हें तीन ऑपरेशन कराने पड़े।

एशिया कप : गिल बने उप कप्तान, बुमराह को मिला मौका

ग्रुप ए में भारत के साथ पाकिस्तान, ओमान और यूएई, टूर्नामेंट 9 सितंबर से

मुंबई, एजेंसी

टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टी-20 का उपकप्तान बनाया गया है जबकि जसप्रीत बुमराह की लंबे समय के बाद छोटे प्रारूप में वापसी हुई है। खिलाड़ियों के विकल्प में अधिकता से टीम में दो आईपीएल फाइनल खेलने और 2024 में खिताब जीतने वाले बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को मौका नहीं मिला है।

गिल ने अपना पिछला टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच 2024 में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। वह अब सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाली टीम में अक्षर पटेल की जगह उप-कप्तान होंगे। भारत को एशिया कप के ग्रुप ए में पाकिस्तान, ओमान और यूएई के साथ रखा गया है। गिल को टीम में लेना कोई हैरानी की बात नहीं थी। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में पांच मैचों की ड्रॉ (2-2) रही श्रृंखला में चार शतक जड़े थे। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने टीम की घोषणा के दौरान कहा, गिल ने इंग्लैंड दौरे पर उम्मीद से बढ़कर प्रदर्शन किया। टीम प्रबंधन को हालांकि गिल को लेकर सोच-विचार करना होगा क्योंकि अभिषेक शर्मा व संजू सैमसन ने पिछले कुछ समय से शीर्ष क्रम में प्रभावी जोड़ी बनाई है। अब (शीर्ष क्रम के लिए) अधिक विकल्प हैं और शुभमन वैसे भी शानदार लय में हैं। यह टीम जब दुबई पहुंचेगी तो प्रतिद्वंद्वी टीम और परिस्थितियों के अनुसार अंतिम एकादश पर फैसला कर सकते हैं। टीम के पास सैमसन से मध्यक्रम में बल्लेबाजी कराने का विकल्प होगा।

उन्होंने कहा कि सैमसन इसलिए खेल (सलामी बल्लेबाज) रहे थे क्योंकि उस समय शुभमन और यशस्वी (जायसवाल) उपलब्ध नहीं थे। अभिषेक ने ऐसा प्रदर्शन किया है कि उन्हें टीम से बाहर रखना मुश्किल है। वह गेंदबाजी में भी योगदान दे सकते हैं। गिल ने पिछली बार जब टी20 क्रिकेट खेला था, तब वह उप-कप्तान थे। पिछले विश्व कप के बाद ही वह हमारी योजना का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब जब वह उपलब्ध हैं, तो सूर्यकुमार के पास दो विकल्प हैं।

कुलदीप और जितेश भी 15 सदस्यीय टीम में

बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भी टीम में है, जबकि जितेश शर्मा दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज होंगे। जितेश एक साल में टी–20 बल्लेबाज के तौर पर काफी विकसित हुए हैं। यशस्वी चयनकर्ताओं द्वारा चुने गए पांच स्टैंडबाय (वैकल्पिक) खिलाड़ियों में है। अभिषेक शर्मा के शीर्ष क्रम में प्रदर्शन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप–कप्तान), अभिषेक शर्मा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, जितेश शर्मा, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, संजू सैमसन, हर्षित राणा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव। स्टैंडबाय खिलाड़ी : प्रसिद्ध कृष्णा, वॉशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल।

बड़े मुकाबलों के लिए बुमराह उपलब्ध रहें : अगरकर

मुंबई। जसप्रीत बुमराह के काम के बोझ के प्रबंधन की योजना को लेकर आलोचनाओं के बावजूद मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने मंगलवार को कहा कि इस दिग्गज तेज गेंदबाज को लेकर योजना में कोई बदलाव नहीं होगा क्योंकि वे चाहते हैं कि वह सभी बड़े मुकाबलों के लिए उपलब्ध रहे। बुमराह को यूएई में नौ सितंबर से होने वाले एशिया कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टी20 टीम में शामिल किया गया है। काम के बोझ के प्रबंधन के कारण बुमराह इंग्लैंड में एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी के पांच में से तीन मैच में ही खेले थे जिसके कारण कुछ आलोचना भी हुई थी। महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम की घोषणा के दौरान अगरकर ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इस समय कोई लिखित योजना है। बेशक, इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाद अच्छा ब्रेक मिला है। टीम प्रबंधन या फिजियो या संबंधित लोग हमेशा संपर्क में रहते हैं। अभी ही नहीं बल्कि चोट लगने से पहले भी हम उसका ध्यान रखते थे क्योंकि हमें पता है कि वह कितना महत्वपूर्ण है। अगरकर ने कहा कि बुमराह को भविष्य के महत्वपूर्ण मैचों के लिए उपलब्ध रखना जरूरी है। जाहिर है कि हम चाहते हैं कि वह सभी बड़े मुकाबलों के लिए उपलब्ध रहे। मैं जानता हूं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हर मैच बड़ा होता है लेकिन विश्व कप, चैंपियन्स ट्रॉफी या इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी श्रृंखला होती हैं। दो–तीन साल में लगी चोट से उस पर ध्यान है। उस पर अतिरिक्त नजर है क्योंकि वह विशेष है और इसमें बदलाव नहीं होगा, फिर यह चाहे अगली श्रृंखला हो या छह महीने बाद। अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के समीप होने से महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए बुमराह की उपलब्धता को लेकर संशय था। लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें चुनने का फैसला किया और पिछले साल के विश्व कप के बाद यह बुमराह का पहला टी20 टूर्नामेंट होगा।

गिल की वापसी से खुश हूं, जितेश ने बनाई अपनी जगह: सूर्यकुमार

शुभमन गिल को तीनों प्रारूपों में भारत के भविष्य के कप्तान के रूप में देखा जा रहा है और मौजूदा टी–20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए उन्हें अपना उप–कप्तान बनाकर खुश हैं। गिल अब भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान है। एशिया कप के लिए मंगलवार को घोषित 15 सदस्यीय टीम का उन्हें उप–कप्तान बनाया गया है। टीम में उनका चयन चयनकर्ताओं की ओर से स्पष्ट संकेत है कि वे सूर्यकुमार यादव (टी–20) और रोहित शर्मा (वनडे) के बाद गिल को सभी प्रारूपों में कप्तान के तौर पर देख रहे हैं। गिल पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए टी–20 विश्व कप की चैंपियन भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने हालांकि आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया और फिर इंग्लैंड के टेस्ट दौरे में भी कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर कमाल का प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार ने कहा, गिल ने जब पिछली बार भारत के लिए टी–20 मैच खेला था तब टी–20 विश्व कप (2024) के बाद हम श्रीलंका गए थे (जुलाई 2024 में)। मैं उस समय कप्तान था और वह उप–कप्तान थे। हमने तब अगले टी–20 विश्व कप के लिए एक नया चक्र शुरू किया था। उसके बाद वह टेस्ट श्रृंखलाओं में व्यस्त हो गए। उन्हें टी–20 क्रिकेट खेलने का मौका नहीं मिला, क्योंकि वह टेस्ट क्रिकेट के साथ चैंपियंस ट्रॉफी में भी व्यस्त थे। वह अब टीम में हैं और हमें खुशी है कि वह हमारे साथ हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि पिछले टी20 विश्व कप के बाद हमने इस बारे में बहुत बात की कि कैसे आगे बढ़ना है। खिलाड़ी के तौर पर उन्होंने काफी बदलाव और सुधार किये हैं। उन्होंने आईपीएल और घरेलू टूर्नामेंटों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप

तन्वी, उन्नति व भार्गव भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा और उन्नति हुड्डा, भार्गव राम अरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरू छह से 19 अक्टूबर तक गुवाहाटी में होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में 25 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। भारतीय टीम में एशियाई जूनियर चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता वेन्नाला कलागोटला और रक्षिता श्री भी शामिल हैं, जिससे यह इस प्रतिष्ठित जूनियर प्रतियोगिता के लिए सबसे मजबूत भारतीय टीम बन गई है।

सुहांदिनाता कप (मिश्रित टीम चैंपियनशिप) 6-11 अक्टूबर तक खेला जाएगा, जिसके बाद 13-19 अक्टूबर तक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में व्यक्तिगत स्पर्धाएं होंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने कहा कि हम इसको लेकर बहुत उत्साहित हैं कि भारत अपने घरेलू मैदान पर विश्व जूनियर चैंपियनशिप के लिए मजबूत टीम उतारेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी पोडियम पर पहुंचने में सफल रहेंगे। भारत ने आखिरी बार 2008 में इस टूर्नामेंट की मेज़बानी की थी। तब साइना नेहवाल स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय शटलर बनीं थीं, जबकि आरएमवी गुरु साई दत्त ने लड़कों के एकल वर्ग में कांस्य पदक जीता था। देश ने अब तक इस प्रतियोगिता में चार रजत और छह कांस्य सहित 11 पदक जीते हैं।

भारतीय टीम

लड़कों के एकल (अंडर19) : रौनक चौहान, ज्ञान दत्तू टी.टी., लालथज़ुआला एच, सूर्याक्ष रावत
लड़कियों के एकल (अंडर19) : तन्वी शर्मा, वेन्नाला कलागोटला, उन्नति हुडा, रक्षिता श्री एस.
लड़कों के युगल (अंडर19) : सुमिथ ए.आर./भाव्या छाबड़ा, भार्गव राम अरिगेला/विश्व तेज गोबुरु, विष्णु केदार कोडे/मिथिलेश पी. कृष्णन
लड़कियों के युगल (अंडर19) : वेन्नाला कलागोटला/रेशिका यू, गायत्री रावत/मनसा रावत, आन्या बिष्ट/एंजेल पुनेरा
मिश्रित युगल (अंडर19) : भाव्या छाबड़ा/विशाखा टोप्पो, लालरामसंगा सी/तारिणी सूरी, विष्णु केदार कोडे/कीर्ति मनचला, वंश देव/डियांका वाल्डिया।

महिला विश्व कप : रेणुका टीम में, शेफाली बाहर

मुंबई, एजेंसी

फिटनेस हासिल करने वाली तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर और शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रतीका रावल ने एक दिवसीय क्रिकेट विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह बना ली है जबकि आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा को मौका नहीं मिल सका है। वनडे विश्व कप 30 सितंबर से भारत में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के पहले मैच में भारत श्रीलंका से भिड़ेगा।

हमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम का ऐलान मंगलवार को किया गया। 14 वनडे में शानदार प्रदर्शन करने वाली रावल को आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली पर तरजीह दी गई है। चयनकर्ताओं ने 14 सितंबर से आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले तीन वनडे मैचों के लिए भी टीम का चयन किया है।

हरमनप्रीत और मुख्य चयनकर्ता नीतू डेविड ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्यालय में टीम की घोषणा के बाद मीडिया से बात की। भारत पर घरेलू मैदान पर खिताब जीतने का दबाव होगा क्योंकि उसने अब तक कोई विश्व खिताब नहीं जीता है और पूरी संभावना है कि 36 वर्षीय हरमनप्रीत आखिरी एकदिवसीय विश्व कप खेलेंगी। पूर्व भारतीय स्पिनर नीतू ने कहा कि सलामी बल्लेबाज के लिए शेफाली के नाम पर चर्चा हुई लेकिन रावल को तरजीह दी गई। उन्होंने हालांकि कहा कि शेफाली योजनाओं का हिस्सा बनी रहेंगी। नीतू ने कहा कि शेफाली ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ श्रृंखला खेली थी। वह हमारी योजनाओं में है। हमारी नजर उस पर है। उम्मीद करते हैं कि वह अधिक मैच खेलेगी और अनुभव हासिल करेगी। इससे भविष्य में 50 ओवर के प्रारूप में भारत के लिए खेलने में मदद मिलेगी। हम शेफाली के लिए लंबा करियर चाहते हैं। रेणुका की चोट से वापसी पर उन्होंने कहा कि रेणुका हमेशा से एक अनमोल खिलाड़ी रही हैं। उन्हें कुछ छोटी-मोटी चोट थी लेकिन अब वह उपलब्ध है। इस विश्व कप के लिए वह हमारी मुख्य खिलाड़ी है।

विश्व कप व ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के समान टीम चुनी गई है। अमनजोत कौर को विश्व कप तक फिट होने का समय दिया गया है और एकदिवसीय श्रृंखला के लिए उनकी जगह सयाली सतघारे को टीम में जगह मिली है। कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि वह (अमनजोत) हमारी महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक है। वह अभी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में है और छोटी-मोटी चोटों पर काम कर रही है।

विश्व कप टीम : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतीका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रौड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, रिचा घोष, क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया और स्नेह राणा।

वनडे के लिये टीम : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतीका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रौड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, रिचा घोष, क्रांति गौड़, सयाली सतघारे, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया और स्नेह राणा।

पाकिस्तान और ओमान की जगह खेलेंगे बांग्लादेश-कजाखस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

एशिया कप पुरुष हॉकी

पाकिस्तान और ओमान की जगह बिहार के राजगीर में 29 अगस्त से होने वाले पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में बांग्लादेश और कजाखस्तान खेलेंगे। मंगलवार को जारी टूर्नामेंट के कार्यक्रम में यह जानकारी दी गई।

मेजबान भारत को चीन, जापान और कजाखस्तान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है जबकि पूल बी में मलेशिया, कोरिया, चीनी ताइपे और बांग्लादेश को जगह मिली है। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट के विजेता को नीदरलैंड और बेल्जियम में 2026 में होने वाले विश्व कप में सीधे जगह मिलेगी। मलेशिया और बांग्लादेश के मैच के साथ 29 अगस्त को टूर्नामेंट की शुरुआत होगी जबकि पहले दिन के अंतिम मुकाबले में भारत और चीन आमने-सामने होंगे।

राष्ट्रपति की मंजूरी से अधिनियम बना खेल विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

- बीसीसीआई को प्रभावी रूप से दायरे से रखा गया है बाहर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मंजूरी के साथ ही राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक अधिनियम बन गया है। इस विधेयक में भारत के खेल प्रशासन में व्यापक स्तर पर सुधार का वादा किया गया है।

केंद्र सरकार द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रपति की मंजूरी सोमवार को मिल गई। संसद के अधिनियम को 18 अगस्त को राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त हुई और इसे सामान्य जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है - राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025। मूल विधेयक में दो प्रमुख संशोधन किए गए हैं। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के दायरे को सीमित कर केवल उन खेल निकायों को इसमें शामिल किया गया है जो सरकारी धन और सहायता पर निर्भर हैं।

इस तरह से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को प्रभावी रूप से इसके दायरे से बाहर रखा गया है। क्रिकेट बोर्ड आरटीआई के दायरे में आने का विरोध कर रहा था क्योंकि वह सरकारी धन पर निर्भर नहीं है। किसी मान्यता प्राप्त खेल संगठन को, जो उप-धारा (1) के तहत केंद्र सरकार या राज्य सरकार से अनुदान या कोई अन्य वित्तीय सहायता प्राप्त करता है, ऐसे अनुदान या किसी अन्य वित्तीय सहायता के उपयोग के संबंध में आरटीआई के तहत सार्वजनिक प्राधिकरण माना जाएगा। राष्ट्रीय महासंघों में शीर्ष पदों के उम्मीदवारों को कार्यकारी समिति में केवल एक कार्यकाल पूरा करना होगा। पहले यह दो कार्यकाल था।

सिनर के रिटायर होने पर अल्काराज जीते

सिनसिनाटी (अमेरिका), एजेंसी

सिनसिनाटी ओपन टूर्नामेंट

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर के अस्वस्थ होने से पहले सेट से रिटायर होने के बाद कार्लोस अल्काराज ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम सुरक्षित किया। यह दोनों खिलाड़ी इस साल चौथी बार और विंबलडन के बाद पहली बार फ़ाइनल में आमने-सामने थे लेकिन सिनर की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले सेट में लगातार गलतियों के कारण वह 5-0 से पीछे हो गए।

ब्रेक के दौरान उनके सिर पर आइस पैक देखा गया और सिर्फ़ 22 मिनट खेलने के बाद ही उन्होंने मैच से हटने का फैसला किया। सिनर ने कहा कि कल से मुझे कुछ ख़ास अच्छा नहीं लग रहा था। मुझे लगा था कि रात में स्थिति में सुधार हो जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैं बस दर्शकों के लिए कोर्ट पर उतरने की कोशिश कर रहा था, लेकिन मेरे लिए खेल जारी रखना बहुत मुश्किल हो गया था।

सिनसिनाटी ओपन में यह केवल तीसरा अवसर था जब किसी खिलाड़ी के हटने के कारण पुरुष वर्ग का फाइनल पूरा नहीं हो पाया। इससे पहले आखिरी बार 2011 में ऐसा हुआ था जब नोवाक जोकोविच ने कंधे की चोट के कारण दूसरे सेट में मैच से हटने का फैसला किया था। इससे सिनर का हार्ड कोर्ट पर लगातार 26 मैच जीतने का सिलसिला भी टूट गया।

इगा ने जैस्मीन को हराकर खिताब किया अपने नाम

विश्व में तीसरी रैंकिंग की खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने सातवें नंबर की जैस्मीन पाओलिनी को हराकर पहली बार सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। स्वियातेक अपने पिछले छह मुकाबलों में सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई थीं। वह दो वर्षों में सिनसिनाटी में सेमीफाइनल तक पहुंची थीं, 2023 में कोको गॉफ और 2024 में एरीना सबालेंका से हार गईं थी। स्वियातेक ने इटली की खिलाड़ी के खिलाफ सभी छह मुकाबले जीते हैं तथा उनमें से केवल एक सेट गंवाया है। पाओलिनी ने पहले सेट में बढ़त बना ली थी, लेकिन स्वियातेक ने वापसी की। पाओलिनी ने सर्विस तोड़कर स्कोर बराबर कर लिया, लेकिन स्वियातेक पहला सेट जीतने में सफल रही। स्वियातेक के मैच के आठवें ऐस ने उन्हें दूसरे सेट में 5–3 की बढ़त दिला दी। पाओलिनी ने दूसरे सेट में दो बार सर्विस तोड़ी लेकिन स्वियातेक मैच जीतकर अपने करियर का 24वां एकल खिताब हासिल करने में सफल रहीं।

एशियाई चैंपियनशिप

ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्टार निशानेबाज ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में लिया भाग

मनु ने जीता कांस्य, जूनियर वर्ग में रश्मिका को स्वर्ण

शिमकेंट (कजाकिस्तान), एजेंसी

ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने मंगलवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप की महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता जबकि रश्मिका सहगल ने जूनियर महिला एयर पिस्टल स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया। रश्मिका ने व्यक्तिगत के साथ टीम स्पर्धा में भी शीर्ष स्थान हासिल किया।

भाकर ने आठ महिलाओं के फाइनल में 219.7 अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की कियान्के मा ने 243.2 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि कोरिया की जिन यांग को 241.6 अंक के साथ रजत पदक मिला। रश्मिका ने फिर से कमाल का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में भारत का तीसरा व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 241.9 का स्कोर करके रजत पदक जीतने वाली कोरियाई हान सेउंगह्यून को 4.3 अंक की बड़े अंतर से पछाड़ा। यह रश्मिका (क्वालिफिकेशन स्कोर 582) के लिए दोहरी सफलता थी क्योंकि उन्होंने इस स्पर्धा में वंशिका चौधरी (573) और मोहिनी सिंह (565) के साथ मिलकर टीम स्वर्ण पदक जीता।

भाकर ने क्वालीफिकेशन में तीसरे स्थान पर रहकर किया था फाइनल में प्रवेश

भाकर ने क्वालीफिकेशन में 583 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में प्रवेश किया था। कोरिया की येजिन ओह ने 585 अंक के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन वह केवल रैंकिंग अंक के लिए इस प्रतियोगिता भाग ले रही थीं, जिससे चीन की कियानक्सुन याओ शीर्ष रैंक की निशानेबाज के रूप में फाइनल में पहुंच गईं। भाकर, सुरुचि सिंह और पलक की तिकड़ी टीम स्पर्धा में 1730 के कुल स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रही।

भारतीय निशानेबाज ने 13वें प्रयास में बढ़त बनाने के बाद इसे आखिर तक रखा बरकरार

महिलाओं के जूनियर वर्ग में रश्मिका को कोरिया की हान से शुरुआत में कड़ी चुनौती मिली लेकिन भारतीय निशानेबाज ने 13वें प्रयास में बढ़त बनाने के बाद इसे आखिर तक बरकरार रखा। उन्होंने 15वें प्रयास में 10 .9 अंक के निशाने के साथ अपना प्रभुत्व कायम किया। भारत ने प्रतियोगिता में अब तक पांच स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक जीते हैं। भारत की अन्य खिलाड़ियों में इस प्रतियोगिता में केवल रैंकिंग अंकों के लिए भाग ले रही ईशा सिंह 577 अंकों के साथ नौवें, सुरुचि सिंह 574 अंकों के साथ 12वें, पलक 573 अंकों के साथ 17वें और सुरभि राव 570 अंकों के साथ 25वें स्थान पर रहीं।